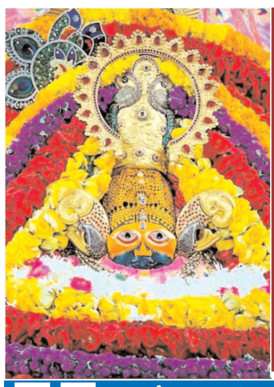

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:17। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद,13 सितंबर 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

सार समाचार

सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण: हाई कोर्ट ने यूपी सरकार से मांगा जवाब, अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को

लखनऊ। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मस्जिद कमेटी को अंतरिम राहत देते हुए छह करोड़ रुपए से अधिक की क्षतिपूर्ति वसूली के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है। कोर्ट ने मामले में उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब भी मांगा है। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकलपीठ ने मोहम्मद तनवीर की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी।याचिका में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को प्रशासन द्वारा ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई को चुनौती दी गई है। याची की ओर से आरोप लगाया गया है कि प्रशासन ने पर्याप्त नोटिस और सक्षम आदेश के बिना मस्जिद को ध्वस्त किया।

गोंडा हत्याकांड पर सपा का हमला, बोली- अपराधियों को मिल रहा सत्ता का संरक्षण

लखनऊ । गोंडा हत्याकांड को लेकर उत्तर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। समाजवादी पार्टी (सपा) ने इस मामले को लेकर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। सपा प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार अत्याचार हो रहे हैं और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण मिल रहा है। आशुतोष वर्मा ने समाचार एजेंसी बात करते हुए कहा कि सपा लगातार यह आरोप लगाती रही है कि प्रदेश में टारगेटेड हत्याएं हो रही हैं। गोंडा में निषाद समुदाय से जुड़े विनोद साहनी की हत्या का मामला भी इसी तरह की चिंता को सामने लाता है।

मोदी और क्राउन प्रिंस ने हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय संबंधों पर की चर्चा

मोदी और शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने गले मिलकर एक दूसरे का अभिवादन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने शनिवार को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर एक द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक से पहले, पीएम मोदी और शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने गले मिलकर एक दूसरे का अभिवादन किया। शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान शुक्रवार को नई दिल्ली पहुंचे थे। वे भारत की अध्यक्षता में हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने आए हैं।

इसकी जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 'एक्स' पर लिखा, 'नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के

लिए अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने उनका स्वागत किया।' मंत्रालय ने आगे कहा, 'यह यात्रा भारत-यूएई की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का एक मौका होगी, जो साझा समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा पर केंद्रित है।'

ब्रिक्स की 2026 की अध्यक्षता के तहत, भारत शनिवार से नई दिल्ली के भारत मंडपम में दो दिवसीय 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 'लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' थीम पर आधारित है। यह पीएम मोदी के उस जन-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है जो 'मानवता सर्वोपरि' की भावना पर टिका है। इन क्षेत्रों के अलावा, नेता साझा प्राथमिकताओं पर ब्रिक्स के भीतर सहयोग को मजबूत करने और आपसी महत्व के वैश्विक व क्षेत्रीय मुद्दों पर अपने विचार साझा करने पर चर्चा करेंगे। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस का भारत दौरा, 16 जून को फ्रांस के एवियन में जी7 समिट के दौरान पीएम मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की मुलाकात के बाद हो रहा है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'मेरे भाई, शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ बहुत अच्छी मुलाकात हुई। हमने कई क्षेत्रों में भारत-यूएई संबंधों और हमारी 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।'

'पार्टी के संघर्ष में मेरी वजह से कोई कमजोरी नहीं आनी चाहिए'

पूर्व सीएम हरीश रावत ने कांग्रेस के सभी पदों से दिया इस्तीफा

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कांग्रेस में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनसे जुड़ी किसी भी चीज की वजह से राज्य विधानसभा चुनावों से पहले भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी की लड़ाई कमजोर पड़े। एक्स पर पोस्ट में हरीश रावत ने उन रिपोर्टों का जिक्र किया जिनमें कहा गया था कि देहरादून में उनके पूर्व ओएसडी और सहयोगी जीना के पास से भारी मात्रा में कैश और गहने जब्त किए गए हैं। रावत ने जीना का बचाव करते हुए उन्हें सज्जन और मेहनती व्यक्ति बताया और कहा कि जब्ती से जुड़ी सच्चाई समय के साथ साफ हो जाएगी।

मुझे आरोप पर बिल्कुल विश्वास नहीं- हरीश रावत

हरीश रावत ने कहा कि अगर ग्राम सेवकों की भर्ती में ओएमआर शीट के साथ छेड़छाड़ की और यदि इस तरीके की कोई भी गलती उन्होंने की है, उसके प्रमाण हैं तो उनके इस तथाकथित दुस्साहसिक कृत्य के लिए मैं लज्जित हूं। परंतु मुझे इस आरोप

पर बिल्कुल विश्वास नहीं है। उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'उत्तराखंड के चुनाव में भारी स्टेक्स हैं। मुझसे जब भी कोई व्यक्ति पूछता था कि चुनाव कब हो रहे हैं? तो मैं हंसी में उनसे कहता था कि भई चुनाव तब होंगे, जब सीबीआई मेरे दरवाजे पर दस्तक देने आएगी। यदि अभी नहीं आई है तो इसका अर्थ है कि चुनाव अगले वर्ष मार्च-अप्रैल में ही होंगे। लेकिन इस बार मेरे घर पर नहीं, मेरे एक सहयोगी के घर पर दस्तक देकर एक नरेटिव बनाने का प्रयास किया गया है। कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के खिलाफ लामबंद होकर लड़ रहे हैं। हरीश रावत ने कहा, 'ऐसे समय में हरीश रावत के किसी भी कृत्य से यदि पार्टी के संघर्ष में कोई कमजोरी आती है, तो मैं ऐसा बिल्कुल नहीं चाहूंगा। इसलिए मैंने अभी अपने ईष्ट देवता का स्मरण करके एक बड़ा निर्णय लिया है कि मैं किसी सरकारी पद पर तो हूं नहीं, की उससे त्यागपत्र दूं! हां मैं, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी का सदस्य हूं और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस कार्यसमिति का स्थाई आमंत्रित सदस्य हूं और मैं बहुत विनम्रता पूर्वक इन दोनों पदों से हटना चाहूंगा, क्योंकि पार्टी के संघर्ष में कोई कमजोरी मेरी वजह से नहीं आनी चाहिए।'

असम के शोणितपुर जिले में ट्रक और ईको वाहन की टक्कर, पांच युवकों की मौत

हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर टुबुकीझार स्थित मीट सप्लाई इलाके में हुआ

एजेंसी

शोणितपुर। असम के शोणितपुर जिले में बालीपारा के समीप एक भीषण सड़क हादसे में पांच युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर टुबुकीझार स्थित मीट सप्लाई इलाके में हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रक और ईको वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई।

पुलिस के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान संजय मेष, लाटुमनी (पापू) बोरा, नयन स्वर्गियारी, प्रांजल बनिया और हरबिंद (गोविंद) हाजोवारी के रूप में हुई है। सभी मृतक ओहनी पथार बटाबारी इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, दोनों वाहन विपरीत दिशाओं से आ रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने ईको वाहन को सामने से जोरदार

टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईको वाहन सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। पुलिस ने लोगों की मदद से वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया गया। दुर्घटनाग्रस्त ईको वाहन से कई शराब की बोतलें भी बरामद हुई हैं। हालांकि, इन बोतलों का हादसे से क्या संबंध है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। तेज रफ्तार, वाहनों की स्थिति और हादसे से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। घटना के बाद मृतकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है।

सिंघु बॉर्डर पर लिखे थे खालिस्तान के समर्थन में नारे

पंजाब के फरीदकोट से तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

शोणितपुर। दिल्ली पुलिस ने घोषित आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के निर्देश पर सिंघु बॉर्डर पर खालिस्तान के समर्थन में नारे लिखने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तीनों की गिरफ्तारी पंजाब के फरीदकोट से हुई है। सिंघु बॉर्डर की दीवारों पर ये नारे लिखने और वॉल पेंटिंग की घटना छह सितंबर को सामने आई थी।

इसके बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। सिंघु बॉर्डर दिल्ली और हरियाणा के बॉर्डर पर पड़ता है। 2020-21 के किसान आंदोलन के दौरान यह राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया था। तब सिंघु बॉर्डर पर कई महीनों तक किसानों ने धरना दिया था।

पन्नू ने ली थी घटना की जिम्मेदारी

पुलिस सूत्रों के अनुसार, खालिस्तान समर्थक संगठन 'सिक्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जिम्मेदारी भी ली थी। सूत्रों ने बताया कि आरोपियों की पहचान प्रीतपाल, हरमिंदर सिंह और शीशपाल के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि जांच कर रहे अफसरों ने सिंघु बॉर्डर की सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर उनकी गतिविधियों का पता लगाया जिसके बाद उन्हें पंजाब के फरीदकोट से गिरफ्तार किया गया।

भारतीय सेना ने एलओसी पर आतंकी गतिविधियां बढ़ने और असामान्य सैन्य तैनाती के दावों को किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर फैलाई जा रहीं जम्मू-कश्मीर में 'लाइन ऑफ कंट्रोल' (एलओसी) के पास आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी खबरों का खंडन किया है। सेना ने स्पष्ट किया कि यह जानकारी फैलाने वाला अकाउंट पाकिस्तान से चलाया जा रहा प्रोपेगैंडा अकाउंट है। साथ ही, सेना ने लोगों को आगाह किया कि वे बिना पुष्टि किए दावों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे बढ़ाएं। दक्षिण-एशियाई और प्रवासी दरअसल, सोशल मीडिया पर यह खबर फैलाई गई कि लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास आतंकवादी गतिविधियां बढ़ गई हैं। इनमें यह भी दावा किया गया कि भारतीय सेना ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा और बारामूला जिलों में बड़े सैन्य ठिकानों के पास रहने वाले लोगों से अपने घर खाली करने को कहा है। हालांकि, भारतीय सेना के 'फैक्ट चेक' में यह दावे फर्जी पाए गए हैं। सेना ने एलओसी के पास आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि के दावों को खारिज किया है। साथ ही, उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा व बारामूला जिलों में प्रमुख सैन्य छावनियों के पास बने घरों को खाली करने जैसे आदेशों से इनकार किया है। भारतीय सेना के आधिकारिक फैक्ट चेक अकाउंट से 'एक्स' पर पोस्ट में कहा गया, ''कश्मीर इंटेल' नाम का 'एक्स' अकाउंट ऐसी झूठी खबरें फैला रहा है, जिनमें दावा किया गया है कि 'लाइन ऑफ कंट्रोल' (एलओसी) के पास आतंकवादी गतिविधियां बढ़ गई हैं। ये दावे उन खबरों से जोड़े जा रहे हैं, जिनमें कहा गया है कि भारतीय सेना ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा और बारामूला जिलों में बड़े सैन्य ठिकानों के पास रहने वाले लोगों से अपने घर खाली करने को कहा है।'

प्रधानमंत्री मोदी और यूएन महासचिव की मुलाकात

सुरक्षा परिषद सहित बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बहुध्रुवीयता (मल्टीपोलैरिटी) के महत्व और मौजूदा वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) सहित बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरेस ने चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। उन्होंने कई मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें जारी संघर्ष और नेविगेशन की स्वतंत्रता, सतत विकास, मानव-केंद्रित एआई, नवीकरणीय ऊर्जा में प्रगति और वैश्विक खाद्य सुरक्षा शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस को उनके कार्यकाल के शेष समय के लिए शुभकामनाएं दीं।

बिहार के सीतामढ़ी में ताबड़तोड़ फायरिंग, जिला परिषद सदस्य के पति बैद्यनाथ महतो की हत्या

ग्रामीणों ने किया पुलिस पर हमला

एजेंसी

सीतामढ़ी। बिहार के सीतामढ़ी में जिला परिषद सदस्य के पति की शनिवार सुबह अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान बैद्यनाथ महतो के रूप में हुई है। बैद्यनाथ महतो वार्ड संख्या 13 की जिला परिषद सदस्य दिलखुश देवी के पति हैं। बैद्यनाथ महतो पर मॉर्निंग वॉक के दौरान हमला हुआ। पुलिस ने बताया कि घटना सीतामढ़ी के डुमरा थाना क्षेत्र के पथरिया श्मशान के पास हुई। घटना के बाद महतो के परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने सड़क पर जाम लगा दिया। स्थानीय मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया और गाड़ियों में तोड़फोड़ भी की। बैद्यनाथ महतो हर दिन की तरह शनिवार सुबह भी मॉर्निंग वॉक पर

निकले थे। इसी दौरान श्मशान घाट के पास दो बाइकों पर चार हमलावर आए और महतो पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। इससे पहले भी 28 अगस्त को बदमाशों ने महतो के घर पर फायरिंग की थी और तब पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। महतो की हत्या की घटना से नाराज ग्रामीणों का कहना था कि फायरिंग मामले में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद भी किसी भी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया था।

पंजाब पुलिस ने यूरोप से पहली बार प्रत्यर्पण किया हासिल

मोल्दोवा से भारत लाया गया जग्गू भगवानपुरिया गैंग का सदस्य

एजेंसी

चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों की मदद से यूरोप से पहली बार किसी अपराधी के प्रत्यर्पण में सफलता हासिल की है। यह अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि पुलिस ने मोल्दोवा गणराज्य से भगोड़े अपराधी अमृतपाल सिंह (उर्फ अमृत डालम) का प्रत्यर्पण कराया है, जो जग्गू भगवानपुरिया गैंग का एक अहम सदस्य है। डीजीपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि वह हत्या, हत्या की कोशिश, गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, आर्म्स एक्ट और नशीले पदार्थों से जुड़े अपराधों जैसे कई मामलों में वांछित है। उन्होंने कहा कि यह पंजाब पुलिस द्वारा किसी यूरोपीय देश से प्रत्यर्पण हासिल करने का पहला मामला है,

जो संगठित अपराध के खिलाफ लड़ाई में एक अहम उपलब्धि है। डीजीपी ने कहा, 'ऑपरेशन ईस्टर्न रीच की सफलता एजीटीएफ (एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स) पंजाब और ओएफटीईसी (ओवरसीज फ्यूजिटिव ट्रैकिंग एंड एक्सट्रैडिशन सेल) पंजाब द्वारा केंद्रीय एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ लगातार निगरानी और करीबी तालमेल के कारण संभव हो पाई। जो छह महीने तक खुफिया जानकारी पर आधारित एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का सर्च ऑपरेशन था।' डीजीपी ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग के तहत मोल्दोवा और अजरबैजान के अधिकारियों, सीबीआई की इंटरनेशनल पुलिस कोऑपरेशन यूनिट, गृह और विदेश मंत्रालयों और अन्य सभी केंद्रीय एजेंसियों का भी धन्यवाद किया। इस बीच, पंजाब पुलिस का 'गैंगस्टरन ते वार' अभियान शनिवार को 235वें दिन में प्रवेश कर गया। एक दिन पहले, पुलिस ने राज्य भर में गैंगस्टरों के साथियों से जुड़ी पहचानी गई और मैप की गई जगहों पर 601 छापे मारे।

बाराबंकी में घाघरा का तांडव: हेतमापुर गांव में देखते ही देखते बह गए आशियाने

युद्ध स्तर पर जिला प्रशासन कटान रोकने में जुटा

एजेंसी

बाराबंकी । उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में घाघरा नदी का जलस्तर भले ही थोड़ा कम हुआ हो, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। रामनगर तहसील क्षेत्र के हेतमापुर गांव में मुश्किलें और बढ़ती जा रही हैं। नदी की तेज धारा अब लोगों के आशियानों को एक-एक कर अपने आगोश में ले रही है। कोई अपनी आंखों के सामने अपना घर टूटता देख रहा है, तो कोई अपनी जिंदगी भर की कमाई को बहता देखकर फूट-फूटकर रो रहा है। अब सबसे बड़ा खतरा हेतमापुर के प्रसिद्ध श्री बाबा नारायण दास मंदिर और बगल की मस्जिद पर मंडरा रहा है। बेकाबू कटान के आगे लोग बेबस नजर आ रहे हैं। वहीं, प्रशासन ओर से इस तबाही को रोकने में जुटा है। घाघरा अपने जलस्तर से लगभग 14 सेमी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, लेकिन धार अब भी बेहद खतरनाक बनी हुई है। जबरदस्त कटान के चलते हेतमापुर गांव में एक के बाद एक घर नदी में समाते जा रहे हैं। किसी ने अपने घर का सामान बाहर निकाल लिया है, तो कोई मजबूरी में अपने आशियाने को खुद ही तोड़ रहा है, ताकि कम से कम घर का कुछ सामान बचाया जा सके।

इस मंजर ने ग्रामीणों को अंदर तक झकझोर दिया है। अब सबसे बड़ी चिंता श्री बाबा नारायण दास मंदिर को लेकर है। मंदिर के बेहद करीब पहुंच चुकी घाघरा की धारा से खतरा लगातार बढ़ता

जा रहा है। मंदिर के बगल में मौजूद मस्जिद पर भी कटान का खतरा मंडरा रहा है। नदी की धारा कब किस जमीन को अपने साथ बहा ले जाए, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। देखते ही देखते जमीन कटती है और लोगों के आशियाने घाघरा में समा जाते हैं। लगातार हो रही इस तबाही को लेकर ग्रामीणों में जबरदस्त गुस्सा भी देखने को मिल रहा है। लोग प्रशासन से कटान रोकने के लिए प्रभावी इंतजाम की मांग कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ जिला प्रशासन भी अब पूरी ताकत के साथ कटान रोकने में जुटा है। मौके पर बाढ़ खंड के अधिकारी और कर्मचारी युद्ध स्तर पर बचाव एवं कटान रोकने के प्रयास में लगे हुए हैं। वहीं, एसडीएम भी मौके पर पहुंचकर लगातार स्थिति की निगरानी कर रही हैं। फिलहाल प्रशासन की कोशिश यही है कि घाघरा की इस खतरनाक धार को आबादी और धार्मिक स्थलों तक पहुंचने से रोका जा सके।

एसडीएम आकांक्षा गुप्ता ने बताया कि बाढ़ से ग्रसित लोगों को भोजन मुहैया कराया जा रहा है। इसके साथ ही जिनके मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें आर्थिक सहायता दी जाएगी। जिन लोगों के घर नदी कटान में चले गए हैं, उनके रहने के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। अभी तक 10 पक्के मकान नदी में समा चुके हैं।

DRUCC के पूर्व मेंबर कश्यप व्यास का वेस्टर्न रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन पर कड़ा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जैसे-जैसे त्योहारों का मौसम और छुट्टियों के दिन पास आ रहे हैं, वेस्टर्न रेलवे का अहमदाबाद डिवीज़न एक बार फिर विवादों में घिर गया है। एक तरफ आम नागरिक घंटों लाइनों में लगने के बाद भी कन्फर्म टिकट के लिए जूझ रहा है, वहीं दूसरी तरफ एडमिनिस्ट्रेशन में बैठे बड़े अधिकारी और जनता के चुने हुए नुमाइंदे इस स्थिति को पूरी तरह से अनदेखा कर रहे हैं। वेस्टर्न रेलवे मुंबई के जनरल मैनेजर श्री पांडेजी और अहमदाबाद डिवीज़न के सीनियर अधिकारियों के काम करने के तरीके पर गहरा गुस्सा जाहिर करते हुए, DRUCC (डिवीजनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी) के पूर्व मेंबर कश्यप के. व्यास ने खुलकर अपना गुस्सा निकाला है। उन्होंने एडमिनिस्ट्रेशन की इनएक्शन और अधिकारियों की नाकाबिलियत पर तीखे तीर छोड़े हैं। कश्यप व्यास ने गुजरात के लोकसभा सांसदों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं और कहा है कि गुजरात से चुनकर संसद पहुंचे 25 सांसद जनता के इस अहम मुद्दे पर पूरी तरह से निष्क्रिय हो गए हैं। ये सांसद दिल्ली स्तर से रेल मंत्रालय से नई ट्रेनें मंजूर करवाने, गुजरात रूट पर अतिरिक्त कोच आवंटित करने या यात्रियों की सुविधा के लिए कोई काम नहीं कर रहे हैं। जनप्रतिनिधियों की इस उदासीनता का सीधा नतीजा राज्य के आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अहमदाबाद डिवीजन में सीनियर के पद पर कार्यरत अनु त्यागी जैसे अधिकारियों की नियुक्ति पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि ऐसे अधिकारियों को एक राज्यसभा सदस्य से निजी लगाव के कारण अहमदाबाद जैसे अहम और व्यस्त डिवीजन की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि हकीकत यह है कि उन्हें प्रशासनिक कामों की कोई सही जानकारी या अनुभव नहीं है। अहमदाबाद डिवीजन में अभी सिर्फ़ एक ACM DCM लेवल के अधिकारी को ही काम की समझ है, बाकी ज़्यादातर त्यागी की तरह ही नाकाबिल साबित हो रहे हैं।

डभोई तालुका पंचायत में करोड़ों की लागत से बना RO प्लांट बना 'कचरादान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। सरकार लोगों की खून-पसीने की कमाई के करोड़ों रुपये खर्च करके मॉडर्न सरकारी ऑफिस और सुविधाएं बना रही है, लेकिन लोकल बाबुओं और लापरवाह अधिकारियों की बेपरवाही की वजह से ये सरकारी योजनाएं कैसे धूल फांक रही हैं, इसका जीता-जागता सबूत डभोई तालुका पंचायत में सामने आया है। लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करके ऑफिस परिसर में लगाया गया ऋह्व. प्लांट और वाटर कूलर आज सिस्टम की बड़ी लापरवाही की वजह से कूड़ेदान जैसा बन गया है। डभोई तालुका पंचायत इलाके में कुल 118 छोटे-बड़े गांव आते हैं। जैसे, हर दिन सैकड़ों ग्रामीण, किसान और महिला आवेदक प्लानिंग के काम, जमीन के मामले या सरकारी कागजी कार्रवाई के लिए ऑफिस आते हैं। इन सभी नागरिकों को साफ और ठंडा पीने का पानी मिले, इसके लिए प्रशासन ने ऋह्व प्लांट लगाया। लेकिन सही मेंटेनेंस और रिपेयर न होने की वजह से यह सिस्टम लंबे समय से बेकार पड़ा है। प्लांट के आसपास गंदगी, झाड़ियां और कचरा जमा हो गया है, जिसकी वजह से लोगों को पानी मिलना तो दूर, वहां खड़े होने पर भी बदबू का सामना करना पड़ता है। ऑफिस परिसर में पीने का बेसिक पानी भी न होने की वजह से दूर-दराज के गांवों से आने वाले गरीब नागरिकों और बुजुर्गों को भीषण गर्मी में बहुत परेशानी हो रही है। प्रशासन की इस बेरहमी की वजह से आम लोगों को अपनी जेब से ?10 से ?20 खर्च करके बाहर से पीने के पानी की बोतलें या पाउच खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। एक तरफ सरकार ऑफिसों को सभी मॉडर्न सुविधाओं से लैस करने के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ डभोई तालुका पंचायत के अधिकारियों की इस तरह की लापरवाही से स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है। आला अधिकारी कुंभकर्ण की नींद से कब जागेंगे? करोड़ों की लागत से सरकारी प्रॉपर्टी बनाने के बाद उसकी देखभाल न करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जनता मांग कर रही है। अब देखना यह है कि जिले के बड़े अधिकारी इस चौंकाने वाले मामले पर तुरंत सख्त कार्रवाई कब करेंगे और इस बंद पड़े ऋह्व प्लांट को फिर से चालू करके 118 गांवों के हजारों आवेदकों को पीने के पानी की राहत कब देंगे!

महुधा ममलतदार ऑफिस में केस चलने के बावजूद डॉक्यूमेंटेशन पर बड़ा विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद/महुधा। खेड़ा जिले के महुधा तालुका ममलतदार ऑफिस के एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम का गंभीर और संदिग्ध कामकाज एक बार फिर विवादों में घिर गया है।

जमीन विवाद का मामला विवादित होने और सब-डिविजनल या ममलतदार कोर्ट में पेंडिंग होने के बावजूद, अधिकारियों और रजिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट द्वारा उस जमीन का डॉक्यूमेंटेशन करने पर बड़ा हंगामा हुआ है। चल रही कानूनी प्रक्रिया के बावजूद डॉक्यूमेंटेशन करने की इस घटना ने रेवेन्यू सिस्टम की ट्रांसपेरेंसी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। महुधा तालुका के इलाके में कीमती जमीन को लेकर एक विवाद ममलतदार ऑफिस/ज्यूडिशियल अथॉरिटी के सामने पेंडिंग था। नियमों के मुताबिक, जब किसी जमीन पर कोई कानूनी केस या समझौता चल रहा हो, तो उसका मालिकाना हक बदलने या नए डॉक्यूमेंट बनाने पर रोक या सावधानी होती है। लेकिन सारे नियमों को नज़रअंदाज़ करके, ममलतदार ऑफिस के सब-रजिस्ट्रार और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी या संदिग्ध तरीके से डॉक्यूमेंट रजिस्टर कर लिया गया। जैसे ही दूसरी पार्टी को इस बारे में पता चला, ऑफिस परिसर में भारी हंगामा हुआ और पिटीशनर्स ने एडमिनिस्ट्रेशन पर सीधे भ्रष्टाचार के आरोप लगाए।

केस पेंडिंग होने के बावजूद कार्रवाई: केस में ज़मीन सुधार या विरासत/बिक्री को लेकर ऑब्जेक्शन रजिस्टर किया गया था, फिर भी अधिकारियों ने किस लालच में डॉक्यूमेंट को मंजूरी दी, यह जांच का विषय है।

भू-माफिया और एडमिनिस्ट्रेशन के बीच मिलीभगत का आरोप: पिटीशनर्स का आरोप है कि कीमती ज़मीन हड़पने के लिए भू-माफिया और ऑफिस के ज़िम्मेदार कर्मचारियों के बीच अंदरूनी साठगांठ होने की पूरी संभावना है।

नियमों के अनुसार ऑब्जेक्शन एप्लीकेशन खारिज: सिस्टम की मुख्य ज़िम्मेदारी डॉक्यूमेंट तैयार करते समय केस की डिटेल्स और स्टेटस चेक करना है, जिसमें बड़ी लापरवाही दिखाई गई है। ऊंचे लेवल पर रिप्रेजेंटेशन और आंदोलन की धमकी पीड़ित पक्ष ने इस विवादित डॉक्यूमेंट के खिलाफ खेड़ा डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर, DSP और बड़े रेवेन्यू अधिकारियों को ऑफिशियली लिखकर रिप्रेजेंटेशन दी है। अगर इस गैर-कानूनी तरीके से तैयार किए गए डॉक्यूमेंट को तुरंत कैंसल नहीं किया गया और जांच कमेटी बनाकर जिम्मेदार ममलतदार या रजिस्ट्रेशन स्टाफ के खिलाफ सख्त एक्शन नहीं लिया गया, तो संबंधित गांववालों और आवेदकों ने उग्र आंदोलन करने और कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की धमकी दी है। अब देखना यह है कि खेड़ा डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर महुधा ऑफिस के इस संदिग्ध डॉक्यूमेंट स्कैंडल के खिलाफ क्या सख्त एक्शन लेते हैं।

'सूरत क्राइम की राजधानी बन गया है?

विपक्ष ने BJP सरकार, होम मिनिस्टर हर्ष संघवी और C.R. पाटिल पर हमला किया, लॉ एंड ऑर्डर की हालत और खराब

सूरत में कॉम्बिंग और रात की गश्त बढ़ाने की तैयारी

शराब-जुए के अवैध कारोबार को लेकर सियासी घमासान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। डायमंड सिटी और टेक्सटाइल हब के नाम से मशहूर सूरत अब क्राइम सिटी बनता दिख रहा है। शहर में लगातार हो रही हत्याएं, धमकी, हथियारों से हमले, लूटपाट, देसी-विदेशी शराब की खुली बिक्री और जुए के अड्डों की असामाजिक गतिविधियों ने अधिकारियों और पुलिस सिस्टम के दावों की हवा निकाल दी है। विपक्ष और आम जनता ने सरकार के खिलाफ आक्रामक घेराबंदी शुरू कर दी है और गंभीर आरोप लगाए हैं कि होम मिनिस्टर हर्ष संघवी और राज्य BJP के ताकतवर नेता C.R. पाटिल के गृह जिले सूरत में लॉ एंड ऑर्डर की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। अपराधी बेलगाम हैं और जनता डर के साये में है: विपक्ष के कड़े सवाल विपक्षी नेताओं और स्थानीय नेताओं ने BJP सरकार और गृह विभाग पर हमला बोलते हुए चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं

अपराधियों को बचाने का आरोप: विपक्ष का सीधा आरोप है कि असामाजिक तत्वों और गैर-कानूनी धंधे चलाने वालों को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है, जिसकी वजह से अपराधियों में कानून या पुलिस का कोई डर नहीं है। आम तौर पर हत्या और लूट का आतंक: शहर के अलग-अलग इलाकों में आम सड़कों पर धारदार हथियारों से हमले, पुरानी रंजिश में खूनी खेल और लूटपाट की घटनाओं ने व्यापारियों और आम नागरिकों में बहुत डर का माहौल बना दिया है।

शराब और जुए के अड्डों का साम्राज्य: राज्य में सख्त शराबबंदी के दावों के बीच विपक्ष ने पूछा है, 'क्या सूरत को गुजरात की क्राइम कैपिटल बनाने का कोई प्लान है?' लोकल पुलिस सिस्टम का दावा और एक्शन प्लान

दूसरी तरफ, सूरत शहर की पुलिस और बड़े अधिकारियों ने आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि शहर में क्राइम रोकने के लिए एक कैंपेन चलाया जा रहा है

1. **कॉम्बिंग और राउंड-द-क्लॉक पेट्रोलिंग:** शहर के सेंसिटिव इलाकों में सरप्राइज रेड और नाइट पेट्रोलिंग तेज कर दी गई है।

2. **आदतन अपराधियों के खिलाफ सख्त कानून:** शराब और जुए के अड्डे चलाने वालों, हमलावरों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ (पासा) और तड़ीपार समेत सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पी. चिदंबरम के सवालों के बाद पार्टी ने कहा- 'भारत को देश के हित में इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करना चाहिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ग्लोबल पॉलिटिक्स और आर्थिक समीकरणों में बेहद अहम माने जाने वाले BRICS (ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन, साउथ अफ्रीका) संगठन में भारत की भूमिका को लेकर देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के अंदर एक बड़ा वैचारिक बदलाव सामने आया है। पूर्व फाइनेंस मिनिस्टर और सीनियर कांग्रेस लीडर पी. चिदंबरम के BRICS की उपयोगिता पर सवाल उठाने के बाद अब कांग्रेस पार्टी ने ऑफिशियल सफाई देकर अपना स्टैंड साफ कर दिया है। कांग्रेस ने साफ कहा है कि भारत को ग्लोबल लेवल पर अपने देश के हितों की रक्षा के लिए BRICS जैसे अहम प्लेटफॉर्म का ज्यादा से ज्यादा और असरदार इस्तेमाल करना चाहिए। घटना तब शुरू हुई जब पूर्व फाइनेंस मिनिस्टर पी. चिदंबरम ने BRICS संगठन की प्रासंगिकता पर सवाल उठाए। उन्होंने शक जताया कि क्या चीन और रूस के दबदबे वाले इस प्लेटफॉर्म से भारत को वाकई कोई बड़ा पॉलिटिकल या इकोनॉमिक फायदा हो रहा है। चिदंबरम के बयान के बाद पॉलिटिकल गलियारे में खूब चर्चा हुई और BJP समेत अलग-अलग हलकों से कांग्रेस की फॉरेन पॉलिसी पर हमले शुरू हो गए। जैसे ही विवाद बढ़ा, कांग्रेस पार्टी ने तुरंत लीड ली और पार्टी का ऑफिशियल स्टैंड साफ किया। पार्टी के सीनियर प्रवक्ताओं और लीडरशिप ने कहा BRICS का बनना और भारतीय हित BRICS को बनाने और डेवलप करने में भारत का एक्टिव योगदान रहा है। दुनिया को मल्टीपोलर बनाने में इस ऑर्गनाइजेशन का रोल अहम है।देश का हित सबसे ऊपर भारत को पार्टी पॉलिटिक्स से ऊपर उठकर फॉरेन पॉलिसी के मुद्दे पर अपने कमर्शियल, इकोनॉमिक और स्ट्रेटेजिक हितों को पाने के लिए BRICS जैसे ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखनी होगी। लोबल साउथ (डेवलपमेंट वाले देश) के मुद्दों को उठाने का एक पावरफुल मीडियम है, जहां भारत को चीन या दूसरे देशों के असर के खिलाफ अपनी इंडिपेंडेंट आवाज़ उठानी चाहिए। पॉलिटिकल और स्ट्रेटेजिक मायो कांग्रेस की यह क्लैरिटी दिखाती है कि पार्टी इंटरनेशनल और फॉरेन पॉलिसी के मामलों में अपने पुराने और अनुभवी नेताओं के पर्सनल विचारों से ज़्यादा देश के नेशनल इंटरेस्ट को प्रायोरिटी दे रही है। ऐसे समय में जब ग्लोबल लेवल पर इकोनॉमिक स्लोडाउन और जियो-पॉलिटिकल टेंशन बढ़ रहे हैं, सभी पॉलिटिकल पार्टियां अब यह मान रही हैं कि BRICS प्लेटफॉर्म पर भारत की प्रेजेंस और एक्टिविटी बहुत ज़रूरी है।

38 साल तक साधु के भेष में छिपा रहा अपराधी आखिरकार सलाखों के पीछे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। 'पाप का घड़ा हमेशा भरा रहता है और कानून के हाथ लंबे होते हैं' - एक बहुत ही चौंकाने वाली घटना सामने आई है जो इस कहावत को साबित करती है। 1988 में एक महिला को किडनैप करके उसके साथ भयानक रेप करने के बाद, 70 साल का फरार आरोपी, जो पिछले 38 सालों से पुलिस और कानून को चकमा देकर वृंदावन में साधु बनकर रह रहा था, आखिरकार पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ लिया है। घटना की जानकारी के मुताबिक, 1988 में इस आरोपी ने एक महिला को किडनैप करके उसकी इज्जत लूटी थी। इस घिनौने जुर्म को करने के बाद, आरोपी पुलिस की पकड़ से बचने के लिए रातों-रात फरार हो गया था। कानून से बचने के लिए उसने धर्म की शरण ली और उत्तर प्रदेश के पवित्र वृंदावन में जाकर अपना नाम और पहचान बदल ली। वह इतने सालों से आश्रमों और मंदिरों में साधु के भेष में एक आम साधु की तरह रह रहा था, ताकि किसी को उसके क्रिमिनल अतीत के बारे में ज़रा भी शक न हो। कई दशकों पुराने अनसुलझे अपराधों (कोल्ड केस) की जांच करते हुए, पुलिस टीम इस फरार आरोपी की जानकारी हासिल करने में एक्टिव हो गई। सीक्रेट मुखबिरों और जानकारी के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली कि 1988 का यह मोस्ट वांटेड आरोपी वृंदावन के एक आश्रम में 'साधु' बनकर छिपा हुआ है।पुलिस टीम ने एक तेज़ और सीक्रेट ऑपरेशन चलाया और वृंदावन में रेड मारकर इस 70 साल के क्रिमिनल को पकड़ लिया। इस घटना ने साबित कर दिया है कि कितना भी समय बीत जाए या धर्म का कितना भी भेस बदल लिया जाए, कोई भी किए गए पापों और कानूनी सज़ा से बच नहीं सकता। 38 साल से न्याय से भाग रहे इस आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पीड़ित परिवार को दशकों बाद न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

राजकोट-भावनगर हाईवे पर बाबरा के पास ग्रैंड एंट्री, शराब नेटवर्क का भंडाफोड़, गोंडल का बदनाम बूटलेगर लालो गोहिल सूरत की एम्बुलेंस के साथ पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाबरा/राजकोट। इंसानों की जान बचाने वाली वही गाड़ी अब शराब की तस्करी का सुरक्षित ज़रिया बन गई है! एक टिप-ऑफ के आधार पर, बाबरा पुलिस टीम ने राजकोट-भावनगर स्टेट हाईवे पर पहरा लगाकर सूरत से गुज़र रही एक एम्बुलेंस से लाखों रुपये की विदेशी शराब ज़ब्त करके सनसनी फैला दी है। खाकी की नाक के नीचे एम्बुलेंस में शराब की तस्करी के इस काले काम में, गोंडल के बदनाम बूटलेगर लालो गोहिल को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया है। बाबरा पुलिस को मिली खास जानकारी के आधार पर, राजकोट-भावनगर हाईवे पर एक तैनाती की गई थी। इसी बीच, सूरत से पूरी रफ़्तार से आ रही एक एम्बुलेंस को रोककर जब उसकी तलाशी ली गई, तो पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। मरीज़ों और स्ट्रेचर के बजाय, एम्बुलेंस में

विदेशी शराब की पेटियाँ और क्रेट भरी हुई थीं। पुलिस ने तेज़ी से एक्शन लिया और गोंडल के जाने-माने बूटलेगर लालो गोहिल को शराब और सूरत से गुज़र रही एम्बुलेंस से टकराने से पहले ही पकड़ लिया। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि यह शराब कहाँ से लाई गई थी? इसे किस बड़े माफिया या नेटवर्क तक पहुँचाया जाना था? और क्या यह सूरत एम्बुलेंस किराए पर ली गई थी या यह किसी बड़े गैंग का हिस्सा है? पुलिस अभी इस दिशा में पूरी जाँच कर रही है। गांधी के गुजरात में जनता का गृह मंत्री हर्ष संघवी और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से सीधा सवाल गुजरात की जागरूक जनता 'पक्को गुजरात न्यूज़' के ज़रिए राज्य के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और राज्य के गृह मंत्री श्री हर्ष संघवी से कड़े शब्दों में पूछ रही है: शराबबंदी सिर्फ़ कागज़ों पर क्यों है?: राज्य में पूरी तरह शराबबंदी का दावा है, फिर बूटलेगर इतने बेरहम कैसे हो गए कि वे इंसानी सेवा के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एम्बुलेंस का इस्तेमाल शराब की तस्करी के लिए कर रहे हैं? हाईवे पर चेकिंग का ड्रामा?: स्टेट हाईवे और ज़िले के बॉर्डर पर पुलिस चेकपोस्ट होने के बावजूद सूरत से निकली एम्बुलेंस बाबरा पहुँच गई, तब तक बीच में आने वाले दर्जनों पुलिस स्टेशन और गाड़ी चेकिंग टीमें सो रही थीं? आकाओं पर सख्त एक्शन कब होगा? सप्लाई चेन चलाने वाले बड़े मगरमच्छों पर बुलडोज़र एक्शन क्यों नहीं लिया जा रहा है?

वडोदरा की एम.एस. यूनिवर्सिटी में NSUI का हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक नगरी वडोदरा की दुनिया भर में मशहूर महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट विंग और यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन एक बार फिर आमने-सामने आ गए हैं। यूनिवर्सिटी के आने वाले 75वें ऐतिहासिक दीक्षांत समारोह को लेकर स्टूडेंट्स की डिग्री मिलने के ऑनलाइन प्रोसेस में हो रही देरी को लेकर NSUI ने आज यूनिवर्सिटी हेड ऑफिस पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। शनिवार को छुट्टी होने की वजह से अधिकारी मौजूद नहीं थे, इसलिए गुस्साए कार्यकर्ताओं ने हेड ऑफिस के मेन गेट पर एप्लीकेशन चिपकाए और भारी बैनर और नारे लगाकर एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी का 75वां दीक्षांत समारोह होने वाला है, जो हजारों पास-आउट स्टूडेंट्स के लिए बहुत अहम पल है। लेकिन यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन की धीमी और अनाड़ी पॉलिसी की वजह से, स्टूडेंट्स के लिए डिग्री के लिए अप्लाई करने का ऑनलाइन पोर्टल अभी तक ठीक से लॉन्च या एक्टिवेट नहीं हो पाया है। ऑनलाइन पोर्टल बंद होने या टेक्निकल दिक्कतों की वजह से ऐसी हालत हो गई है कि हज़ारों स्टूडेंट्स अपने डिग्री सर्टिफिकेट पाने से चूक गए हैं। स्टूडेंट्स बहुत परेशान हैं क्योंकि आगे की पढ़ाई या नौकरी के लिए डिग्री ज़रूरी है। इस गंभीर मामले की ओर एडमिनिस्ट्रेशन का ध्यान खींचने के लिए, आज बड़ी संख्या में NSUI (नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ़ इंडिया) के मेंबर और वर्कर M.S. यूनिवर्सिटी के हेड ऑफिस में एप्लीकेशन देने पहुंचे। लेकिन शनिवार को सरकारी छुट्टी होने की वजह से हेड ऑफिस में कोई सीनियर अधिकारी या एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ मौजूद नहीं था। यह हालत देखकर स्टूडेंट लीडर भड़क गए। उन्होंने यूनिवर्सिटी के मेन गेट पर पिटीशन चिपका दी और हेड ऑफिस परिसर में यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन के ज़ोरदार अनाउंसमेंट के साथ नारे लगाए। स्टूडेंट लीडर्स की सख्त चेतावनी पोर्टल तुरंत शुरू करेंस्टूडेंट्स के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करें और जल्द से जल्द ऑनलाइन डिग्री पोर्टल को बिना रुकावट के शुरू करें। बेरुखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी अगर 75वें दीक्षांत समारोह जैसे अहम मौके पर भी स्टूडेंट्स को भटकना पड़ा तो यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन पर बड़े सवाल उठेंगे।

तेज आंदोलन की धमकी: अगर आने वाले दिनों में पोर्टल शुरू नहीं किया गया और डिग्री फॉर्म भरने की आसान सुविधा नहीं दी गई तो NSUI यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर के ऑफिस का घेराव करेगी और और भी उग्र कार्यक्रम करेगी। अब देखना यह है कि शनिवार की छुट्टी खत्म होने के बाद सोमवार को यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन कब जागता है और स्टूडेंट्स के हित में ऑनलाइन पोर्टल शुरू करता है!

असरवा सिविल हॉस्पिटल में सिक्योरिटी गार्ड की दादागिरी: मरीज़ के रिश्तेदारों के साथ गाली-गलौज और धक्का-मुक्की के वीडियो वायरल होने से बड़ा झटका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एशिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला अहमदाबाद का असरवा सिविल हॉस्पिटल एक बार फिर विवादों में घिर गया है। सिक्योरिटी के नाम पर तैनात एक प्राइवेट एजेंसी के सिक्योरिटी गार्ड्स की दादागिरी और बदतमीज़ी का मामला सामने आया है, जहाँ गरीब और मिडिल क्लास के मरीज़ उम्मीद लेकर इलाज के लिए आते हैं। सिक्योरिटी गार्ड की मरीज़ के रिश्तेदारों के साथ तीखी बहस, गाली-गलौज और धक्का-मुक्की के सीन कैमरे में कैद हो गए और उनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। इस वीडियो के वायरल होते ही हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन और सिक्योरिटी एजेंसी के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। असरवा सिविल हॉस्पिटल के वार्ड और इमरजेंसी डिपार्टमेंट के पास आए मरीज़ के रिश्तेदारों के साथ सिक्योरिटी गार्ड्स ने बिना किसी वाजिब वजह के बदतमीज़ी की। एंट्री गेट और वार्ड में घुसने को लेकर मामूली बात पर सिक्योरिटी गार्ड्स इंसानियत भूल गए और मरीज़ के रिश्तेदारों के साथ गाली-गलौज की और उन्हें धक्का देकर बाहर निकालने की कोशिश की। पूरी घटना को वहां मौजूद दूसरे आवेदकों और चश्मदीदों ने अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। वायरल वीडियो में सिक्योरिटी गार्ड्स की अकड़ और बर्ताव साफ देखा जा सकता है, जिसमें वे मरीज़ के बेबस परिवार वालों पर अपना रौब जमा रहे हैं। सिक्योरिटी ऑफिस या गुंडों का अड्डा?: अस्पताल में आने वाले मरीज़ और उनके परिवार वाले पहले से ही मानसिक रूप से तनाव में रहते हैं। ऐसे में हमदर्दी दिखाने के बजाय सिक्योरिटी गार्ड्स का ऐसा हिंसक और बदतमीज़ बर्ताव बेहद शर्मनाक है।

प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसियों के साथ पक्षपात क्यों?: सरकार करोड़ों रुपये के कॉन्ट्रैक्ट देकर प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसियों को रोकती है। लेकिन इन गार्ड्स को मरीज़ों और आम लोगों से बात करने की कोई ट्रेनिंग या तहज़ीब नहीं होती।

प्रशासन की लगातार बेपरवाही: असरवा सिविल में सिक्योरिटी गार्ड्स और मरीज़ों या मीडिया वालों के बीच झड़प की यह पहली घटना नहीं है। पहले भी ऐसी कई घटनाएं होने के बावजूद प्रशासन सख्त कार्रवाई करने में नाकाम रहा है। ज़िम्मेदार लोगों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की मांग इस वायरल वीडियो ने सिविल अस्पताल के सुपरिटेंडेंट और एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारियों की नींद उड़ा दी है। पीड़ित परिवार और जागरूक नागरिक मांग कर रहे हैं कि बदतमीज़ी करने वाले सिक्योरिटी गार्ड को तुरंत नौकरी से निकाला जाए और संबंधित प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी के ख़िलाफ़ सज़ा वाली कार्रवाई की जाए। अगर अस्पताल प्रशासन ऐसे बदतमीज़ गार्ड के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई नहीं करता है, तो आने वाले दिनों में मरीज़ों के रिश्तेदारों और लोकल संगठनों द्वारा ज़बरदस्त विरोध प्रदर्शन किए जाने की पूरी संभावना है।

सरदारनगर में 'कोमल ज्वैलर्स' के मालिक ने करोड़ों रुपये का गबन किया, ग्राहकों के कैश और गहने फंसाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन इलाके में मौजूद सरदारनगर मार्केट से धोखाधड़ी का एक बहुत ही चौंकाने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है। सरदारनगर में मशहूर 'कोमल ज्वैलर्स' के मालिक पर ग्राहकों से करोड़ों रुपये ठगने और रातों-रात रफूचक्कर होने के गंभीर आरोपों से हंगामा मच गया है। पीड़ित ग्राहकों से मिली शुरुआती जानकारी और सूत्रों के मुताबिक, कोमल ज्वैलर्स के मालिक ने कई भोले-भाले लोगों को सोने-चांदी के गहने बनवाने, एडवांस बुकिंग और आकर्षक इन्वेस्टमेंट स्कीम के जाल में फंसाया था। ग्राहकों ने अपनी मेहनत की कमाई से करोड़ों रुपये और सोने के गहने इस ज्वैलर के पास जमा किए थे। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से ज्वैलर्स की दुकान पर ताला लगा देखा जा रहा है। जब ग्राहकों ने दुकान के मालिक से संपर्क करने की कोशिश की, तो उनका फोन बंद था। जब दुकान के मालिक का कोई पता नहीं चला, तो ठगे गए ग्राहकों को आखिरकार एहसास हुआ कि उनके साथ बड़ा खेल खेला गया है। ग्राहकों का आरोप है कि ज्वैलर्स का मालिक रातों-रात करोड़ों रुपये का सोना और कैश लेकर फरार हो गया। घटना का पता चलते ही बड़ी संख्या में गुस्साए ग्राहक कोमल ज्वैलर्स के बाहर और एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन पर जमा हो गए। अपनी जीवन भर की कमाई गंवाने के बाद, कई परिवार के सदस्य फूट-फूट कर रो पड़े और पुलिस से न्याय की गुहार लगा रहे हैं। इस पूरे स्कैम के बाद इलाके में काफी अफरा-तफरी और चर्चा का माहौल है। एयरपोर्ट पुलिस ने अब इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और धोखाधड़ी करने वाले ज्वैलर्स के मालिक की तलाश और आगे की कानूनी जांच के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

2025-26 में सरकारी कर्ज़ 4.30 लाख करोड़ के पार राज्य के हर नागरिक पर 57,800 का कर्ज़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात सरकार की फाइनेंशियल हालत को लेकर एक बहुत ही चौंकाने वाली और चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई है। सरकार ने गांधीनगर असेंबली हाउस में ऑफिशियली माना है कि फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के आखिर में राज्य का कुल सरकारी कर्ज़ बढ़कर 4.30 लाख करोड़ के खतरनाक लेवल पर पहुंच गया है। पिछले साल, यानी 2024-25 में गुजरात सरकार पर 3.74 लाख करोड़ का कर्ज़ था, जो सिर्फ एक साल में आधा हो गया है। अगर इस कर्ज़ का हिसाब राज्य की कुल आबादी के हिसाब से प्रति व्यक्ति लगाया जाए, तो आज गुजरात के हर नागरिक पर औसतन 57,800 का सरकारी कर्ज़ बोझ बनकर भारी पड़ रहा है। कर्ज़ पर ब्याज और मूलधन का बोझ बहुत ज़्यादा ह सरकारी कर्ज़ में लगातार और बड़ी बढ़ोतरी का राज्य सरकार के इनकम-खर्च के बैलेंस पर गंभीर असर पड़ रहा है। खजाने पर ब्याज और मूलधन चुकाने का बोझ धीरे-धीरे बढ़ रहा है फाइनेंशियल ईयर 2025-26: सरकार ने कर्ज़ चुकाने पर कुल 61,120 करोड़ खर्च किए हैं, जिसमें ?27,095 करोड़ का ब्याज और34,025 करोड़ का मूलधन शामिल है। फाइनेंशियल ईयर 2024- 25 जिसमें पिछले साल ब्याज पर ?25,604 करोड़ और मूलधन पर 29,126 करोड़ दिए गए थे। डेवलपमेंट की कीमत या फाइनेंशियल संकट? सरकार का दावा है कि राज्य में डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स, इंफ्रास्ट्रक्चर और अलग-अलग कैपिटल खर्च के लिए फाइनेंशियल रिसोर्स जुटाने के लिए यह कर्ज़ लेना ज़रूरी हो गया है। लेकिन दूसरी ओर, एक्सपर्ट्स और विपक्ष इन आंकड़ों को राज्य की इकॉनमी के लिए रेड सिग्नल मान रहे हैं।

अहमदाबाद के उस्मानपुरा में थार ड्राइवर की बेरहमी कॉलेज की छुट्टी के समय सड़क पर किया भयानक स्टंट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्मार्ट सिटी अहमदाबाद के उस्मानपुरा जैसे व्यस्त और एजुकेशनल इलाके में एक बहुत ही सनसनीखेज घटना सामने आई है, जिसमें सड़कों पर ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाकर लोगों की जान खतरे में डाली गई। उस्मानपुरा के पास एशिया पैसिफिक कॉलेज की छुट्टी के समय, एक लापरवाह थार कार ड्राइवर ने सड़क पर टेढ़े-मेढ़े कट बनाकर डरावना स्टंट किया, जिससे पूरे इलाके में भारी हंगामा मच गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे लोगों में गुस्से का तूफान आ गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जिस समय कॉलेज की छुट्टी हो रही थी और बड़ी संख्या में छात्र और आम नागरिक सड़क से गुजर रहे थे, उसी समय इस स्पीड मॉन्स्टर थार ड्राइवर ने अपनी कार को पूरी स्पीड में चलाना शुरू कर दिया और टेढ़े-मेढ़े कट बनाकर स्टंट करने लगा। इस खतरनाक स्टंट से सड़क से गुजर रहे वाहन चालकों और छात्रों में काफी अफरा-तफरी मच गई। लेकिन, इस थार ड्राइवर की अकड़ ज़्यादा देर तक नहीं टिकी। उसकी खतरनाक हरकतें देखकर, मौके पर मौजूद लोकल लोगों और राहगीरों ने हिम्मत दिखाई और चलती कार को रोक लिया। गुस्साए लोकल लोगों ने थार ड्राइवर को पकड़ लिया, उसे घेर लिया और उससे कड़ी पूछताछ की। लोकल लोगों के गुस्से के आगे उसका गुस्सा शांत होने के बाद, कार ड्राइवर ने आखिरकार अपनी बड़ी गलती मान ली और माफी मांगने लगा। ग्राउंड रिपोर्ट के मुताबिक, जिस तरह से कार ड्राइवर लापरवाही से कार चला रहा था, उससे शक पैदा हो गया है कि उसने शराब या कोई और नशा तो नहीं किया हुआ था। घटना के बाद पुलिस सिस्टम भी हरकत में आ गया है और वायरल वीडियो के आधार पर, कार ड्राइवर के नशे में होने या न होने जैसे पहलुओं पर जांच शुरू कर दी गई है। लोकल लोगों की गुस्से भरी मांग है कि पब्लिक सड़कों पर ऐसे स्टंट करने वालों के खिलाफ सख्त और कड़ी कार्रवाई की जाए।

सूरत में मॉडर्निटी के नाम पर गलत सोच का डरावना खेल पति ने पत्नी को 'कपल स्वैपिंग' करने पर मजबूर किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सभ्य और इंडस्ट्रियल शहर माने जाने वाले सूरत शहर से एक बहुत ही शर्मनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जो सामाजिक मूल्यों और शादीशुदा रिश्तों की पवित्रता को शर्मसार करती है। सूरत में एक 30 साल की शादीशुदा महिला को उसके ही पति द्वारा 'कपल स्वैपिंग' (पति-पत्नी की अदला-बदली) जैसी गलत पार्टियों में शामिल होने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने के गंभीर मामले ने बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया है। सूत्रों से मिली खबरों के मुताबिक, वेस्टर्न कल्चर में अंधे और गलत सोच वाले पति ने अपनी पत्नी पर लगातार दूसरे कपल्स के साथ फिजिकल रिलेशन बनाने, यानी 'कपल स्वैपिंग' का दबाव बनाया। जब पत्नी ने इस अमानवीय और अश्लील मांग का साफ और कड़ा विरोध किया, तो घमंडी पति ने सारी हदें पार कर दीं और अपनी ही पत्नी को पीटकर प्रताड़ित किया। जब पीड़ित लड़की ने इंसाफ की उम्मीद से अपने घर में अपनी देरानी को यह घटना बताई, तो देरानी के जवाब ने पत्नी के पैरों तले से भी ज़मीन खिसका दी। पत्नी को इंसाफ या दिलासा देने के बजाय देरानी ने बहुत ही शर्मनाक तरीके से कहा, 'आज के मॉडर्न ज़माने में ऐसी पार्टियां और कपल स्वैपिंग बहुत आम बात है!' पीड़िता घरवालों की ऐसी बिगड़ी हुई और सपोर्टिव सोच देखकर हैरान रह गई। आखिर में पत्नी ने हिम्मत जुटाई और मॉडर्निटी और हाई-सोसाइटी कल्चर की आड़ में खेले जा रहे इस बिगड़े हुए खेल के खिलाफ लीगल एक्शन लिया। इस घटना ने एक पढ़े-लिखे और ऊंचे माने जाने वाले समाज में जड़ जमा चुके मेंटल डिसऑर्डर और महिलाओं के खिलाफ साइबर-सोशल अत्याचारों पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है।

येसुदान गढ़वी ने सरकार के सामने आक्रामक मांगों का जानलेवा मोर्चा खोला है

पशुपालकों और किसानों की मुश्किलों पर AAP का हल्ला बोल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में अनियमित बारिश, कमरतोड़ महंगाई और सबरदान समेत जानवरों के चारे की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से राज्य के पशुपालकों और किसानों की हालत बहुत खराब हो गई है। ऐसी गंभीर स्थिति के बीच, आम आदमी पार्टी (गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष और किसान नेता येसुदान गढ़वी ने राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोलते हुए पशुपालकों और किसानों के हितों के लिए 'दुष्काल घोषणा सत्याग्रह' और आंदोलनका मोर्चा खोला है।येसुदान गढ़वी ने पशुपालकों और किसानों की रोजी-रोटी और जानवरों की सुरक्षा के लिए सरकार के सामने ये मुख्य और मजबूत मांगें रखी हैं:

1. प्रभावित इलाकों में तुरंत 'सूखा' घोषित किया जाए

जिन इलाकों में कम बारिश और चारे की कमी की वजह से आर्थिक संकट है, उन्हें तुरंत सूखा प्रभावित घोषित किया जाए। इस बारे में उन्होंने 158 तालुका के किसानों और पशुपालकों से एक फॉर्म भरकर गांधीनगर में जमा करने का रोडमैप बताया है।

2. पशुपालन के लिए मुफ्त या रियायती दरों पर चारा सप्लाई

मानसून के दौरान चारे की भारी कमी के बीच जानवरों को भुखमरी से बचाने के लिए, सरकार को सभी प्रभावित इलाकों और पशु फार्मों में रियायती दरों पर या मुफ्त में चारा देना चाहिए।

3. पशुपालन किसानों के लिए खास राहत पैकेज

खाद, बीज और पशु चारे की लगातार बढ़ती कीमतों के खिलाफ आर्थिक मदद के तौर पर पशुपालन किसानों और किसानों के अकाउंट में सीधे एक खास राहत पैकेज जमा किया जाना चाहिए।

4. बिजली बिल माफी और सिंचाई का पानी

पशुपालन और खेती से जुड़े परिवार बिजली के बिलों के भारी बोझ तले दबे हैं। येसुदान गढ़वी ने मांग की है कि खेती और पशुपालन सेक्टर में बिजली के बिल माफ किए जाएं और 'सुझाव स्कीम' और नहरों के ज़रिए जानवरों के लिए पीने और सिंचाई के पानी का तुरंत इंतज़ाम किया जाए।

सत्याग्रह और गांधीनगर घेराव की धमकी

इसुदान गढ़वी ने साफ चिंता जताई है कि उन्होंने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर सरकार इन मांगों को नहीं मानती है और पशुपालकों को सीधी राहत नहीं देती है, तो गांव-गांव जाकर लोगों में जागरूकता फैलाई जाएगी और बड़ी संख्या में पशुपालकों और किसानों के साथ गांधीनगर में एक जोरदार सत्याग्रह किया जाएगा।

गणपति उत्सव से पहले वटवा पुलिस की डरावनी कार्रवाई आधी रात को चार मालिया में अचानक तलाशी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आने वाले गणपति उत्सव और त्योहारों को देखते हुए अहमदाबाद शहर की पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। हथियारों के साथ संदिग्ध लोगों और असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए पुलिस की तरफ से दी गई सख्त चेतावनी के बाद अब सड़कों और संवेदनशील इलाकों में सीधी चेकिंग शुरू कर दी गई है। इसी सिलसिले में वटवा पुलिस स्टेशन की टीम ने देर रात चार मालिया इलाके में डरावनी तलाशी नाइट की, जिससे असामाजिक तत्वों में काफी दहशत फैल गई। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, वटवा पुलिस ने गणेशोत्सव के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अचानक कार्रवाई की थी। आधी रात को दबिश देने वाली पुलिस ने पूरे चार मालिया इलाके को घेर लिया था। इन रेड और चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कुल चार खतरनाक धारदार हथियार ज़ब्त किए हैं और कानूनी कार्रवाई की है। क्रिमिनल हिस्ट्री वाले लोगों पर कड़ी नज़र 62 MCR, 30 हिस्ट्रीशीटर और NDPS (नारकोटिक सब्सटेंस) क्राइम में शामिल 10 लोगों की पूरी ग्राउंड चेकिंग की गई। पुलिस ने 8 गैर-कानूनी इमिग्रेंट्स, 1 वॉन्टेड क्रिमिनल और इलाके से बाहर निकाले गए करीब 25 संदिग्ध लोगों पर कड़ी नज़र रखी और उनसे कड़ी पूछताछ की। पुलिस ने इस ऑपरेशन के दौरान न सिर्फ मैनुअल बल्कि हाई-टेक टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया। पूरे इलाके पर आसमान से ड्रोन कैमरों से नज़र रखी गई, जबकि मौके पर तैनात पुलिसवालों को बॉडी-वॉर्न कैमरों से लैस किया गया ताकि हर मूवमेंट कैमरे में कैद हो सके। इस दौरान, पुलिस ने करीब 92 संदिग्ध गाड़ियों की भी पूरी चेकिंग की। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से उन असामाजिक तत्वों पर लगाम लगी है ।

CM भूपेंद्र पटेल की शानदार मौजूदगी में 'CCESS 2026' कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

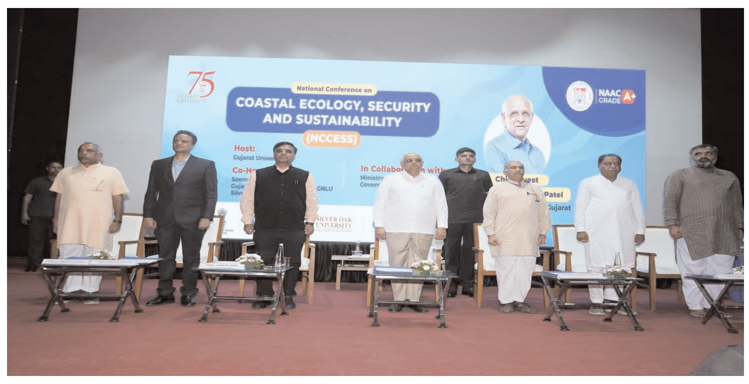

अहमदाबाद। गुजरात राज्य की 1600 लंबी कोस्टलाइन की सुरक्षा, समुद्री इकोसिस्टम (कोस्टल इकोलॉजी) की भलाई और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि, एक नेशनल कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। अहमदाबाद में गुजरात यूनिवर्सिटी के श्यामा प्रसाद मुखर्जी हॉल में 'कोस्टल इकोलॉजी सेफ्टी एंड सस्टेनेबिलिटी (छ्ष्टश्वस्स 2026) पर कॉन्फ्रेंस' का बहुत ही शानदार और सफल तरीके से आयोजन किया गया।इस हाई-लेवल प्रोग्राम में गुजरात राज्य के मशहूर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल खास तौर पर मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने दीप जलाकर प्रोग्राम का उद्घाटन किया और देश-विदेश से आए पर्यावरणविदों, समुद्री सुरक्षा एक्सपर्ट्स, रिसर्चर्स और यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को संबोधित किया। कोस्टल सिक्योरिटी और एनवायरनमेंटल बैलेंस पर ज़ोर अपने कीनोट एड्रेस में, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात देश का सबसे लंबा कोस्टलाइन वाला राज्य है, जो ब्लू इकॉनमी के डेवलपमेंट के लिए बहुत बड़े मौके देता है। लेकिन इस डेवलपमेंट के साथ-साथ, इकोलॉजिकल बैलेंस और कोस्टल सेफ्टी बनाए रखना हमारी नैतिक और सामाजिक ज़िम्मेदारी है। एनवायरनमेंटल बदलावों (क्लाइमेट चेंज), समुद्री कटाव, समुद्री जीवन की सुरक्षा और ग्रीन डेवलपमेंट (सस्टेनेबल डेवलपमेंट) को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा शुरू की गई इनोवेटिव पॉलिसी पर भी डिटेल में चर्चा हुई।

एक्सपर्ट्स के बीच ग्लोबल लेवल पर ब्रेनस्टॉर्मिंग 2026 कॉन्फ्रेंस के दौरान, कोस्टल इकोसिस्टम, सस्टेनेबल पोर्ट डेवलपमेंट, कोस्टल इलाकों में रहने वाले समुदायों की सुरक्षा और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल जैसे कई ज़रूरी टॉपिक पर पैनल डिस्कशन और रिसर्च पेपर्स का प्रेजेंटेशन हुआ। इस इवेंट में बड़ी संख्या में जाने-माने राजनीतिक गणमान्य लोग, यूनिवर्सिटी के अधिकारी और ऑफिस बेयरर्स मौजूद थे। उम्मीद है कि यह सिंपोजियम आने वाले समय में गुजरात के कोस्टल इलाकों में सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए एक ठोस रोडमैप साबित होगा।

4.5 लाख का फ़ोन या सोच में गिरावट? दिखावे के कल्चर और FOMO की सामाजिक बीमारी के खिलाफ़ रेड लाइट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। हाल ही में, 9 सितंबर 2026 को, टेक्नोलॉजी की बड़ी कंपनी Apple ने दुनिया भर में अपने नए फ्लैगशिप स्मार्टफोन की बड़ी घोषणा की। यह नया फ़ोन अगले महीने तक बाज़ार में उपलब्ध होगा। लेकिन इस लॉन्च के साथ ही, सामाजिक और आर्थिक हलकों में एक बहुत ही ज्वलंत और चिंताजनक सवाल खड़ा हो गया है: क्या 3 लाख से 4.5 लाख की आसमान छूती कीमत पर बिकने वाला फ़ोन सिर्फ टेक्नोलॉजी का विकास है या हमारे समाज की बिगड़ी हुई सोच का खुला प्रदर्शन जो टेक्नोलॉजी इंसान की ज़िंदगी को आसान, तेज़ और आर्थिक रूप से सस्ता बनाने के लिए पैदा हुई थी, वही टेक्नोलॉजी आज इंसान को पागलपन, कर्ज़ और दिखावे के चक्कर में फंसाकर गुलाम बना रही है। ब स्मार्टफोन की कीमतें ?2 लाख के निशान को छू गई, तो यह पहले ही कॉमन सेंस की हदें पार कर चुकी थीं। फिर भी आज का समाज 'शो-ऑफ' और (फियर ऑफ मिसिंग आउट) नाम की भयानक सोशल मेंटल बीमारी का शिकार हो गया है।

सबरदेरी की मनमानी कीमत बढ़ोतरी ने पशुपालक किसानों की माली हालत खराब कर दी है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा/अरावली। उत्तर गुजरात के हजारों पशुपालक किसानों की लाइफलाइन सबरदेरी के एक फैसले ने किसानों और पशुपालकों में गुस्से का तूफान खड़ा कर दिया है। सबरदेरी द्वारा पशु आहार 'सबरदान' की कीमत में की गई मनमानी और कमरतोड़ बढ़ोतरी के कारण, पशुपालन का धंधा अब बहुत महंगा और घाटे का धंधा बनने जा रहा है। महंगाई के इस दौर में डेरी के इस फैसले ने आम और छोटे पशुपालक किसानों की माली हालत पूरी तरह से खराब कर दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, उत्तर गुजरात के साबरकांठा और अरावली जिलों के लाखों पशुपालक किसान सबरदेरी से जुड़े हैं। जहां हरे और सूखे चारे की कीमतें आसमान छू रही हैं, वहीं सबरदान की कीमत में तेज बढ़ोतरी ने पशुपालकों का बजट पूरी तरह से बिगाड़ दिया है। डेयरी अधिकारियों ने दूध के सही दाम पाने के लिए संघर्ष कर रहे पशुपालकों पर कीमतों में बढ़ोतरी का नया बोझ डाल दिया है, जिससे ऐसी स्थिति बन गई है कि 'मोर के अंडों को रंगने की ज़रूरत नहीं है '। इस फैसले के खिलाफ साबरकांठा और अरावली के ग्रामीण इलाकों में पशुपालकों का विरोध तेज़ होता जा रहा है। पशुपालक खुलेआम आरोप लगा रहे हैं कि डेयरी एडमिनिस्ट्रेटर पशुपालकों के हितों पर विचार करने के बजाय मनमाने फैसले ले रहे हैं। अगर सबरकांठा की यह कीमत बढ़ोतरी तुरंत वापस नहीं ली गई, तो पशु पालना नामुमकिन हो जाएगा। गुस्साए पशुपालकों और स्थानीय संगठनों ने अब डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट ऑफिसर और डेयरी अधिकारियों को ज्ञापन देने का सिलसिला शुरू कर दिया है। पशुपालकों ने साफ तौर पर धमकी दी है कि अगर यह कमरतोड़ कीमत बढ़ोतरी तुरंत रद्द नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में सबर डेयरी में दूध का व्यापार बंद करके ज़ोरदार विरोध और आंदोलन किया जाएगा।

अहमदाबाद एयरपोर्ट इलाके में पुलिस की छापेमारी: 12,000 लीटर कच्ची देसी शराब जब्त, 3.07 लाख का माल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एयरपोर्ट पुलिस ने अहमदाबाद शहर में शराबबंदी कानून को लागू करने और शराबबंदी गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए एक बड़ी और सफल कार्रवाई की है। एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन की निगरानी दस्ते की टीम ने मिशन मोड में साबरमती नदी के किनारे चल रही एक देसी शराब फैक्ट्री पर छापा मारा और ?3.07 लाख से अधिक का माल जब्त किया। यरपोर्ट पुलिस टीम अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त अनुपम गहलोत, संयुक्त पुलिस आयुक्त (सेक्टर-2) जयपालसिंह राठौड़, उप पुलिस आयुक्त अतुलकुमार बंसल, महिला उप पुलिस आयुक्त रीना राठवा और एयरपोर्ट पुलिस निरीक्षक ए.डी. चावड़ा के मार्गदर्शन में इलाके में गश्त कर रही थी। इस दौरान निगरानी दस्ते के पी.एस.ई. पी.जी. चावड़ा और उनकी टीम पी.सी. सुरेंद्रसिंह और पी.सी. विक्रमसिंह को खास प्राइवेट जानकारी मिली कि कदम बंगलो के पीछे खुली जगह में साबरमती नदी के किनारे

एक पब्लिक जगह पर देसी शराब बनाने के लिए बड़े पैमाने पर रॉ वॉश छिपाकर रखा गया है। 12,000 लीटर रॉ वॉश मौके पर ही नष्ट किया गया जानकारी मिलते ही पुलिस ने बिना किसी देरी के मौके पर छापा मारा। आरोपी कहीं और यह काम कर पाता, इससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने मौके से करीब 12,000 लीटर रॉ वॉश (कीमत Rs. 3,00,000/-) जब्त किया और उसे मौके पर ही डालकर नष्ट कर दिया। इसके अलावा 7,000 कीमत के 7 पीस बैरल, प्लास्टिक बैग, रबर पाइप और देसी शराब की सीलबंद बोतलें, जिनकी कुल कीमत ऋा. 3,07,000/- है, जब्त की गई हैं। कुख्यात अपराधी आनंद ठाकोर के खिलाफ अपराध दर्ज इस मामले में पुलिस ने भाट गांव के रहने वाले और समाज विरोधी गतिविधियों में शामिल आनंद गणेशजी ठाकोर के खिलाफ प्रोहिबिशन एक्ट की धारा 65, के तहत एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज किया है और आगे की जांच कर रही है। आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है और उसे पकड़ने की कोशिशें की जा रही हैं। गौरतलब है कि आरोपी आनंद ठाकोर पर पहले भी 2026 में एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन और 2023 और 2024 में अडालज पुलिस स्टेशन में प्रोहिबिशन से जुड़े कई अपराधों में मामला दर्ज हो चुका है। इस सफल ऑपरेशन में P.S.E. P.G. चावड़ा के साथ रीशभाई, H.Co. योगेशकुमार, P.Co. पवनकुमार, P.Co. सुरेंद्रसिंह, विक्रमसिंह, धनराजसिंह और P.Co. हार्दिककुमार शामिल हुए।

सूरत में समाज की बदनामी: जाति के नाम पर दलित डॉक्टर को घर नहीं मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। डिजिटल ज़माने और 21वीं सदी में एक तरफ देश तरक्की की बड़ी-बड़ी बातें कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ सूरत शहर से समाज की सोच और जातिवाद के पतन की एक बहुत ही दुखद और शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। सूरत में एक बहुत पढ़े-लिखे दलित डॉक्टर को सिर्फ उसकी जाति के आधार पर एक सोसायटी में घर न देने के गंभीर आरोपों ने पूरे इलाके और राज्य में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित दलित डॉक्टर ने सूरत की एक सोसायटी में घर खरीदने या किराए पर लेने के लिए सभी प्रोसेस किए थे। लेकिन सोसायटी के कुछ जातिवादी सोच वाले पदाधिकारियों और सदस्यों ने डॉक्टर की प्रोफेशनल काबिलियत या इंसानियत को ताक पर रखकर, सिर्फ इसलिए उसे सोसायटी में घर देने से साफ मना कर दिया क्योंकि वह दलित कम्युनिटी से आता है। जैसे ही यह घटना सामने आई, दलित कम्युनिटी के साथ-साथ अलग-अलग सामाजिक और बहुजन संगठनों में भारी गुस्सा फैल गया। समाज के नेताओं ने इस घटना को संविधान और मानवाधिकारों पर सीधा हमला बताया है। अगर देश के नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करने वाले एक ज़िम्मेदार डॉक्टर के साथ जाति के आधार पर ऐसा भेदभाव किया जा रहा है, तो अब सवाल यह उठता है कि आम नागरिकों की क्या हालत होगी। घटना के बाद, अलग-अलग संगठन सड़कों पर उतर आए हैं और पीड़ित डॉक्टर के लिए तुरंत न्याय की पुरज़ोर मांग कर रहे हैं।

डीसा-पालनपुर हाईवे पर गंदगी: सड़क के नरक बनने से स्थानीय लोगों में गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डीसा। बनासकांठा जिले के एक अहम कमर्शियल हब डीसा में नगर पालिका के भ्रष्ट और निकम्मे प्रशासन से लोगों का सब्र जवाब दे गया है। डीसा-पालनपुर हाईवे पर फैली गंदगी और ओवरफ्लो हो रहे सीवर के गंदे पानी ने इलाके को नरक बना दिया है। बार-बार कहने के बाद भी नगर पालिका प्रशासन टस से मस नहीं हुआ और अब स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने उग्र आंदोलन का रास्ता अपना लिया है। निवासियों ने सीधे नगर पालिका अध्यक्ष और चीफ ऑफिसर के चैंबर को घेरने और ताला लगाने की धमकी दी है, जिससे नगर पालिका कैंप में भारी हंगामा हुआ। सबसे खराब हालत डीसा नगर पालिका के वार्ड नंबर 3 और हाईवे के पास के इलाकों की है। यहां लंबे समय से ड्रेनेज लाइनें जाम हैं और सड़क तालाब की तरह गंदे पानी से भरी हुई है। बदबू और मच्छरों की वजह से लोकल लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।

भादरवी पूनम मेले के बीच हेल्थ को बड़ा खतरा

आने वाले दिनों में दुनिया का मशहूर अंबाजी भादरवी पूनम मेला लग रहा है। डीसा-पालनपुर हाईवे से माईभक्त और पैदल चलने वालों का ग्रुप गुजरता है। ऐसे में हाईवे पर फैली गंदगी ने पैदल चलने वालों और भक्तों की हेल्थ पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इलाके में हैजा और महामारी फैलने का बड़ा डर है। लोकल लोगों का आरोप है कि म्युनिसिपल अथॉरिटी और चीफ ऑफिसर सिर्फ कागज़ों पर काम दिखाते हैं। कई बार बोलने और लिखकर बताने के बाद भी कोई हल नहीं निकला है। अगर गंदगी और ड्रेनेज की समस्या का तुरंत हल नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में हज़ारों लोकल लोग म्युनिसिपल ऑफिस पर प्रोटेस्ट करेंगे और प्रेसिडेंट और चीफ ऑफिसर के चैंबर का घेराव करेंगे। देखना होगा कि लोगों के इस गुस्से के बाद सोया हुआ म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन जागेगा या हालात और बिगड़ेंगे।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (रविवार)
13 सितंबर 2026

18 घंटे मोर्चरी में रखा रहा युवक का शव, रास्ते की मांग पर अड़े परिजन प्रशासन की समझाइश के बाद बनी सहमति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागोड़ा। बागोड़ा-जूना चैनपुरा मार्ग पर शुक्रवार शाम हुए सड़क हादसे में जान गंवाने वाले प्रकाश पुत्र दलाराम का शव करीब 18 घंटे तक बागोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखा रहा। मृतक के परिजन घर तक स्थायी रास्ते की मांग को लेकर शव लेने से इनकार कर रहे थे। शनिवार को प्रशासन और परिजनों के बीच हुई समझाइश के बाद रास्ते को लेकर सहमति बनी और परिजन शव लेने के लिए राजी हुए। शुक्रवार शाम बागोड़ा-जूना चैनपुरा रोड पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बागोड़ा निवासी प्रकाश पुत्र दलाराम और जूना चैनपुरा निवासी गोतम कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने दोनों शवों को बागोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया। प्रकाश के परिजनों का कहना था कि उनके घर तक पहुंचने के लिए कोई उचित रास्ता उपलब्ध नहीं है। उन्होंने स्थायी रास्ता अथवा वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराने की मांग प्रशासन के सामने रखी। रास्ते की मांग को लेकर बड़ी संख्या में परिजन और समाजजन करीब 18 घंटे तक मोर्चरी के बाहर मौजूद रहे। स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल भी तैनात किया गया मामले को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने परिजनों से लगातार बातचीत की और समझाइश का प्रयास किया। प्रशासन की ओर से वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था किए जाने के बाद दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी। इसके बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की गई और परिजन प्रकाश का शव लेकर घर के लिए रवाना हुए। प्रशासनिक वाहन भी परिजनों के साथ रास्ते तक मौजूद रहा। मौके पर तहसीलदार हुक्माराम, थानाधिकारी बलदेवराम और पटवारी किशनलाल सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर मामले को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का प्रयास किया। सहमति बनने के बाद परिजन शव अंतिम संस्कार के लिए घर ले गए।

तीन साल बाद सुंदेलाव तालाब में पहुंचना बंद हुआ सीवरेज का पानी, ढाई किमी पाइपलाइन बदलने से मिली राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। शहर के ऐतिहासिक सुंदेलाव तालाब में पिछले करीब तीन साल से पहुंच रहा सीवरेज का गंदा पानी आखिरकार बंद हो गया है। नगर परिषद ने करीब ढाई किलोमीटर क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को बदलने और जाम सीवरेज लाइनों की सफाई का काम करवाया। इसके बाद तालाब में दूषित पानी की आवक बंद होने के साथ ओवरफ्लो की समस्या भी थम गई है। इससे तालाब के पीछे स्थित बस्तियों और आसपास रहने वाले लोगों को राहत मिली है। अब उम्मीद है कि ऐतिहासिक सुंदेलाव तालाब एक बार फिर धार्मिक आस्था और शहर की पहचान का प्रमुख केंद्र बन सकेगा। 16 जून 2023 को आए बिपरजॉय तूफान के बाद शहर की सीवरेज व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई थी। कई स्थानों पर सीवरेज पाइपलाइन टूट गई थी और लाइनों में मिट्टी जमा होने से पानी की निकासी बाधित हो गई थी। इसके चलते सीवरेज का दूषित पानी सड़कों और गलियों में फैलने लगा। यही गंदा पानी लगातार सुंदेलाव तालाब में पहुंच रहा था। सीवरेज के पानी की लगातार आवक के कारण बारिश नहीं होने के बावजूद तालाब ओवरफ्लो रहता था। पानी तालाब के पीछे स्थित बस्सी कॉलोनी सहित आसपास के इलाकों में भर जाता था।

मतदान खत्म, अब बाड़ेबंदी का खेल सिरोही में भाजपा-कांग्रेस ने प्रत्याशियों को सुरक्षित रखने की कवायद तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। नगर निकाय चुनाव का मतदान खत्म होते ही सिरोही में सियासी हलचल तेज हो गई है। सभी प्रत्याशियों का भाग्य इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में बंद हो चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए अब बहुमत के आंकड़े और संभावित जोड़-तोड़ का गणित अहम हो गया है। इसी को देखते हुए भाजपा और कांग्रेस दोनों ही अपने-अपने प्रत्याशियों को सुरक्षित रखने की रणनीति पर काम करती नजर आ रही हैं। ाजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस ने सिरोही नगर परिषद के अपने प्रत्याशियों को शहर से करीब 65 किलोमीटर दूर एक बड़े रिसॉर्ट में ठहराने की तैयारी की है। वहीं भाजपा के प्रत्याशियों को भी सिरोही से बाहर रणकपुर क्षेत्र के आसपास किसी सुरक्षित स्थान पर रखे जाने की चर्चाएं हैं। हालांकि, दोनों दलों की ओर से प्रत्याशियों को रिसॉर्ट या किसी अन्य स्थान पर ठहराए जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस बीच कांग्रेस प्रत्याशियों से जुड़े काफिले की आवाजाही का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में काफिला एक बड़े रिसॉर्ट की ओर जाता दिखाई दे रहा है। इसे प्रत्याशियों की संभावित बाड़ेबंदी से जोड़कर देखा जा रहा है।

चुनाव की व्यस्तता के बीच जेसीबी से फोरलेन का डिवाइडर तोड़ा, अवैध कट का वीडियो सामने आने से हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जालोर-बागरा फोरलेन पर डिवाइडर तोड़कर अवैध कट बनाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सड़क और डिवाइडर का निर्माण पूरा होने के बाद इन दिनों मार्ग पर रोड लाइट लगाने का काम चल रहा है। इसी बीच 9 सितंबर को नगर परिषद चुनाव के मतदान के दौरान औद्योगिक क्षेत्र तृतीय चरण में लॉ कॉलेज से करीब 270 मीटर आगे जेसीबी की मदद से डिवाइडर तोड़कर नया कट बना दिया गया। अब इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद सड़क सुरक्षा और जिम्मेदार विभागों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दिनदहाड़े जेसीबी से डिवाइडर का एक हिस्सा तोड़ा गया। डिवाइडर तोड़ने के बाद मौके से मलबा भी हटा दिया गया। इसके बाद टूटे हुए हिस्से पर बालू और मिट्टी डाल दी गई, ताकि डिवाइडर में की गई तोड़फोड़ के निशान आसानी से दिखाई नहीं दें। बताया जा रहा है कि यह पूरा काम उस समय हुआ, जब सरकारी अधिकारी, कर्मचारी और पुलिसकर्मी नगर परिषद चुनाव की ड्यूटी में व्यस्त थे। जालोर-बागरा फोरलेन पर पहले से ही करीब 40 अवैध कट बने हुए हैं। इन कटों के कारण वाहन चालक नियमों की अनदेखी करते हुए अचानक सड़क पार करने या यू-टर्न लेने लगते हैं। इससे हादसों का खतरा लगातार बना रहता है। अवैध कटों के कारण हुए हादसों में अब तक चार लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। फोरलेन पर इससे पहले भी डिवाइडर तोड़कर अवैध रास्ते बनाने के मामले सामने आ चुके हैं। सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से ऐसे मामलों में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई, लेकिन इसके बावजूद डिवाइडर तोड़ने का सिलसिला जारी है। दो दिन पहले भी रात के समय एक अवैध कट से यू-टर्न ले रही कार को पीछे से आ रही दूसरी कार ने टक्कर मार दी थी। हादसे में दोनों कारों में सवार लोगों को मामूली चोटें आई थीं।

अंतिम संस्कार के बीच श्मशान घाट में मधुमक्खियों का हमला, 20 से ज्यादा घायल

श्मशान में मची भगदड़, अंतिम संस्कार में पहुंचे 20 से ज्यादा लोग घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। श्रीनगर थाना क्षेत्र के फारकियां गांव में शनिवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अंतिम संस्कार के दौरान श्मशान घाट में मौजूद मधुमक्खियों के छत्ते से अचानक झुंड निकल आया और वहां मौजूद ग्रामीणों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के अचानक हमले से लोगों में भगदड़ मच गई। डंक से बचने के लिए ग्रामीण इधर-उधर भागने लगे। घटना में 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इनमें से तीन घायलों को उपचार के लिए अजमेर के जेएलएन अस्पताल ले जाया गया, जहां दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार फारकियां गांव निवासी बीजा सिंह का निधन होने के बाद शनिवार सुबह करीब 10 बजे ग्रामीण उनके अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पहुंचे थे। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान श्मशान घाट में स्थित मधुमक्खियों के एक छत्ते से अचानक बड़ी संख्या में मधुमक्खियां बाहर निकल आईं और वहां मौजूद लोगों को अपना निशाना बना लिया। अचानक हुए हमले से किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। मधुमक्खियों के डंक से बचने के लिए लोग भागकर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने लगे। कुछ लोगों ने कपड़ों से अपने चेहरे और शरीर को ढककर बचने का प्रयास किया। कुछ ही देर में कई ग्रामीण मधुमक्खियों के डंक से घायल हो गए।मौके पर मौजूद गोरधन सिंह रावत ने बताया कि हमले में 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। घायलों को 108 एंबुलेंस के साथ गोशाला की एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। जेएलएन अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों की टीम ने घायलों का उपचार शुरू किया। प्राथमिक उपचार के बाद अधिकांश घायलों की हालत में सुधार बताया जा रहा है।

कान के अंदर घुस गई मधुमक्खी, दो की हालत गंभीर

मधुमक्खियों के हमले में महेंद्र सिंह और ओमप्रकाश की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया गया कि ओमप्रकाश के कान के अंदर मधुमक्खी घुस गई, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। वहीं रतन सिंह रावत का भी जेएलएन अस्पताल में उपचार जारी है। घटना के बाद काफी देर तक श्मशान घाट और गांव में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

पाली में चुनाव बाद सबसे बड़ा सवालः निगम में किसका बोर्ड? मुस्लिम बाहुल्य वार्डों में बंपर मतदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। निकाय चुनाव में मतदान खत्म होने के बाद अब चाय की थड़ियों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक एक ही सवाल चर्चा में है–14 सितंबर को मतगणना के बाद नगर निगम में किस पार्टी का बोर्ड बनेगा? क्या भाजपा या कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलेगा या फिर निर्दलीय प्रत्याशी सत्ता की चाबी अपने हाथ में रखेंगे? मतदान प्रतिशत के आंकड़ों ने भी चुनावी समीकरणों को लेकर चर्चाओं को और तेज कर दिया है। इस बार पाली के पॉश और प्रभावशाली इलाकों में मतदान अपेक्षाकृत कम रहा, जबकि मुस्लिम बाहुल्य और कच्ची बस्तियों वाले क्षेत्रों में मतदाताओं ने अधिक उत्साह दिखाया। 65 वार्डों में सबसे कम मतदान वार्ड संख्या 40 आदर्श नगर में हुआ, जहां 56.67 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाला। इसी वार्ड में पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख का निवास भी है। भाजपा का गढ़ माने जाने वाले इस वार्ड में भाजपा से नवरतन कंवर, निर्दलीय कमला देवी और भाजपा से टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय मैदान में उतरीं पुष्पा सोमनानी के बीच मुकाबला है। कम मतदान वाले वार्डों में वार्ड संख्या 39 दूसरे स्थान पर रहा। यहां 60.82 प्रतिशत मतदान हुआ। भाजपा से पीयूष शर्मा, कांग्रेस से अनामिका सोलंकी और निर्दलीय राजेंद्र जांगिड़ मैदान में हैं। इसी तरह वार्ड संख्या 2 में 60.82 प्रतिशत मतदान हुआ और यह कम मतदान के मामले में तीसरे स्थान पर रहा। यहां भाजपा के मानवेंद्र सिंह, कांग्रेस की नीलम बिड़ला और निर्दलीय लवली शर्मा के बीच मुकाबला है। दूसरी ओर मुस्लिम बाहुल्य वार्ड संख्या 36 मतदान प्रतिशत में सबसे आगे रहा। यहां 84.42 प्रतिशत मतदान हुआ। वार्ड 29 में 83.39 प्रतिशत मतदान के साथ दूसरा और वार्ड 49 में 80.57 प्रतिशत मतदान के साथ तीसरा स्थान रहा। वार्ड 49 में ज्यादातर मजदूर तबके के मतदाता रहते हैं और यहां भाजपा की केलम तथा कांग्रेस की सीतादेवी के

बीच सीधा मुकाबला है। अब 14 सितंबर की मतगणना से तस्वीर साफ होगी कि ज्यादा मतदान वाले वार्डों ने किसके पक्ष में फैसला दिया और कम मतदान वाले क्षेत्रों का गणित किस पार्टी के काम आया। सबसे बड़ा सवाल यही है कि बोर्ड बनाने के लिए निर्दलीय कितने अहम साबित होंगे।

एएसआई जयसिंह पर पत्रकारों से बदसलूकी के आरोप, एसपी से कार्रवाई की मांग

चुनाव कवरेज के दौरान पत्रकारों से कथित अभद्र व्यवहार पर रोष, वार्ड 27 में भी पुलिसकर्मियों पर गाली-गलौज के आरोप; पत्रकारों ने एकजुट होकर निष्पक्ष जांच की मांग उठाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पीयूष गौतम

टोंक। नगर निकाय चुनाव की कवरेज के दौरान पत्रकारों के साथ पुलिसकर्मियों के कथित दुर्व्यवहार का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मतदान केंद्रों पर कवरेज के दौरान पत्रकारों के साथ कथित बदसलूकी को लेकर शुक्रवार को टोंक डाक बंगले पर पत्रकारों की बैठक हुई। बैठक में घटनाओं पर गहरी नाराजगी जताते हुए पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। पत्रकारों ने आरोप लगाया कि 10 सितंबर की शाम नगर परिषद स्थित मतदान केंद्र पर मतदान दलों की तैयारियों की कवरेज के लिए पहुंचे संवाददाता पवन शर्मा के साथ एएसआई जयसिंह ने कथित रूप से बदसलूकी की। आरोप है कि अगले दिन 11 सितंबर की सुबह इसी मतदान केंद्र पर कवरेज के लिए पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार मनोज तिवारी के साथ भी एएसआई जयसिंह ने अभद्र व्यवहार किया।

लगातार दो दिन सामने आई घटनाओं से पत्रकारों में रोष

पत्रकारों का कहना है कि दोनों घटनाएं एक ही मतदान केंद्र पर चुनाव कवरेज के दौरान हुईं। पत्रकार चुनाव प्रक्रिया की जानकारी जुटाने

और अपने दायित्व का निर्वहन करने के लिए मौके पर मौजूद थे। ऐसे में पुलिसकर्मियों द्वारा कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया जाना गंभीर मामला है।

वार्ड 27 में भी पुलिस पर गाली-गलौज का आरोप

इसी दौरान वार्ड 27 में हंगामे की सूचना पर कवरेज के लिए पहुंचे पत्रकार पुरुषोत्तम जोशी ने कोतवाली थानाधिकारी भंवरलाल वैष्णव और पुलिसकर्मी ओमप्रकाश पर गाली-गलौज एवं बदसलूकी करने का आरोप लगाया। इस घटना को लेकर भी पत्रकारों ने नाराजगी जताई और पूरे मामले की जांच की मांग की।

पत्रकारों ने कहा–कवरेज में बाधा स्वीकार नहीं

बैठक में पत्रकारों ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। चुनाव के दौरान पत्रकारों का काम निष्पक्ष रूप से घटनाक्रम को जनता तक पहुंचाना है। यदि कवरेज के दौरान पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार होता है तो इससे स्वतंत्र पत्रकारिता प्रभावित होती है। पत्रकारों ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत देकर सभी घटनाओं की निष्पक्ष जांच कराने तथा जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की। बैठक में मनोज तिवारी, प्रेम रघुवंशी, सत्यनारायण चावल, भगवान शर्मा, रोशन शर्मा, पवन शर्मा, भूपेंद्र सिंह, रविंद्र जोहरी, रामावतार धाभाई, अरशद शाहीन, दौलत पारीक, विनोद शर्मा, अशोक शर्मा, सुरेंद्र गुप्ता, फिरोज उस्मानी, मोईन हीना, पुरुषोत्तम जोशी, कमलेश महावर, रोहित, ओमप्रकाश शर्मा, विजय लखवानी, हसीन खान सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

महापौर की कुर्सी के लिए बाड़ेबंदी! भाजपा के पार्षद जोधपुर तो कांग्रेस प्रत्याशी जयपुर रवाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। निकाय चुनाव की मतगणना से पहले महापौर और उप महापौर की कुर्सी को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने अपने पार्षद प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी शुरू कर दी है। सेंधमारी और संभावित दल-बदल की आशंका के बीच दोनों प्रमुख दल अपने प्रत्याशियों को बाहरी संपर्क से दूर रखने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। भाजपा ने अपने पार्षद प्रत्याशियों को जोधपुर के एक रिसॉर्ट में पहुंचाया है, जबकि कांग्रेस के प्रत्याशियों को जयपुर की ओर एक फार्म हाउस पर ले जाया गया है। अब दोनों दलों के प्रत्याशी 14 सितंबर को मतगणना के दिन ही वापस नजर आने की संभावना है। कांग्रेस के पार्षद प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी शनिवार सुबह पाली स्थित कांग्रेस भवन से शुरू हुई। यहां से कई प्रत्याशियों को मिनी बस के जरिए जयपुर की ओर रवाना किया गया। कुछ प्रत्याशियों को बाद में दूसरी बस से भेजा गया। इस दौरान वार्ड संख्या 54 की कांग्रेस प्रत्याशी गुड्डी अपनी बेटी को साथ लेकर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि बेटी छोटी है और उसे अकेला नहीं छोड़ा जा सकता, इसलिए साथ लेकर जा रही हैं। वहीं वार्ड संख्या 16 की प्रत्याशी पूरण कंवर पत्नी योगेश कुमार अपने दो वर्षीय बेटे वेदांत के साथ कांग्रेस भवन पहुंचीं। उन्हें भी नेताओं ने फोन कर बुलाया था। कुछ प्रत्याशियों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया कि वे दो-तीन दिन के कपड़े साथ लेकर जा रहे हैं और अब मतगणना के दिन ही वापस लौटेंगे। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निंबाड़ा, पाली विधायक भीमराज भाटी, चुनाव प्रभारी हेमसिंह शेखावत, कांग्रेस नेता महावीर सिंह राजपुरोहित और पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड़ सहित कई नेता मौजूद रहे। उधर, भाजपा के पार्षद प्रत्याशियों को शुक्रवार देर रात दो बसों से जोधपुर के एक रिसॉर्ट में ले जाया गया। कुछ प्रत्याशी कारों से भी रवाना हुए। भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी और पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख व्यवस्थाओं की निगरानी करते नजर आए।

चढ़ाई पर अचानक पीछे लुढ़का ट्रेलर, बाइक सवार आया चपेट में बाइक चकनाचूर, युवक गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। सदर थाना क्षेत्र के कृष्णगंज-इसरा मार्ग पर माइला गोड नदी की रपट पर शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। रपट की चढ़ाई पर गुजर रहा एक ट्रेलर अचानक पीछे की ओर लुढ़क गया। इसी दौरान ट्रेलर के पीछे बाइक से आ रहा युवक उसकी चपेट में आ गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक ट्रेलर के नीचे दबकर पूरी तरह चकनाचूर हो गई। वहीं बाइक सवार कृष्णगंज निवासी भंवर बंजारा गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर इसरा की तरफ से कृष्णगंज की ओर जा रहा था। जब वह माइला गोड नदी की रपट की चढ़ाई पर पहुंचा, तभी अचानक ट्रेलर आगे बढ़ने के बजाय पीछे की तरफ लुढ़कने लगा। ट्रेलर को अचानक पीछे आता देख आसपास मौजूद लोगों में भी अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान पीछे बाइक से आ रहे भंवर बंजारा को संभलने या बाइक हटाने का मौका नहीं मिल पाया और वह सीधे ट्रेलर की चपेट में आ गए। हादसे में भंवर बंजारा के एक हाथ में गंभीर चोट आई है। उनका हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया। वहीं बाइक ट्रेलर के नीचे दब जाने से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घायल युवक को संभाला और पुलिस

को सूचना दी। सूचना मिलते ही कृष्णगंज चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल भंवर बंजारा को उपचार के लिए सिरोही के ट्रोमा सेंटर पहुंचाया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर ट्रेलर और क्षतिग्रस्त बाइक की स्थिति का भी जायजा लिया। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि माइला गोड नदी की रपट की चढ़ाई पर ट्रेलर अचानक पीछे की ओर क्यों लुढ़का। पुलिस ट्रेलर में तकनीकी खराबी, चढ़ाई पर नियंत्रण बिगड़ने या अन्य किसी कारण की भी जांच कर रही है। घटना के कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

सम्पादकीय

AI टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल और महिलाओं के सरेआम कपड़े उतारना राजनीतिक नैतिकता के पतन के खिलाफ एक चेतावनी

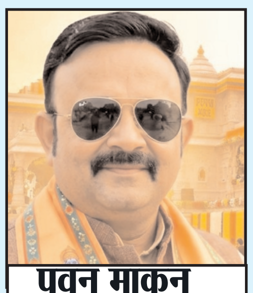

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

राजनीति में, विचारधारा के मतभेद, तीखे हमले और नीतियों की सख्त समीक्षा लोकतंत्र की जान हैं। लेकिन जब राजनीतिक विरोध व्यक्तिगत चरित्र हनन और अश्लीलता के निचले स्तर पर पहुँच जाता है, तो यह सिर्फ़ राजनीतिक गंदगी नहीं रह जाती, बल्कि पूरे समाज के नैतिक ताने-बाने पर जानलेवा हमला बन जाती है। हाल ही में टेक्नोलॉजी के ज़रिए,ढ्ढ से बनी (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) खराब और अश्लील तस्वीरों का इस्तेमाल करके सीनियर महिला नेता सोनिया गांधी की इमेज खराब करने की कोशिश डिजिटल युग में नैतिकता के पूरी तरह से पतन की ओर इशारा करती है। सबसे ज़्यादा चिंता की बात यह है कि जब ऐसे कामों को सत्ताधारी पार्टी के ऑफिशियल या उससे जुड़े प्लेटफॉर्म से बढ़ावा या मौन सहमति मिलती है। जब कोई पार्टी जो अपनी पहचान भारतीय संस्कृति, परंपरा और महिलाओं की पूजा के दावों से जोड़ती है, उसी पार्टी के प्लेटफॉर्म से खुलेआम महिलाओं को बदनाम करती है, तो यह समाज के लिए एक बहुत गंभीर चेतावनी है। किसी महिला को बेइज्जत करके या उसके चरित्र पर कीचड़ उछालकर राजनीति नहीं जीती जा सकती; ऐसे कामों से राजनीतिक क्षेत्र में इंसानियत और संवेदनशीलता खत्म हो जाती है। यह मामला सिर्फ़ एक पॉलिटिकल पार्टी या लगभग 80 साल की महिला नेता तक सीमित नहीं है। यह नई टेक्नोलॉजी के भयानक और बेकाबू गलत इस्तेमाल के एक बुरे चक्र की शुरुआत है, जो आने वाले समय में किसी भी नागरिक के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। अगर आज,ढ्ढ की मदद से पॉलिटिकल फ़ायदे के लिए एक बड़ी उम्र की महिला की इज्ज़तदार इमेज को पल भर में बिगाड़ा जा सकता है, तो कल समाज की कोई भी आम महिला, माँ, बहन या पत्नी इस बिगड़ी हुई सोच का शिकार हो सकती है। बिगड़ी हुई सोच वाले लोगों के लिए कोई मोरल लाइन नहीं होती। अगर आज इस हरकत को चुपचाप मान लिया गया, तो कल हर घर की हर महिला की इज्ज़त खतरे में पड़ जाएगी। टेक्नोलॉजी इंसान की ज़िंदगी को आसान और अमीर बनाने के लिए बनाई गई थी, लेकिन जब इसका इस्तेमाल विरोधियों को नीचा दिखाने और संस्कृति के नाम पर अश्लीलता फैलाने के लिए किया जाता है, तो टेक्नोलॉजी समाज को तोड़ने का हथियार बन जाती है। राजनीति में जीत और हार कुछ समय के लिए होती है, सत्ता आज है और कल चली जाएगी, लेकिन महिलाओं की इज्ज़त कुर्बान करके मिली सत्ता कभी समाज का भला नहीं कर सकती। अब समय आ गया है कि समाज को अपना भेदभाव वाला चश्मा उतारकर आईने में असली तस्वीर देखनी होगी। पॉलिटिकल सोच चाहे जो भी हो, महिलाओं के अधिकारों और नैतिक मूल्यों की रक्षा के मुद्दे का कड़ा विरोध होना चाहिए। अगर आज लाइन पार करने और गलत सोच फैलाने वालों की पहचान करके उन्हें सज़ा नहीं दी गई, तो यह सामाजिक अराजकता देश के भविष्य को अंधेरे की ओर धकेल देगी।

धोलेरा में खुलेगा हाईटेक डेटा सेंटर का रास्ता

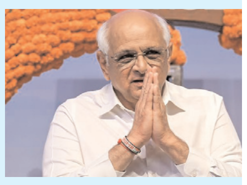

गांधीनगर। गुजरात सरकार मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल के नेतृत्व में सुशासन के पांच वर्ष पूरे होने का दावा करते हुए राज्य को देश का अग्रणी डेटा सेंटर हब बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसके लिए हाल ही में 'विकसित गुजरात डेटा सेंटर नीति 2026-29' घोषित की गई है। सरकार इसे भविष्य की तकनीक और डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा कदम बता रही है, लेकिन इस महत्वाकांक्षी योजना के साथ राज्य के संसाधनों, बिजली, पानी और सरकारी आर्थिक रियायतों को लेकर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। सरकार का दावा है कि डेटा सेंटरों में 51 प्रतिशत हरित ऊर्जा का इस्तेमाल अनिवार्य होगा। पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से यह प्रावधान महत्वपूर्ण बताया जा रहा है, लेकिन बड़े पैमाने पर डेटा सेंटरों के संचालन के लिए लगातार भारी मात्रा में बिजली की जरूरत होगी। ऐसे में हरित ऊर्जा की उपलब्धता और उसकी लागत को लेकर आने वाले समय में सरकार के सामने बड़ी चुनौती हो सकती है। पानी की जरूरत पूरी करने के लिए किसानों या दूसरे उद्योगों पर दबाव नहीं डालने की बात कही गई है। इसके लिए समुद्र के पानी को मीठा करने वाले विलवणीकरण संयंत्रों पर जोर दिया जाएगा। हालांकि, इतनी बड़ी तकनीकी परियोजनाओं के लिए पानी की व्यवस्था करने में आने वाली लागत और इसके पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। डेटा सेंटर कंपनियों को आकर्षित करने के लिए नीति में कई बड़ी आर्थिक रियायतों का प्रावधान किया गया है। धोलेरा में डेटा सेंटर शुरू करने पर 2.5 प्रतिशत अतिरिक्त पूंजी सहायता, स्टांप शुल्क से पूरी छूट, दस वर्षों तक 4 प्रतिशत ब्याज सहायता और अगले 20 वर्षों तक प्रति यूनिट एक रुपये की बिजली दर पर सहायता दी जाएगी। ऐसे में सवाल यह है कि इन रियायतों का राज्य के खजाने पर कुल कितना भार पड़ेगा और इसके बदले आम जनता को कितना प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। सरकार ने डेटा सेंटरों को जरूरी सेवाओं का दर्जा देकर मंजूरी प्रक्रिया को भी आसान और तेज करने की व्यवस्था की है। नीति के तहत 7.5 गीगावॉट क्षमता के डेटा सेंटर स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है

राशिफल
(रविवार) 13 सितंबर 2026

राशि	फल	राशि	फल
मेष	कामकाज में सफलता मिलेगी, धन लाभ के नए अवसर बनेंगे	तुला	व्यापार में लाभ होगा, किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी
वृषभ	रुके काम पूरे होंगे, परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी	वृश्चिक	धन संबंधी परेशानी दूर होगी, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी
मिथुन	नई जिम्मेदारी मिल सकती है, व्यापार में लाभ के संकेत हैं	धनु	नई योजनाएं सफल होंगी, परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।
कर्क	आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, पुराने विवाद सुलझ सकते हैं	मकर	काम में व्यस्तता बढ़ेगी, आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे
सिंह	मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, मान-सम्मान बढ़ेगा	कुंभ	महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे, करियर में नई दिशा मिल सकती है
कन्या	नौकरी में प्रगति के योग हैं, निवेश में सावधानी रखें	मीन	मन प्रसन्न रहेगा, धन लाभ के साथ पारिवारिक सुख मिलेगा

स्वामीनारायण संप्रदाय में महिलाओं का बायकॉट: धर्म के नाम पर पुरुष-प्रधान रीति-रिवाजों के खिलाफ गुस्सा

भारतीय धर्म और संस्कृति में महिलाओं को 'शक्ति' का रूप माना जाता है। जहां राधा-कृष्ण और सीता-राम जैसे नामों में भी पुरुष से पहले महिला का नाम पूजनीय माना जाता है, वहीं 21वीं सदी में भी स्वामीनारायण संप्रदाय के कुछ साधुओं द्वारा महिलाओं को अलग-थलग करने और बहिष्कृत करने की परंपरा के खिलाफ एक गंभीर और ज्वलंत सवाल खड़ा हो गया है। हाल ही में पेरिस की घटना के बाद सोशल मीडिया से लेकर समाज के जागरूक तबके तक में इस रवैये के खिलाफ भारी गुस्सा देखने को मिला है।

नंदीग्राम की घटना और कड़वा अनुभव

साहित्य और अध्यात्म का केंद्र माने जाने वाले नंदीग्राम में 'सात पार आकाशमान' जैसी नारीवादी कालजयी रचना के रचयिता मकरंद दवे और कुंदनिका कपाड़िया की मौजूदगी में हुई एक घटना धार्मिक रीति-रिवाजों के बुरे चेहरे को उजागर करती है। जब स्वामीनारायण संप्रदाय के साधु मकरंदभाई से मिलने आए, तो वहां मौजूद महिलाओं को या तो दूसरे कमरे में डाल दिया गया या नज़रों से दूर कर दिया गया। सवाल यह उठता है कि जो लेखिकाएं महिलाओं की बराबरी की निशानी थीं, वे भी इस बुरी परंपरा के खिलाफ चुप क्यों रहीं? बिना रोक-टोक के साधुत्व क्या है? कम उम्र से ही खिलाड़ियों को अपनानी चाहिए स्पोर्ट्स साइंसः डोला बनर्जीअगर कोई व्यक्ति खुद को 'साधु' या 'त्यागी' कहता है और फिर भी उसका मन किसी महिला की मौजूदगी से भटक जाता है, तो ऐसे साधुत्व के सही होने पर बड़ा सवालिया निशान लगता है। वे आम आदमी उन साधुओं से हज़ार गुना ज़्यादा मेहनती और संस्कारी होते हैं जो अपने मन पर काबू नहीं रख पाते, जो ऑफिस में महिलाओं के साथ इज्ज़त से काम करते हैं, घूमते-फिरते हैं और हर दिन समाज बनाने में पार्टनर बनते हैं। समाज की ज़िम्मेदारी और पुरुष-प्रधान सोच इस स्थिति के लिए सिर्फ़ संप्रदाय या साधु ही नहीं, बल्कि सामाजिक स्वीकृति देने वाला वर्ग भी उतना ही ज़िम्मेदार है। ऐसी महिला विरोधी सोच वाले साधुओं को अपने घर बुलाना, उनके पैर धोना और अंधविश्वास के साथ उनकी पूजा करना सिर्फ़ पुरुष प्रधान सोच को बढ़ावा देता है।

समय के साथ बदलाव ज़रूरी है

अगर कोई भी धर्म या संप्रदाय सम के साथ बदलाव को स्वीकार नहीं करता है, तो वह सामाजिक पतन की ओर बढ़ता है। जब महिलाओं को समाज के हर क्षेत्र में बराबरी का हक और जगह मिल रही है, तो धर्म के नाम पर महिलाओं को बेइज्जत करने और उन्हें अलग-थलग करने वाली पुरानी और अमानवीय प्रथाओं को बदलना बहुत ज़रूरी है। रीति-रिवाजों का विरोध करना धर्म का विरोध नहीं है,

कम उम्र से ही खिलाड़ियों को अपनानी चाहिए स्पोर्ट्स साइंसः डोला बनर्जी

नारणपुरा। अहमदाबाद के नारणपुरा स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में एशियाई खेलों के लिए रवाना होने वाले भारतीय तैराकी दल के विदाई समारोह के दौरान SAI मीडिया से बातचीत में डोला बनर्जी ने कहा कि उनके समय में खिलाड़ियों को पोषण विशेषज्ञ, मनोवैज्ञानिक और मसाज जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। उन्होंने कहा, 'हमारे समय में न्यूट्रिशनिस्ट, साइकोलॉजिस्ट और मसाज जैसी सुविधाएं नहीं थीं। मेरे करियर के अंतिम दौर में मेडिटेशन को ट्रेनिंग का हिस्सा बनाया गया। उस समय हमें लगता था कि इन चीजों की जरूरत नहीं है, लेकिन आज के प्रतिस्पर्धी खेलों में स्पोर्ट्स साइकोलॉजी और न्यूट्रिशन जैसी सुविधाएं बेहद जरूरी हैं। ' डोला ने कहा कि इन सभी सुविधाओं को खिलाड़ियों की बचपन से होने वाली ट्रेनिंग का हिस्सा बनाया जाना चाहिए और इनका विस्तार जमीनी स्तर तक होना जरूरी है। उन्होंने मौजूदा खिलाड़ियों को आधुनिक सपोर्ट सिस्टम का अधिकतम लाभ उठाने की सलाह देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है कि वे इन सेवाओं को अपनी दैनिक ट्रेनिंग में शामिल करें। उनके अनुसार, 'आज सिर्फ अभ्यास करना पर्याप्त नहीं है। यदि आप सात घंटे अभ्यास कर रहे हैं, तो पांच घंटे अभ्यास के लिए और दो घंटे स्पोर्ट्स साइंस पर निवेश किए जाने चाहिए। ' आगामी आइची-नागोया एशियाई खेलों में भारतीय तीरंदाजों के प्रदर्शन को लेकर डोला बनर्जी काफी आशावादी नजर आईं। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में कई युवा खिलाड़ी शामिल हैं, जो बिना दबाव के खेलते हैं और अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे एशियाई खेलों में अच्छे परिणाम की उम्मीद है। टीम में कई जूनियर खिलाड़ी हैं। वे बिना दबाव के खेलते हैं, इसलिए उनके अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है। ' डोला ने कहा कि कंपाउंड तीरंदाजी में भारत की रैंकिंग काफी अच्छी है, इसलिए इस वर्ग से पदक की उम्मीदें अधिक हैं। वहीं रिकर्व में भी भारतीय टीम लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 2022 एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने रजत और महिला

टीम ने कांस्य पदक जीता था। इस बार भी टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने धीरज बोम्मादेवरा के शानदार फॉर्म का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली बार वह एशियाई खेलों में थे और व्यक्तिगत पदक से मामूली अंतर से चूक गए थे। उम्मीद है कि इस बार वह पदक जीतने में सफल होंगे। उन्होंने अंकिता भकत का भी उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय रिकर्व टीम काफी अनुभवी है।ह् व डोला बनर्जी का मानना है कि भारतीय खेल सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने और विशेष रूप से स्कूल स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ने सात स्पर्धाओं में चौथे स्थान पर प्रदर्शन किया। उनके मुताबिक चौथे और तीसरे स्थान में भले ही अंतर हो, लेकिन पहले की तुलना में चौथे स्थान तक पहुंचना भी भारतीय खेलों में सुधार का संकेत है। उन्होंने कहा, 'हमें देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना होगा, खासकर स्कूलों में। माता-पिता को अपने बच्चों को खेलों में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे प्रतिभाओं का आधार बढ़ेगा और हम विश्वस्तरीय खिलाड़ी तैयार कर सकेंगे। '

2029 गणित और विपक्ष की रणनीतिः महज़ हवा या ठोस राजनीतिक भविष्य

2029 के राष्ट्रीय चुनावों को लेकर राजनीतिक गलियारे में अटकलें और चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं। भाजपा विरोधी माहौल बनाने और भाजपा को घर लाने की बातें निश्चित रूप से सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में चल रही हैं, लेकिन तथ्य यह है कि जमीनी स्तर पर काम और उचित रणनीति के बिना, ये सभी दावे सिर्फ एक सैद्धांतिक कल्पना बनकर रह जाएंगे।

जमीनी स्तर पर संगठन का अभाव

विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती ये है कि बीजेपी का कैडर आधारित बूथ मैनेजमेंट बेहद मजबूत है. केवल बयानबाजी या चुनाव के आधार पर बने गठबंधन से सीटें नहीं जीती जा सकतीं। जब तक विपक्ष गांव और जमीनी स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं का नेटवर्क मजबूत नहीं करेगा, पिछली हार दोहराई ही जाएगी।

खड़गेजी का चेहराः कितना घातक और तार्किक विकल्प?

प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में मल्लिकार्जुन खड़गेजी के नाम पर सहमति बनना राजनीतिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। अनुभव का भंडारः खड़गेजी के पास पांच दशकों से अधिक का व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव है। वह एक अनुभवी और शांत राजनेता हैं, जो सभी क्षेत्रीय दलों को एक साथ रखने की क्षमता रखते हैं।

सामाजिक और राजनीतिक समीकरणः खड़गे जी की छवि साफ-सुथरी है और वे निम्न वर्ग और दलित समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं. अगर विपक्ष उन्हें अगले चेहरे के तौर पर पेश करता है तो बीजेपी के लिए उन पर निजी हमले करना आसान नहीं होगा.

भाई-भतीजावाद के आरोपों से बचाव खडगेजी का चेहरा कांग्रेस और विपक्ष पर लगे भाई-भतीजावाद के आरोपों को एक झटके में मात दे सकता है।

व्यक्तिगत चेहरों से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं 'एकता' और 'नीति'

पिछले चुनावों में विपक्ष की सबसे बड़ी कमजोरी यह रही है कि चुनाव से पहले प्रधानमंत्री पद के दावेदार को लेकर कोई स्पष्टता नहीं थी. यदि 2029 के लिए सभी विपक्षी दल अपना अहंकार त्याग कर अभी से ही खड़गेजी जैसे अनुभवी और सर्वमान्य चेहरे पर मोहर लगा दें, तभी मतदाताओं के सामने एक स्पष्ट विकल्प उभर कर सामने आ सकता है.

निष्कर्ष राजनीति सिर्फ शुभकामनाओं या भाषणों का खेल नहीं है. अगर विपक्ष 2029 में सत्ता बदलना चाहता है तो उसे घर बैठकर हवाई दावे करने के बजाय जनता के बीच काम करना होगा। भाजपा के खिलाफ चुनौतीपूर्ण लड़ाई तभी लड़ी जा सकती है जब खड़गे जी के अनुभव का लाभ उठाते हुए एक मजबूत और एकजुट गठबंधन बनाया जाए, अन्यथा पिछली हार की पुनरावृत्ति निश्चित है।

स्क्रीन की चमक में फीके पड़ते रिश्ते
मोबाइल को साधन बनाएं, रिश्तों का विकल्प नहीं

(रूपेश सोलंकी) आज का मनुष्य तकनीक की दुनिया में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाथ में रखा छोटा-सा मोबाइल फोन मानो पूरी दुनिया को अपने भीतर समेटे हुए है। एक क्लिक में समाचार, मनोरंजन, शिक्षा, ज्ञान, व्यवसाय और दुनिया भर के लोगों से संपर्क संभव हो गया है। लेकिन यही मोबाइल कभी-कभी हमें अपने सबसे करीबी लोगों से दूर ले जाता है—और यह एक गंभीर सामाजिक प्रश्न है। एक ही घर में रहने वाले परिवार के चार सदस्य एक-दूसरे के सामने बैठे हों, फिर भी सभी की नजरें अलग-अलग मोबाइल की स्क्रीन पर टिकी हों—यह दृश्य आज सामान्य होता जा रहा है। घर में संवाद कम और स्क्रीन पर स्क्रॉलिंग अधिक दिखाई देती है। माँ कुछ कहती है, लेकिन बच्चे के कानों में ईयरफोन लगे होते हैं; पिता बात करना चाहते हैं, लेकिन संतान सोशल मीडिया में व्यस्त होती है; भाई-बहन एक-दूसरे के पास बैठे होते हैं, फिर भी एक-दूसरे से संदेश के माध्यम से बात करते हैं।

यह दृश्य केवल तकनीक के बढ़ते उपयोग का नहीं, बल्कि रिश्तों में घटते संवाद का भी प्रतिबिंब है।

'स्क्रीन की दुनिया में सबको खोजते रहे,
पर अपने ही लोग कहाँ हैं, यह पूछना भूल गए।
बातों के लिए समय नहीं था, संदेश हजारों थे,
रिश्ते तो जीवित थे, लेकिन संवाद कहीं खो गए। '

मोबाइल खराब नहीं है। सोशल मीडिया भी हमारा दुश्मन नहीं है। समस्या तब शुरू होती है, जब साधन हमारे जीवन को चलाने लगे और हम उसी साधन के गुलाम बन जाएँ। मोबाइल का सही उपयोग ज्ञान का शक्तिशाली माध्यम बन सकता है। विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध है, किसानों के लिए कृषि संबंधी जानकारी है, व्यापारियों के लिए बाजार की जानकारी है, रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर हैं और आम व्यक्ति के लिए दुनिया भर की जानकारी हाथ में उपलब्ध है। इसलिए सवाल मोबाइल का नहीं, बल्कि हमारे उसके उपयोग करने के तरीके का है। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों में मोबाइल के अत्यधिक उपयोग को लेकर माता-पिता को जागरूक होने की आवश्यकता है।

बच्चे को मोबाइल देकर शांत कर देना आसान है, लेकिन उसके साथ बैठकर बात करना, उसकी समस्याएँ सुनना और उसके साथ समय बिताना अधिक आवश्यक है।

बच्चे को महँगा खिलौना देने से पहले अपना थोड़ा-सा कीमती समय दें।

परिवार में प्रतिदिन कुछ समय ऐसा निर्धारित किया जा सकता है, जब किसी के हाथ में मोबाइल न हो। साथ बैठकर भोजन करना, दिनभर की बातें करना, बुजुर्गों के अनुभव सुनना और बच्चों की बात ध्यान से सुनना—ये छोटे-छोटे कदम परिवार के रिश्तों में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। हम अक्सर बच्चों से कहते हैं, 'मोबाइल कम इस्तेमाल करो।' लेकिन बच्चा हमारा व्यवहार भी देख रहा होता है। यदि माता-पिता स्वयं लगातार मोबाइल में व्यस्त रहते हैं, तो केवल उपदेश देकर बच्चे में बदलाव लाना मुश्किल है।बच्चों को मोबाइल से दूर रखने का सबसे प्रभावी तरीका केवल नियम बनाना नहीं, बल्कि उन्हें परिवार का प्रेम और अपना समय देना है। सोशल मीडिया ने हमें हजारों लोगों से जोड़ दिया है, लेकिन कभी-कभी अपने ही घर के व्यक्ति से बात करने की आदत छीन ली है। हम किसी अनजान व्यक्ति की पोस्ट को तुरंत पसंद करते हैं, लेकिन घर में बैठे अपनी माँ की बात सुनने के लिए समय नहीं निकालते। किसी के जन्मदिन की पोस्ट पर सुंदर शब्द लिखते हैं, लेकिन अपने बुजुर्गों के चेहरे पर छिपे अकेलेपन को पढ़ना भूल जाते हैं। हमें सोचना होगा कि डिजिटल दुनिया में जुड़े रहना और मानवीय रिश्तों में जुड़े रहना—दोनों एक जैसी बातें नहीं हैं। आज समाज को अधिक मोबाइल की नहीं, बल्कि अधिक मानवता और अधिक संवाद की आवश्यकता है।

आइए, एक छोटा-सा संकल्प लें

प्रतिदिन थोड़ा समय मोबाइल के लिए नहीं, बल्कि परिवार के लिए रखें।
बुजुर्गों से बात करें।
बच्चों की बातें ध्यान से सुनें।
मित्रों को केवल संदेश न भेजें, कभी-कभी फोन भी करें।
और सबसे महत्वपूर्ण—जब कोई व्यक्ति हमारे सामने बैठा हो, तो उसकी आँखों में देखकर उससे बात करें। क्योंकि मोबाइल की स्क्रीन टूट जाए तो नई खरीदी जा सकती है, लेकिन टूटे हुए रिश्तों को फिर उसी रूप में जोड़ना हमेशा संभव नहीं होता। 'थोड़ी स्क्रॉलिंग कम करें, थोड़ा जीवन पढ़ें,
थोड़ा आभासी कम जिएँ, थोड़ा वास्तविक बनकर मिलें।
मोबाइल हाथ में रहे, लेकिन दिल पर उसका कब्जा न हो,
रिश्तों की गर्माहट में मानवता फिर से जीवंत हो। ' आज के युग में तकनीक से दूर भागने की आवश्यकता नहीं है; बल्कि तकनीक का संयमित, समझदारीपूर्ण और मानव-केंद्रित उपयोग करने की आवश्यकता है। मोबाइल हमारे जीवन को आसान बनाए, यह अच्छी बात है; लेकिन वह हमारे रिश्तों का स्थान ले ले—यह स्वीकार्य नहीं होना चाहिए।

हमें तय करना है कि मोबाइल हमें चलाएगा या हम मोबाइल को चलाएँगे।

क्योंकि अंततः जीवन की सबसे खूबसूरत यादें किसी स्क्रीन पर नहीं, बल्कि अपनों के साथ, दिल के संवाद में और रिश्तों की गर्माहट में लिखी जाती हैं।

लेखक : रूपेश सोलंकी

370 भरे गैस सिलेंडरों से लदे ट्रक में लगी आग, गोरखपुर में मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। चौरी चौरा थाना क्षेत्र के आमकोल गांव में 11 और 12 सितंबर की दरमियानी रात उस समय हड़कंप मच गया, जब करीब 370 भरे हुए गैस सिलेंडरों से लदे एक ट्रक के इंजन में अचानक आग लग गई। ट्रक में बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर होने के कारण आग फैलने की आशंका से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलने के बाद चौरी चौरा पुलिस ने तत्काल आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था संभाली। एहतियात के तौर पर लोगों को घटनास्थल से दूर किया गया और इलाके को खाली कराया गया, ताकि आग की लपटें सिलेंडरों तक पहुंचने की स्थिति में किसी तरह की जनहानि न हो। बड़ी संख्या में भरे गैस सिलेंडर देखकर मौके पर कुछ समय तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। इसके बाद अग्निशमन दल ने आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। दमकल कर्मियों ने पानी की बौछार कर आग को फैलने से रोका और काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। पुलिस और अग्निशमन दल की तत्परता के कारण आग गैस सिलेंडरों तक नहीं पहुंच सकी और कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। सीओ चौरी चौरा कुंदन सिंह ने बताया कि आमकोल गांव में गैस सिलेंडरों से लदे ट्रक में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और अग्निशमन दल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने क्षेत्र को सुरक्षित करते हुए आम लोगों को घटनास्थल से दूर रखा। अग्निशमन दल ने प्रयास कर आग पर नियंत्रण पा लिया। पुलिस अब आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार आग ट्रक के इंजन में लगी थी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इंजन में आग किन परिस्थितियों में लगी और इसके पीछे तकनीकी खराबी या कोई अन्य कारण था। फिलहाल घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

चोरी के डर से दरवाजे में दौड़ा रखा था करंट, खेलते-खेलते पहुंचा 5 साल का बच्चा और हो गई मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवरिया। चोरी रोकने के लिए घर के दरवाजे पर लगाया गया बिजली का करंट एक मासूम बच्चे की मौत का कारण बन गया। मईल थाना क्षेत्र के बलिया दक्षिण गांव में लोहे के फ्रेम वाली चारपाई में तारों का जाल बुनकर उसमें करंट प्रवाहित किया गया था। गुरुवार शाम खेलते-खेलते वहां पहुंचे 5 वर्षीय कार्तिक ने जैसे ही लोहे के फ्रेम को छुआ, वह करंट की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही हालत गंभीर हो गई और अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दौरान एक बच्ची भी करंट की चपेट में आकर झुलस गई। बताया गया कि गांव निवासी हंसराज अपने भाइयों के साथ हैदराबाद में नौकरी करते हैं। गांव में उनकी पत्नी संगीता देवी और दो बेटे रहते हैं। उनका बड़ा बेटा कार्तिक गांव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक में पढ़ता था। गुरुवार शाम वह गांव के अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान बच्चे पड़ोस के मकान के पास पहुंच गए। मकान के दरवाजे की जगह लोहे के फ्रेम वाली चारपाई लगी थी। आरोप है कि शहाबुद्दीन ने लोहे के फ्रेम में पतले तारों का जाल बुनकर उसमें बिजली का करंट दौड़ा रखा था। कार्तिक जैसे ही उसके संपर्क में आया, वह लोहे के फ्रेम से चिपक गया और चीखने लगा। उसके साथ मौजूद एक बच्ची भी करंट की चपेट में आ गई। बच्चों की चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह दोनों को वहां से बाहर निकाला। इसके बाद दोनों को भागलपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने कार्तिक को मृत घोषित कर दिया। बच्ची का उपचार किया गया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां संगीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। बाबा की तहरीर पर मामला दर्ज घटना के बाद मृतक के बाबा किशुन ने मईल थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि चोरी रोकने के लिए जानबूझकर लोहे के फ्रेम में करंट प्रवाहित किया गया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गैर इरादतन हत्या की धारा 105 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया। मईल थाना प्रभारी के अनुसार जांच में सामने आया कि शहाबुद्दीन पुत्र मुमताज ने घर के दरवाजे की जगह लगाए गए लोहे के फ्रेम में तारों का जाल बनाकर उसमें बिजली का करंट प्रवाहित कर रखा था।

परिजनों का आरोप- स्कूल जाते समय पीछा करता था युवक

छेड़छाड़ से परेशान हाईस्कूल छात्रा ने दी जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरोहा। गजरौला थाना क्षेत्र के एक गांव में छेड़छाड़ से परेशान हाईस्कूल की छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों ने गांव के एक युवक पर छात्रा का लगातार पीछा करने और परेशान करने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर दो सगे भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। परिजनों का आरोप है कि नय्यूम नाम का युवक छात्रा को स्कूल आते-जाते समय परेशान करता और उसका पीछा करता था। छात्रा ने इस बारे में अपने परिवार को जानकारी भी दी थी। परिवार ने युवक के परिजनों से शिकायत की, लेकिन आरोप है कि इसके बावजूद छात्रा को परेशान करना जारी रहा। परिजनों के मुताबिक, उन्होंने नय्यूम के भाई नासिर से भी शिकायत की थी। आरोप है कि नासिर ने शिकायत सुनने के बजाय परिजनों के साथ गाली-गलौज की और उन्हें धमकी दी। इसके बाद छात्रा मानसिक रूप से परेशान रहने लगी। कुछ समय बाद छात्रा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही गजरौला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर नय्यूम और उसके भाई नासिर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मुख्य आरोपी नय्यूम को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि नासिर की तलाश जारी है। एसपी अमरोहा लखन सिंह यादव के अनुसार मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेरठ के अविका होटल में भीषण आग, धू-धूकर जला सामान; दो गाड़ियां भी आग की चपेट में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में शनिवार को एक होटल में लगी भीषण आग से इलाके में हड़कंप मच गया। परतापुर थाना क्षेत्र के रिठानी इलाके में दिल्ली रोड स्थित अविका होटल में अचानक आग भड़क उठी। कुछ ही देर में आग ने होटल के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। होटल के अंदर रखा फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, सजावटी सामान और अन्य सामग्री तेजी से जलने लगी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि होटल की खिड़कियों से बाहर तक दिखाई दे रही थीं। घटना में होटल परिसर में खड़ी दो गाड़ियां भी आग की चपेट में आ गईं और बुरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अचानक उठने लगा धुआं और आग प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, होटल से अचानक धुआं निकलता दिखाई दिया और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं। कुछ ही समय में आग ने होटल के अंदर मौजूद सामान को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। आग की भयावहता देखकर आसपास मौजूद

लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोग सुरक्षित स्थानों की ओर जाने लगे और तत्काल पुलिस तथा दमकल विभाग को सूचना दी गई। आग तेजी से फैलने के कारण होटल के अंदर मौजूद कर्मचारियों और अन्य लोगों को बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू की गई। बताया गया कि करीब डेढ़ दर्जन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात यह रही कि आग के बीच किसी व्यक्ति की जान नहीं गई। दो गाड़ियां भी जलकर हुई बर्बाद होटल में लगी आग ने परिसर में खड़ी दो गाड़ियों को भी अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते दोनों वाहन बुरी तरह जल गए। आग की लपटों और धुएं के कारण आसपास के क्षेत्र में भी काफी देर तक दहशत का माहौल बना रहा। होटल के अंदर फर्नीचर, कमरे और हॉल में रखा सामान, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा अन्य सामग्री आग में जलकर बर्बाद हो गई। आग इतनी विकराल थी कि दमकल कर्मियों को इसे नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस और दमकल ने संभाला मोर्चा घटना की सूचना मिलते ही मेरठ पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग की गंभीरता को देखते हुए आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई और लोगों को घटनास्थल से दूर रखा गया। दमकल कर्मियों ने कई दिशाओं से पानी की बौछार कर आग को फैलने से रोकने का प्रयास किया। करीब एक घंटे तक लगातार प्रयास करने के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझने के बाद दमकल टीम ने होटल के अलग-अलग हिस्सों में जाकर स्थिति का जायजा लिया और यह सुनिश्चित किया कि कहीं दोबारा आग न भड़के। शॉर्ट सर्किट की आशंका, जांच जारी आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी स्पष्ट रूप से पता नहीं चल पाया है। शुरुआती तौर पर बिजली के तारों में खराबी या शॉर्ट सर्किट को आग की संभावित वजह माना जा रहा है, लेकिन अधिकारियों ने इसकी अंतिम पुष्टि नहीं की है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम यह भी पता लगाने में जुटी है कि आग किस हिस्से से शुरू हुई और इतनी तेजी से पूरे होटल में कैसे फैल गई। इसके अलावा होटल में आग से बचाव के लिए किए गए सुरक्षा इंतजामों की भी जांच की जा रही है। करोड़ों के नुकसान की आशंका भीषण आग में होटल का बड़ा हिस्सा प्रभावित हुआ है। फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सजावटी सामग्री और अन्य संपत्ति के साथ दो वाहनों के जलने से भारी नुकसान हुआ है। प्रारंभिक तौर पर नुकसान करोड़ों रुपये का होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक नुकसान का आकलन जांच और निरीक्षण के बाद ही सामने आएगा। एसपी सिटी मेरठ विनायक गोपाल भोसले के अनुसार आग पर काबू पा लिया गया है और होटल में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग लगने के कारणों और नुकसान का विस्तृत आकलन कराया जा रहा है। फिलहाल पुलिस और दमकल विभाग पूरे मामले की जांच में जुटे हैं।

'बच्चों को पसंद नहीं आ रहा खाना', शिकायत सुनकर भड़की महिला रसोइया; पति के साथ मिलकर हेडमास्टर को चप्पल से पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्योपुर। मध्यप्रदेश के श्योपुर शहर स्थित एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय किला रोड परिसर में शुक्रवार सुबह उस समय हंगामा मच गया, जब स्कूल की महिला रसोइया ने अपने पति के साथ मिलकर हेडमास्टर के साथ मारपीट कर दी। आरोप है कि बच्चों को खाना पसंद नहीं आने और इस संबंध में विभाग में शिकायत किए जाने की बात कहने पर रसोइया और उसका पति भड़क गए। दोनों ने हेडमास्टर के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें महिला रसोइया हेडमास्टर को चप्पल से पीटती दिखाई दे रही है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह हेडमास्टर कमलजीत सिंह सिसोदिया स्कूल परिसर में मजदूरों से पुताई का काम करवा रहे थे। इसी दौरान स्कूल की रसोइया नसीर बानो अपने पति इस्माइल के साथ वहां मौजूद थी। बातचीत के दौरान हेडमास्टर ने नसीर बानो से कहा कि बच्चों को उनके हाथ का बना खाना पसंद नहीं आ रहा है और इस संबंध में विभाग में लिखित शिकायत भी की गई है। बताया जा रहा है कि यह बात सुनते ही नसीर बानो और उसका पति इस्माइल नाराज हो गए। दोनों ने स्कूल में चल रहा पुताई का काम रुकवा दिया और हेडमास्टर से विवाद करने लगे। मामला बढ़ने पर गाली-गलौज शुरू हो गई। हेडमास्टर

ने जब अपशब्द कहने से रोका तो आरोप है कि इस्माइल ने उन्हें पकड़ लिया और कॉलर खींचकर जमीन पर गिराने की कोशिश की। इसके बाद नसीर बानो ने हाथ में चप्पल लेकर हेडमास्टर की पिटाई शुरू कर दी। हेडमास्टर जान बचाने के लिए स्कूल परिसर में इधर-उधर भागते रहे, जबकि महिला उनके पीछे दौड़ती रही। इस दौरान उनकी पीठ में चोट आने की बात सामने आई है। हेडमास्टर की चीख-पुकार सुनकर स्कूल का स्टाफ मौके पर पहुंचा और किसी तरह उन्हें आरोपियों से बचाया। घटना के बाद हेडमास्टर कमलजीत सिंह सिसोदिया विद्यार्थियों के साथ सीधे सिटी कोतवाली थाने पहुंचे और पुलिस को लिखित शिकायत दी। शिकायत के आधार पर कोतवाली पुलिस ने नसीर बानो और उसके पति इस्माइल के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने और मारपीट से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने घटना का वीडियो भी संज्ञान में लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। हेडमास्टर कमलजीत सिंह सिसोदिया ने बताया कि वह स्कूल में पुताई का काम करवा रहे थे। इसी दौरान रसोइया अपने पति के साथ वहां पहुंची थी। बच्चों को खाना पसंद नहीं आने और शिकायत की बात कहने पर दोनों नाराज हो गए। हेडमास्टर के मुताबिक, पति द्वारा गाली देने से रोकने पर उसने उन्हें पकड़ लिया और इसके बाद महिला रसोइया ने चप्पल से हमला कर दिया। वहीं स्कूल की शिक्षिका मीनू चौधरी ने आरोप लगाया कि रसोइया पहले भी स्कूल में आकर परेशान करती रही है और इस संबंध में प्रशासन को शिकायतें दी जा चुकी हैं। शिक्षिका के मुताबिक शुक्रवार को भी रसोइया अपने पति और कुछ अन्य लोगों के साथ पहुंची और हेडमास्टर के साथ मारपीट की। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी सत्यम गुर्जर ने बताया कि हेडमास्टर की लिखित शिकायत के आधार पर रसोइया नसीर बानो और उसके पति इस्माइल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा डालने के आरोपों की जांच कर रही है। वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'तेरे जैसे कई आए और चले गए', भजन गायक गन्नू महाराज ने पार्षद राहुल जायसवाल को सरेआम सुनाई खरी-खोटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। शहर के वार्ड क्रमांक 9 में भाजपा पार्षद राहुल जायसवाल और भजन गायक गन्नू महाराज के बीच बिजली का पोल लगाने को लेकर तीखी बहस हो गई। कमला नेहरू कॉलोनी में संस्कार भवन के बाहर हुई इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच बहस होती दिखाई दे रही है। इसी दौरान गन्नू महाराज पार्षद से नाराजगी जताते हुए कहते सुनाई दे रहे हैं- 'कई आए, कई गए... तेरे जैसे भी कई आए और चले गए।' बताया जा रहा है कि कमला नेहरू कॉलोनी में उद्यान विभाग की जमीन पर संस्कार भवन और योग केंद्र का निर्माण कराया गया है। रविवार को भवन का शुभारंभ प्रस्तावित था। इससे पहले शनिवार को नगर निगम के कर्मचारी भवन के बाहर बिजली का पोल लगाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान पोल की ऊंचाई और उसे किस स्थान पर लगाया जाए, इसे लेकर गन्नू

महाराज और पार्षद राहुल जायसवाल के बीच विवाद शुरू हो गया। जानकारी के मुताबिक गन्नू महाराज का मकान संस्कार भवन के ठीक सामने है। उनका कहना है कि भवन के सामने उनके साथ-साथ किराएदारों के वाहन भी खड़े होते हैं। ऐसे में निगम कर्मचारी जिस स्थान पर करीब 8 फीट ऊंचाई पर बिजली का पोल लगाने की तैयारी कर रहे थे, उसका उन्होंने विरोध किया। वायरल वीडियो में गन्नू महाराज निगम कर्मचारियों से पोल को करीब 10 फीट की ऊंचाई पर लगाने की मांग करते नजर आ रहे हैं। वह कर्मचारियों से हाथ जोड़कर आग्रह करते हुए कहते हैं कि पोल 10 फीट की ऊंचाई पर लगा दिया जाए, लेकिन 8 फीट की ऊंचाई पर इसे नहीं लगाया जाए। उन्होंने मौके पर नगर निगम के अधिकारियों को बुलाने की बात भी कही। इसी दौरान मौके पर पार्षद राहुल जायसवाल भी पहुंच गए। दोनों के बीच पोल की ऊंचाई और स्थान को लेकर तीखी बहस शुरू हो गई। बहस के दौरान गन्नू महाराज ने पार्षद को खरी-खोटी सुनाई। मामला बढ़ता देख मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया। वहीं पार्षद राहुल जायसवाल ने कहा कि संस्कार भवन और योग केंद्र का निर्माण बच्चों को संस्कार और योग की शिक्षा देने के उद्देश्य से कराया गया है। उनके मुताबिक निर्माण के दौरान भी विवाद की स्थिति बनी थी और काम को रोकने का प्रयास किया गया था। इसके बाद क्षेत्र के रहवासियों ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर निर्माण के समर्थन में अपनी बात रखी, जिसके बाद काम आगे बढ़ सका। फिलहाल बिजली के पोल की ऊंचाई और स्थान को लेकर शुरू हुआ यह विवाद सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

मध्य प्रदेश के सरकारी विश्वविद्यालयों का बुरा हाल: 74 प्रतिशत सहायक प्राध्यापक पद खाली, पांच विश्वविद्यालयों में एक भी शिक्षक नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी ने उच्च शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदेश के 17 सरकारी विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के स्वीकृत 1,069 पदों में से 793 पद खाली हैं। यानी करीब 74 प्रतिशत पदों पर नियमित नियुक्ति नहीं हुई है। केवल 276 सहायक प्राध्यापक ही इन विश्वविद्यालयों में कार्यरत हैं। यह जानकारी विधानसभा में सरकार द्वारा दिए गए आंकड़ों में सामने आ चुकी है। सबसे चिंताजनक स्थिति उन विश्वविद्यालयों की है, जहां एक भी सहायक प्राध्यापक नहीं है। छिंदवाड़ा के राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, गुना के क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय, खरगोन के क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय, छतरपुर के महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और सागर के रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय में एक भी सहायक प्राध्यापक पद पर नियमित शिक्षक नहीं है। ऐसे में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की पढ़ाई अस्थायी या अतिथि शिक्षकों के सहारे चल रही है। खरगोन की क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय की स्थिति विशेष रूप से गंभीर बताई गई है। यहां शिक्षण से जुड़े सभी 140 स्वीकृत पद खाली बताए गए हैं। इनमें 80 सहायक प्राध्यापक, 40 सह-प्राध्यापक और 20 प्राध्यापक के पद

शामिल हैं। रिपोर्टों के अनुसार विश्वविद्यालय में हजारों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, लेकिन नियमित शिक्षकों की कमी बनी हुई है। शिक्षकों की कमी के साथ-साथ परीक्षाओं और परिणामों में देरी ने विद्यार्थियों की परेशानी और बढ़ा दी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लिखे पत्र में ग्वालियर के जीवाजी विश्वविद्यालय का उदाहरण देते हुए कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में स्नातकोत्तर प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों में 244 से 380 दिन तक की देरी सामने आई। विश्वविद्यालय के करीब 72 प्रतिशत शिक्षण पद भी रिक्त बताए गए हैं। इस तरह की देरी का सीधा असर विद्यार्थियों की अगली कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया, डिग्री मिलने, प्रतियोगी परीक्षाओं और नौकरी के लिए आवेदन करने पर पड़ सकता है। पूरक परीक्षा के परिणाम समय पर जारी नहीं होने के कारण उच्च शिक्षा विभाग को ई-प्रवेश पोर्टल दोबारा खोलने की जरूरत तक पड़ी। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय समेत कई विश्वविद्यालयों में बड़ी संख्या में महाविद्यालय जुड़े होने के कारण परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम जारी करने का प्रशासनिक दबाव भी लगातार बढ़ रहा है। दूसरी ओर, प्रवेश पत्र, अंकसूची, उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन और परीक्षा कार्यक्रम से जुड़ी शिकायतें भी विद्यार्थियों की परेशानी बढ़ा रही हैं। जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री से सरकारी विश्वविद्यालयों में स्वीकृत और रिक्त शैक्षणिक पदों की विश्वविद्यालयवार स्थिति सार्वजनिक करने तथा भर्ती प्रक्रिया तेज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल भवन और नाम से नहीं चलते, बल्कि शिक्षक, नियमित कक्षाएं, समय पर परीक्षाएं और समय पर परिणाम ही उनकी वास्तविक पहचान होते हैं। मध्य प्रदेश में सहायक प्राध्यापकों की भर्ती की प्रक्रिया चलने के संकेत भी मिले हैं, लेकिन मौजूदा आंकड़े बताते हैं कि रिक्तियों का अंतर अभी काफी बड़ा है। ऐसे में सवाल यही है कि प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की कमी और परीक्षा परिणामों में देरी को दूर करने के लिए सरकार कितनी तेजी से कदम उठाती है।

खंडवा में नदी किनारे मिला महिला सरपंच के पति का शव, गर्दन और सिर पर गहरे घाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के पिपलोद थाना क्षेत्र के बोरखेड़ा गांव में शुक्रवार सुबह महिला सरपंच के पति रूमसिंग का शव मिलने से सनसनी फैल गई। उनका शव गांव के पास नदी किनारे रास्ते पर मिला। शरीर पर गर्दन और सिर सहित कई जगह गहरे घाव के निशान पाए गए हैं। परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस प्रथम दृष्टया इसे हत्या का मामला मानकर जांच कर रही है। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस के अनुसार रूमसिंग बोरखेड़ा से अपने घर की ओर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि वह गुरुवार रात करीब 9 बजे गांव से निकले थे, लेकिन घर नहीं पहुंचे। शुक्रवार सुबह उनका शव गांव के पास रास्ते पर मिला। सूचना मिलते ही पिपलोद थाना प्रभारी विक्रम धार्वे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल को सुरक्षित कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए खंडवा एसपी अगम जैन भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाकर घटनास्थल की बारीकी से जांच कराई। टीम ने आसपास के क्षेत्र से संभावित साक्ष्य जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह और चोटों की प्रकृति को लेकर स्थिति और स्पष्ट होगी। जांच में पुराने विवाद भी बने अहम बिंदु पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि रूमसिंग की हत्या के पीछे आखिर वजह क्या थी। उनके आखिरी समय की गतिविधियों, मोबाइल फोन की जानकारी और उन लोगों के बारे में पता लगाया जा रहा है, जिनसे उन्होंने घटना से पहले संपर्क किया था। पुलिस गांव के लोगों और परिजनों से भी पूछताछ कर रही है। मामले में पंचायत से जुड़े विवाद और जमीन या वन क्षेत्र से जुड़े पुराने विवादों की भी जानकारी सामने आई है। हालांकि पुलिस ने अभी किसी भी विवाद को हत्या की वजह के रूप में आधिकारिक तौर पर तय नहीं किया है। इसलिए इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना के बाद पुलिस ने गांव के कई लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। ताजा जानकारी के मुताबिक कुछ संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है, जबकि बड़ी संख्या में ग्रामीणों से भी घटना को लेकर जानकारी जुटाई गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि रूमसिंग को आखिरी बार किसने देखा था और घटनास्थल के आसपास उस समय कौन-कौन मौजूद था। डॉग स्क्वायड की जांच में भी पुलिस को कुछ सुराग मिलने की उम्मीद है। घटनास्थल से लेकर आसपास के रास्तों तक टीम ने जांच की है। पुलिस हत्या में इस्तेमाल हथियार और हमलावरों तक पहुंचने के लिए वैज्ञानिक साक्ष्यों को भी महत्वपूर्ण मान रही है। एसपी अगम जैन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिकारियों को जल्द से जल्द हत्या का खुलासा करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल पुलिस हत्या की वजह और आरोपियों की पहचान को लेकर जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, तकनीकी जांच और पूछताछ से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने सूचना देने वाले व्यक्ति के लिए 10 हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की है।

दिल्ली में बनेंगे 1,000 आधुनिक शौचालय, रेखा गुप्ता सरकार ने मंजूर किया 300 करोड़ का बजट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। दिल्ली सरकार बाजारों, पार्कों, प्रमुख सड़कों, राजमार्गों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में 1,000 नए आधुनिक सार्वजनिक शौचालय बनाने की तैयारी कर रही है। सरकार का उद्देश्य राजधानी को खुले में शौच से मुक्त रखने के साथ-साथ लोगों, खासकर महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई वित्त एवं व्यय समिति की बैठक में पहले चरण में 500 आधुनिक सार्वजनिक शौचालय बनाने की योजना को मंजूरी दी गई है। इसके लिए 127 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। सरकार ने इस पूरी योजना के लिए बजट में कुल 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। सरकार के अनुसार नए शौचालय ऐसे स्थानों पर बनाए जाएंगे, जहां सार्वजनिक सुविधाओं की सबसे अधिक आवश्यकता है। बाजारों, पार्कों के आसपास, सड़क किनारे और अधिक भीड़ वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। खास तौर पर महिलाओं को होने वाली परेशानी को ध्यान में रखते हुए ऐसे स्थानों की पहचान की जा रही है, जहां सार्वजनिक शौचालयों की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही है। इन स्थानों में सिविल लाइंस, आनंद विहार, एम्स परिसर, अगस्त क्रांति मार्ग, सूरजमल विहार, झिलमिल, लक्ष्मीबाई मार्ग, अरुणा नगर-तिमारपुर और मेटकॉफ हाउस समेत कई प्रमुख सार्वजनिक स्थान शामिल हैं। आने वाले समय में जरूरत के अनुसार अन्य क्षेत्रों को भी योजना में शामिल किया जा सकता है।

सुरक्षा के लिए सीसीटीवी की निगरानी

सरकार ने नए शौचालयों में साफ-सफाई के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही है। शौचालय ब्लॉक के प्रवेश और निकास बिंदुओं पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इनके माध्यम से

लगातार निगरानी की जाएगी, ताकि सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को सुरक्षित माहौल मिल सके। इसके अलावा इन आधुनिक शौचालयों में ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की भी योजना है।

मुंबई एयरपोर्ट से 2 करोड़ का सोना और 33 लाख रुपये नकद गायब, सूरत के कपड़ा कारोबारी से ठगी का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दुबई से लौट रहे सूरत के एक 67 वर्षीय कपड़ा कारोबारी के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कथित तौर पर बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। कारोबारी का आरोप है कि कस्टम घोषणा की प्रक्रिया में मदद करने के बहाने एक व्यक्ति उनका करीब 1.5 किलोग्राम सोना और 1.28 लाख संयुक्त अरब अमीरात दिरहम से भरा बैग लेकर फरार हो गया। बरामदगी के लिए ले जाए गए सोने की कीमत करीब 1.95 करोड़ रुपये और नकदी की भारतीय मुद्रा में कीमत करीब 33.35 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, कारोबारी ने अपना पुराना कपड़ा कारोबार बंद कर दिया था और नए व्यवसाय की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान दुबई यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात केरल निवासी मोहम्मद आसिफ से हुई। आरोप है कि आसिफ ने उन्हें संयुक्त

अरब अमीरात में कानूनी तरीके से सोना खरीदकर भारत में बेचने का कारोबार करने की सलाह दी। इसके बाद कारोबारी ने दुबई से एक किलो और 500 ग्राम वजन की दो सोने की छड़ें खरीदीं। इनकी कीमत करीब 7,66,589 दिरहम बताई गई है। सोना उधार पर खरीदा गया था और भारत में सीमा शुल्क चुकाने के लिए कारोबारी करीब 1.28 लाख दिरहम नकद लेकर मुंबई लौट रहे थे। एमिरेट्स की उड़ान में उनकी मुलाकात नियास मोहम्मद कटुमाडाथिल से हुई। उसे मोहम्मद आसिफ के परिचित के रूप में बताया गया था। मुंबई पहुंचने के बाद नियास ने कस्टम घोषणा और शुल्क भुगतान की प्रक्रिया में मदद करने की बात कही। कारोबारी का आरोप है कि इसी भरोसे का फायदा उठाकर उसने सोने और नकदी वाला काला बैग अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद नियास कथित तौर पर घरेलू प्रस्थान द्वार की ओर चला गया और बेंगलुरु की उड़ान पकड़कर मुंबई से निकल गया। कारोबारी ने मोहम्मद आसिफ के साथ मिलकर आरोपी को हवाई अड्डे पर तलाशने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में कारोबारी ने सहार पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नियास मोहम्मद के साथ केरल के मलप्पुरम निवासी मोहम्मद हारिस थुम्बलांथोडी भी इस साजिश में शामिल था।

स्कूटी की डिक्की में रखे थे 9.50 लाख रुपये, कपड़े खरीदने गया कारोबारी... पीछे से थैली उड़ा ले गए चोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। के अकोला में ज्वेलरी कारोबारी की स्कूटी की डिक्की से 9 लाख 50 हजार रुपये की नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। कारोबारी अपनी दुकान बंद करने के बाद घर पहुंचा था और दिनभर का हिसाब-किताब समेटकर नकदी एक थैली में रखकर स्कूटी की डिक्की में रख दी थी। इसी दौरान वह घर के पास कपड़े खरीदने दुकान में गया और पीछे से दो आरोपी स्कूटी की डिक्की खोलकर नकदी से भरी थैली लेकर फरार हो गए। घटना सिविल लाइन चौक के पास की बताई जा रही है। पीड़ित कारोबारी की पहचान परेश चंदुलाल सराफ के रूप में हुई है। वह ज्वेलरी का कारोबार करते हैं। रोज की तरह दुकान बंद करने के बाद वह घर पहुंचे थे। उनके पास दिनभर की बिक्री के 9 लाख 50 हजार रुपये थे। कारोबारी ने पूरी रकम एक कपड़े की थैली में रखी थी। इस थैली में सिर्फ नकदी ही नहीं, बल्कि ज्वेलरी की दुकान की तिजोरी की चाबी भी रखी हुई थी। परेश सराफ ने थैली स्कूटी की डिक्की में रखी और घर के सामने वाहन खड़ा कर दिया। इसके बाद वह पास की कपड़े की दुकान में खरीदारी करने चले गए। कारोबारी के दुकान के अंदर जाते ही दो अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे और स्कूटी के आसपास कुछ देर नजर रखने के बाद डिक्की खोल ली। दोनों ने अंदर रखी नकदी और चाबी वाली थैली निकाली और मौके से फरार हो गए। पूरी वारदात कुछ ही पलों में हुई। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में दोनों संदिग्धों की गतिविधियां कैद हो गई हैं। पुलिस अब फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। खास बात यह है कि वारदात पुलिस थाने से करीब 1000 गज की दूरी पर हुई। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या आरोपियों ने पहले से कारोबारी की रेकी की थी या फिर स्कूटी की डिक्की में नकदी होने की जानकारी उन्हें पहले से थी। परेश सराफ की शिकायत पर सिविल लाइन

पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश के साथ नकदी बरामद करने के प्रयास कर रही है।

900 एटीएम कार्ड, 167 सिम और 88 पासबुक... मुंबई में साइबर गिरोह के 3 आरोपी गिरफ्तार, 350 करोड़ के नेटवर्क का शक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट-5 ने ऑनलाइन साइबर ठगी से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अपने और दूसरे लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर उन्हें साइबर ठगी की रकम के लेन-देन के लिए उपलब्ध कराते थे। जांच में करीब 10 बैंक खातों के जरिए 24 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है। पुलिस को आशंका है कि इस पूरे नेटवर्क का संबंध 350 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर ठगी से हो सकता है। तीनों आरोपियों को अदालत ने 19 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेजा है। क्राइम ब्रांच के अनुसार, आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में बैंकिंग दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद किए गए हैं। इनमें 88 पासबुक, 143 चेकबुक, करीब 900 एटीएम कार्ड, 167 सिम कार्ड, 24 मोबाइल फोन और दो लैपटॉप शामिल हैं। बरामद सामान की जांच के जरिए पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क

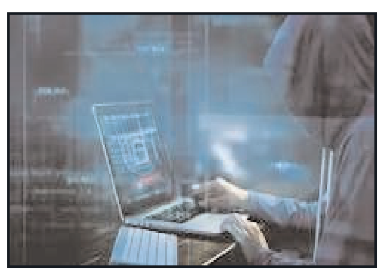

में कितने बैंक खाते और मोबाइल नंबर इस्तेमाल किए गए थे। पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी कई लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाते थे। इन खातों से सिम कार्ड जोड़े जाते थे और खातों से संबंधित पासबुक, एटीएम कार्ड तथा चेकबुक अपने कब्जे में ले ली जाती थीं। इसके बाद ऑनलाइन ठगी से हासिल रकम इन खातों में मंगाकर दूसरे खातों में स्थानांतरित की जाती थी। पुलिस इसे ऐसे बैंक खातों के इस्तेमाल का मामला मान रही है, जिन्हें साइबर अपराध की रकम को घुमाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जांच के दौरान इन बैंक खातों से जुड़े 1,930 साइबर अपराध रिकॉर्ड की पड़ताल की गई, जिनमें 32 शिकायतें सामने आई हैं। तकनीकी जांच में 288 सिम कार्ड का साइबर अपराध से संबंध भी सामने आया है। पुलिस अब इन नंबरों और बैंक खातों के बीच संबंधों की कड़ियां जोड़ रही है। पुलिस के मुताबिक, इस नेटवर्क से जुड़े मामलों में एकमुश्त पासवर्ड के जरिए ठगी, डिजिटल गिरफ्तारी, नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी और निवेश के नाम पर धोखाधड़ी जैसे तरीके शामिल हो सकते हैं। गिरफ्तार आरोपियों में एक कैब चालक भी है। एक आरोपी 44 वर्ष का है और उसने नौवीं कक्षा तक पढ़ाई की है, जबकि तीसरे आरोपी ने 12वीं के बाद दो वर्ष तक कॉलेज में पढ़ाई की है। क्राइम ब्रांच अब आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि वे इस नेटवर्क से कैसे जुड़े और उनके जरिए कितने बैंक खाते तथा सिम कार्ड चलाए जा रहे थे। पुलिस को इस गिरोह के तार महाराष्ट्र के बाहर दूसरे राज्यों और संभवतः विदेशों तक जुड़े होने का भी शक है। जांच आगे बढ़ने के साथ साइबर ठगी से जुड़े और मामलों तथा आरोपियों के सामने आने की संभावना है।

अभिजीत दीपके की महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी, बोले- सोनम वांगचुक जैसा मनोज जरांगे के साथ नहीं चलेगा, हाथ लगाया तो...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालना। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने शुक्रवार को अंतरवाली सराटी पहुंचकर आंदोलनकारी मनोज जरांगे से मुलाकात की। जरांगे पिछले 14 दिनों से अनशन पर हैं। मुलाकात के बाद दीपके ने महाराष्ट्र सरकार से अपील की कि वह आंदोलन को नजरअंदाज करने के बजाय मनोज जरांगे से बातचीत करे और उनकी मांगों को समझने की कोशिश करे। अभिजीत दीपके ने कहा कि मनोज जरांगे केवल मराठा आरक्षण के मुद्दे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वह समाज के युवाओं की शिक्षा, रोजगार और भविष्य से जुड़े सवाल भी उठा रहे हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि जब एक व्यक्ति इतने दिनों से अनशन पर बैठा है तो मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की ओर से उनसे बातचीत करने की पहल क्यों नहीं की जा रही है। दीपके ने प्रथमेश देशमुख का भी जिक्र किया। उन्होंने गुरुवार को धाराशिव में प्रथमेश देशमुख के परिवार से मुलाकात की थी। प्रथमेश महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी कर रहे थे और पुणे में उनकी कथित आत्महत्या का मामला सामने आया था। दीपके ने कहा कि ऐसे युवाओं के भविष्य और उनकी परेशानियों को भी

सरकार को गंभीरता से समझना चाहिए। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नेताओं के पास दूसरे लोगों से मुलाकात करने का समय है, लेकिन मनोज जरांगे से बातचीत करने के लिए कोई आगे नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को आंदोलन को दबाने के बजाय बातचीत के जरिए रास्ता निकालना चाहिए। अभिजीत दीपके ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन का भी संदर्भ दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को मनोज जरांगे के साथ वैसा व्यवहार करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, जैसा उनके अनुसार सोनम वांगचुक के मामले में किया गया था। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में इस तरह का रवैया स्वीकार नहीं किया जाएगा। दीपके ने कहा कि अगर मनोज जरांगे के खिलाफ जबरन कार्रवाई या उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई तो इसका असर बड़ा हो सकता है। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि अगर किसी ने जरांगे को हाथ लगाने की कोशिश की तो पूरा महाराष्ट्र अंतरवाली सराटी पहुंच जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से सीधे तौर पर अपील करते हुए कहा कि सरकार को आंदोलन स्थल पर आकर मनोज जरांगे से बातचीत करनी चाहिए। उनके मुताबिक, बातचीत से ही यह पता चल सकता है कि आंदोलनकारियों की वास्तविक मांगें क्या हैं और सरकार किस तरह उसका समाधान निकाल सकती है। मनोज जरांगे का अनशन 14वें दिन भी जारी है। उनकी लगातार बिगड़ती सेहत को लेकर समर्थकों और आंदोलनकारियों में चिंता बनी हुई है। ऐसे में अभिजीत दीपके की मुलाकात और सरकार को दी गई चेतावनी ने मराठा आरक्षण आंदोलन के बीच राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया है।

जामिया में हॉस्टल मेस पर हंगामा, खाने में कीड़ा मिलने पर भड़कीं छात्राएं; सेंटेनरी गेट पर घंटों धरना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के जम्मू-कश्मीर गर्ल्स हॉस्टल की मेस में खाने की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर छात्राओं का गुस्सा फूट पड़ा। खाने में कीड़ा मिलने के बाद छात्राओं ने विश्वविद्यालय के सेंटेनरी गेट पर घंटों धरना देकर विरोध जताया। छात्राओं का आरोप है कि मेस के खाने को लेकर पिछले कई दिनों से शिकायतें की जा रही थीं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। बताया गया कि बुधवार रात खाने में एक छात्रा की प्लेट में कीड़ा मिला। इसके बाद अन्य छात्राओं ने भी खाने

की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए। छात्राओं का कहना है कि पहले भी खाने में कीड़े और मक्खियां मिलने के अलावा कांच के टुकड़े और सड़े हुए अंडे जैसी चीजें मिलने की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। उनका आरोप है कि शिकायत करने के बावजूद मेस कर्मचारियों और प्रशासन की ओर से पर्याप्त कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्राएं सेंटेनरी गेट पर पहुंचीं और धरने पर बैठ गईं। प्रदर्शन देर रात तक चला और करीब पांच घंटे बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से मांगों पर लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। रिपोर्टों के मुताबिक छात्राओं ने मेस संचालक को हटाने, महिला कर्मचारियों की नियुक्ति और प्रदर्शन में शामिल छात्राओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने समेत कई मांगें रखीं। मेस वेंडर के इस्तीफे के बाद भी विवाद पूरी तरह शांत नहीं हुआ। छात्राओं का आरोप है कि लिखित आश्वासन के बावजूद उनकी सभी मांगें पूरी नहीं की गईं। इसके बाद शुक्रवार को भी सेंटेनरी गेट पर दोबारा प्रदर्शन शुरू हो गया। प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने मेस की व्यवस्था और प्रशासन के रवैये को लेकर नाराजगी जताई। छात्राओं के मुताबिक मेस की समस्या नई नहीं है और लंबे समय से शिकायतें की जा रही हैं। उनका कहना है कि मामला केवल खाने के स्वाद का नहीं, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ा है। वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रदर्शन को लेकर अपनी अलग प्रतिक्रिया दी है और घटना की परिस्थितियों पर सवाल उठाए हैं।

दही की हांडी न देने पर पड़ोसन को मारी गोली, फिर खुद को भी उड़ाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के गोकलपुरी इलाके में शुक्रवार सुबह एक हैरान करने वाली वारदात सामने आई। यहां एक युवक ने पड़ोस में रहने वाली महिला को गोली मारकर घायल कर दिया और कुछ देर बाद कथित तौर पर खुद को भी गोली मारकर जान दे दी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी ने महिला से मिट्टी की दही हांडी मांगी थी। महिला के इनकार के बाद उसने उस पर गोली चला दी। इसके बाद वह अपने कमरे में गया और खुद को गोली मार ली। पुलिस के

अनुसार सुबह करीब 7:41 बजे गोकलपुरी थाने को जोहरीपुर में शिव मंदिर के पास गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उस समय घायल महिला राजवती को उपचार के लिए राजीव गांधी सरकारी अस्पताल ले जाया जा चुका था। पुलिस को मकान की पहली मंजिल पर एक कमरे में 32 वर्षीय नीरज खून से लथपथ हालत में मिला। उसके पास एक रिवॉल्वर पड़ी थी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि रिवॉल्वर का लाइसेंस नीरज के पिता के नाम पर था। पुलिस ने घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया, जिसने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस के मुताबिक नीरज ने गोली चलाने के बाद कमरे को अंदर से बंद कर लिया था। गोली की आवाज सुनकर मकान में मौजूद लोग कमरे तक पहुंचे और दरवाजा तोड़ा। अंदर नीरज घायल अवस्था में फर्श पर पड़ा मिला। बाद में उसकी मौत हो गई। वहीं 48 वर्षीय राजवती के दाहिने पैर में गोली लगी है। अस्पताल में उपचार के दौरान पुलिस ने उससे पूछताछ की। राजवती ने बताया कि उसका घर नीरज के घर के पास ही है। शुक्रवार सुबह करीब 7:15 बजे नीरज ने उसे फोन कर मिट्टी की हांडी मांगी थी। राजवती के मुताबिक, उसने हांडी देने से इनकार कर दिया। इसके कुछ देर बाद जब वह अपने घर की पहली मंजिल की ओर सीढ़ियां चढ़ रही थी, तभी नीरज ने कथित तौर पर उस पर गोली चला दी। गोली उसके दाहिने पैर में लगी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि राजवती के घर की सीढ़ियां नीरज के घर की बालकनी से साफ दिखाई देती हैं।

गली में दौड़ा-दौड़ाकर 17 बार घोंपा चाकू; 22 साल के वंश डेढ़ा की खौफनाक हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मंडावली इलाके में गुरुवार रात एक युवक की बेहद निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। 22 वर्षीय वंश डेढ़ा पर बाइक सवार दो युवकों ने धारदार हथियार से लगातार हमला किया। पुलिस के मुताबिक, वंश के शरीर पर चाकू से वार के 17 निशान मिले हैं। गंभीर रूप से घायल वंश को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद

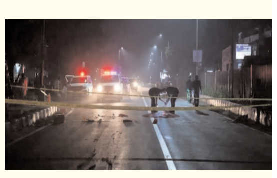

इलाके में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस के अनुसार गुरुवार रात करीब 7:54 बजे मंडावली थाने में चाकूबाजी की सूचना मिली। पुलिस टीम तुरंत ज्ञान वाटिका स्कूल के पास पहुंची, जहां वंश घायल अवस्था में मिला। उसे पटपड़गंज स्थित मैक्स अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकीय जांच में उसके शरीर पर चाकू के 17 घाव पाए गए। कहासुनी के बाद किया पीछा प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वारदात से पहले वंश की कुछ युवकों से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। आरोप है कि इसके बाद करावल नगर निवासी 22 वर्षीय केशव कुमार अपने एक साथी के साथ वंश का पीछा करने लगा। दोनों ज्ञान वाटिका स्कूल के पास पहुंचे, जहां वंश को घेरकर उस पर चाकू से कई बार वार किए गए। हमला करने के बाद दोनों आरोपी बाइक से मौके से फरार हो गए। मुख्य आरोपी गिरफ्तार मंडावली थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी निगरानी और अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी केशव कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक दूसरे हमलावर की पहचान भी कर ली गई है और उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू और घटना के समय आरोपियों द्वारा पहने गए कपड़े बरामद कर लिए हैं। हमले में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी पुलिस ने कब्जे में ले ली है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि वारदात से जुड़े अन्य साक्ष्य जुटाए जा सकें। परिवार में था इकलौता कमाने वाला वंश की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों के अनुसार वंश परिवार का इकलौता कमाने वाला था।

ड्राईडॉक्स वर्ल्ड, कोचीन शिपयार्ड ने संयुक्त उद्यम का किया गठन

नई दिल्ली।

डीपी वर्ल्ड समूह की कंपनी ड्राईडॉक्स वर्ल्ड और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने कोचीन जहाज मरम्मत सुविधा के संचालन और विस्तार के लिए एक संयुक्त उद्यम (जेवी) समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। डीपी वर्ल्ड ने एक बयान में कहा कि यह 50-50 की साझेदारी वाला संयुक्त उद्यम कोचीन स्थित इंटरनेशनल शिप रिपेयर फैसिलिटी (आईएसआरएफ) का संचालन और विस्तार करेगा, जिससे भारत का जहाज मरम्मत परिवेश मजबूत होगा तथा बढ़ती क्षेत्रीय और वैश्विक मांग पूरी होगी। पोत परिवहन मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि ड्राईडॉक्स वर्ल्ड और सीएसएल दोनों इस परियोजना में 900-900 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इस समझौते पर ड्राईडॉक्स वर्ल्ड के सीईओ कैप्टन राडो एंटोलोविक (पीएचडी) और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक जोस वीजे ने नयी दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के मौके पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल तथा यूएई के उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी मामलों के सहायक विदेश मंत्री इमरान शराफ अलहाशिमी उपस्थित थे।

तेलंगाना में एनालॉग पनीर के उत्पादन, बिक्री पर रोक

हैदराबाद ।

तेलंगाना सरकार ने जनस्वास्थ्य के हित में राज्य में गैर-डेयरी, कृत्रिम पनीर या एनालॉग पनीर के विनिर्माण, प्रसंस्करण, पैकिंग, भंडारण, वितरण और बिक्री पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। तत्काल प्रभाव से लागू होने वाला यह आदेश आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित कर दिया गया है। तेलंगाना खाद्य एवं आवश्यक औषधि मानक प्राधिकरण ने कहा कि तेलंगाना के खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने जनस्वास्थ्य के हित में पूरे राज्य में किसी भी रूप में गैर-डेयरी, कृत्रिम पनीर या एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। विज्ञप्ति के अनुसार यह प्रतिबंध 10 सितंबर से तत्काल प्रभाव से एक साल के लिए लागू होगा।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल स्थिर

ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर, भविष्य में बढ़ने की आशंका बरकरार

नई दिल्ली ।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें श निवार को भी स्थिर बनी हुई हैं, जिससे उपभोक्ताओं को एक बार फिर राहत मिली है। सरकारी तेल कंपनियों ने ईंधन के खुदरा दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। यह लगातार 25 मई से जारी स्थिरता है, बावजूद इसके कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें काफी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे भविष्य में दाम बढ़ने की चिंता बनी हुई है। करीब साढ़े तीन महीने से देश में पेट्रोल और डीजल के दाम जस के तस बने हुए हैं। 12 सितंबर को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें कल जितनी ही हैं। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.31 रुपये और डीजल 97.97 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 107.78 रुपये और डीजल 99.56 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर हैं। गुरुग्राम, पटना, नागपुर, श्रीनगर और इंदौर जैसे अन्य शहरों में भी कीमतें पूर्ववत बनी हुई हैं। हालांकि, घरेलू बाजार में यह स्थिरता अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य से बिल्कुल अलग है, जहां कच्चे तेल की कीमतें चिंता का विषय बनी हुई हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की आपूर्ति और कीमतों को लेकर वैश्विक चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का महंगा होना देश के आयात बिल और समग्र अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, साथ ही लंबे समय तक ऊंचे दाम बने रहने से परिवहन लागत में वृद्धि हो सकती है। भारत में ईंधन की कीमतें डायनेमिक फ्यूल प्राइसिंग व्यवस्था के तहत हर दिन सुबह 6 बजे संशोधित की जाती हैं। तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहती हैं, तो देश में पेट्रोल-डीजल के खुदरा दामों पर इसका असर दिखना तय है और यह वर्तमान स्थिरता समाप्त हो सकती है। फिलहाल उपभोक्ताओं को मिली यह राहत कितने समय तक बरकरार रहेगी, यह अंतरराष्ट्रीय बाजार की चाल पर निर्भर करेगा।

'ब्रिक्स बाजार' में जुटी दुनिया भर की हस्तकलाएं

18 देशों के 40 से अधिक कारीगर, डिजाइनर अपनी अनूठी कलाओं का कर रहे प्रदर्शन

नई दिल्ली।

दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की गहमागहमी के बीच, भारत मंडपम से कुछ ही दूरी पर स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय और हस्तकला अकादमी में एक अनूठा सांस्कृतिक आयोजन ब्रिक्स बाजार शुरू हो गया है। यह प्रदर्शनी सदस्य और साझेदार देशों की समृद्ध कला और हस्तशिल्प को एक मंच पर ला रही है, जो वैश्विक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रतीक है। यह रचनात्मक प्रदर्शनी 15 सितंबर तक चलेगी, जिसमें 18 देशों के 40 से अधिक कारीगर, डिजाइनर और रचनात्मक कंपनियां अपने बेहतरीन उत्पाद और कलाकृतियां पेश कर रहे हैं। ब्रिक्स देशों के अलावा सहयोगी देशों की चीन की सूझोउ कढ़ाई, इंडोनेशिया की पारंपरिक बुनाई, नाइजीरिया की लकड़ी की कला और दक्षिण अफ्रीका की जुलू चमड़ा कला जैसी प्रामाणिक हस्तकलाएं दर्शकों को लुभा रही हैं। भारत भी अपनी सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन कर रहा है, जहां रियाज अहमद की कश्मीरी पेपर मेश, मोहम्मद बिलाल खत्री की ब्लॉक प्रिंट, करण सिंह की टेराकोटा कला और शादाब अहमद की लाख की चूड़ियां विशेष आकर्षण हैं। मेजबान देश ने जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात और ओडिशा सहित विभिन्न राज्यों की पारंपरिक जीवनशैली को दर्शाते विशेष

कॉर्नर भी बनाए हैं। शिखर सम्मेलन में आए विदेशी मेहमानों और उनके परिवारों के भी इस अनूठे शिल्प मेले का दौरा करने की उम्मीद है।

प्रदर्शनी में लुइस फारिनास लियोन (क्यूबा) जैसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित कलाकार शामिल हैं, जिन्हें 2023 में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिला था। इंडोनेशिया की प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर युली अस्तुति भी अपनी लुप्तप्राय कुडोस बाटिक डिजाइनों को पुनर्जीवित करने के लिए जानी जाती हैं। यह बाजार सिर्फ उत्पादों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि दुनियाभर के कारीगरों को अपनी कला के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और वैश्विक पहचान बनाने का एक अनमोल अवसर भी प्रदान करता है।

आरबीआई एक लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां बेचेगी

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने तीन चरणों में खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत एक लाख करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेचने की घोषणा की। पहला चरण 17 सितंबर को होगा। आरबीआई के अनुसार पहले चरण में 17 सितंबर को 50,000 करोड़ रुपए और उसके बाद 21 सितंबर तथा 28 सितंबर को 25,000-25,000 करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेची जाएंगी। आरबीआई ने बयान में कहा कि बैंकिंग प्रणाली में उपलब्ध धन की मौजूदा स्थिति और उसमें हो रहे बदलाव की समीक्षा के बाद रिजर्व बैंक ने तीन चरणों में कुल एक लाख करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेचने का फैसला किया है। पहली नीलामी में 2029, 2030, 2031 और 2032 में परिपक्व होने वाली सरकारी प्रतिभूतियां बेची जाएंगी। आरबीआई ने कहा कि नीलामी 17 सितंबर को सुबह साढ़े नौ बजे से साढ़े 10 बजे के बीच होगी। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) (एफसीएनआर-बी) जमा के जरिये विदेशी मुद्रा आने से बैंकों में उपलब्ध धन काफी बढ़ गया है। अतिरिक्त धन को वापस लेने के लिए आरबीआई लगातार परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी भी कर रहा है। बैंकों द्वारा एफसीएनआर (बी) जमा में बड़ी मात्रा में धन जुटाए जाने के बाद बैंकों में उपलब्ध नकदी में तेज वृद्धि हुई है।

'एआई दोधारी तलवार, सुरक्षा उपायों के बिना बेकाबू होने का खतरा'- निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को तेजी से अपनाने के साथ-साथ मजबूत सुरक्षा उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा मानकों के बिना एआई बेकाबू होकर समाज के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय तक न टिकने वाले जोखिमों का वितरण होगा। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में बोलते हुए, सीतारमण ने वैश्विक एआई उद्योग में तेजी से विकसित हो रहे फ्रंटियर मॉडल और एक शोधकर्ता की स्वयं को बेहतर बनाने वाली सुपर-इंटेलिजेंस संबंधी सार्वजनिक चेतावनी का उल्लेख किया। उन्होंने इन जोखिमों की गंभीरता से जांच की मांग की और संस्थागत जवाबदेही पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने पूछा, जनता को कौन आश्वस्त करेगा कि सुरक्षा उपाय तकनीक की गति के साथ चल रहे हैं? भरोसेमंद व पारदर्शी जवाब देने के लिए सामूहिक प्रयास कहां है? सीतारमण ने एआई को दोहरी तलवार बताया, जो धोखाधड़ी का पता लगाने और बड़े साइबर हमलों को स्वचालित करने दोनों में सक्षम है। उन्होंने नियामकों और वरिष्ठ प्रबंधन को एआई गवर्नेंस को केवल तकनीकी टीमों पर न छोड़ने की सलाह दी, बल्कि इसके उपयोग, निर्णयों और डेटा को समझने पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने उच्च जोखिम वाले एप्लिकेशनों की गहन जांच की वकालत की। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि एआई को न अपनाने से भी संस्थान कमजोर पड़ सकते हैं और प्रतिस्पर्धात्मकता खो सकते हैं।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा

बाजार में उथल-पुथल जारी रही, सेंसेक्स-निफ्टी लगातार दबाव में, निवेशकों को लगा बड़ा झटका

मुंबई ।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा, जहां प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे बाजार में व्यापक बिकवाली का दबाव देखा गया। सप्ताह की शुरुआत से ही बाजार पर वैश्विक तनाव का साया मंडरा रहा था। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्षों के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल 100 डॉलर प्रति बैरल के निशान को पार करने की आशंका बढ़ गई, जिसने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित ब्याज दर वृद्धि की आशंका और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार को कमजोर किया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझान का असर भारतीय सूचकांकों पर साफ दिखाई दिया। सप्ताह के शुरुआती तीन दिन (सोमवार, मंगलवार और बुधवार) बाजार के लिए बेहद खराब रहे। सोमवार को सेंसेक्स 382 अंक और निफ्टी 118 अंक गिरकर बंद हुए। मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही, जहां सेंसेक्स 555 अंक लुढ़का और निफ्टी 23,700 के नीचे आ गया। बुधवार को बाजार में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जब सेंसेक्स 813 अंक टूटकर 74,764.23 पर और निफ्टी 203 अंक गिरकर 23,431.50 पर बंद हुआ। गुरुवार को बाजार में मामूली सुधार दिखा, सेंसेक्स 138 अंक और निफ्टी 46 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, लेकिन यह राहत अल्पकालिक रही। शुक्रवार को एक बार फिर बाजार में गिरावट लौटी, हालांकि यह शुरुआती भारी

गिरावट से कुछ उबरकर बंद हुए, फिर भी सेंसेक्स 120 अंक और निफ्टी 79 अंक के नुकसान के साथ सप्ताह का अंत किया। सप्ताह के दौरान धातु, सूचना प्रौद्योगिकी, तेल-गैस, वित्तीय सेवाएँ और रियल्टी जैसे क्षेत्रों में भारी बिकवाली देखी गई। अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जो बाजार में व्यापक कमजोरी को दर्शाता है। हालांकि, गुरुवार को पीएसयू बैंक और एनर्जी जैसे कुछ क्षेत्रों में चुनिंदा खरीदारी का रुझान देखा गया, लेकिन बाजार में अनिश्चितता और निवेशकों की सावधानी बनी रही। भारतीय रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर बंद हुआ, जो बाजार के नकारात्मक संकेतों को और पुष्ट करता है। कुल मिलाकर, यह सप्ताह निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरा और नुकसानदेह साबित हुआ।

गणेशोत्सव में सोने-चांदी की बंपर बिक्री, महंगाई भी बेअसर

4000 करोड़ के कारोबार का अनुमान, मुंबई में 200 टन सोना बिकने की उम्मीद

मुंबई । इस साल गणेशोत्सव ने देश के ज्वैलरी बाजार में एक अनोखी चमक बिखेर दी है। शादी-विवाह या अन्य पारंपरिक त्योहारों से हटकर, गणपति बप्पा के स्वागत और उनकी प्रतिमाओं को सजाने के लिए सोने-चांदी के आभूषणों की जोरदार मांग देखी जा रही है। उद्योग अनुमानों के मुताबिक, अकेले मुंबई में इस गणेशोत्सव के दौरान 200 टन से अधिक सोने की बिक्री हो सकती है, जबकि देशभर में यह आंकड़ा 4,000 करोड़ रुपए के कारोबार तक पहुंचने का अनुमान है। गणेशोत्सव शुरू होने से लगभग पांच दिन पहले ही ज्वैलरी बाजार में यह विशेष रौनक शुरू हो गई थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार गणेश चतुर्थी तक करीब 4,000 करोड़ रुपये के कारोबार की उम्मीद है। घरों में स्थापित होने वाली गणेश प्रतिमाओं के लिए छोटे-बड़े आभूषणों की खरीदारी जोरों पर है। जावेरी बाजार के ज्वैलर्स गणपति बप्पा के लिए गणेश पादुका, नेकलेस, मोदक, चूहे, जासवंती के फूल, चेन, कान की बालियां और बाजूबंद जैसे खास गहने तैयार कर रहे हैं। इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए कारीगर दिन-रात काम कर रहे हैं, क्योंकि गणेश को मन्नतों का देवता माना जाता है और कई भक्त मन्नतें पूरी होने पर बड़े उत्साह से खरीदारी कर रहे हैं। मुंबई सर्राफा बाजार में हर दिन 200 से 225 करोड़ रुपये के गहने बिक रहे हैं। आभूषण कारोबारियों का कहना है कि सोने की बढ़ती कीमतों का खरीद पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। पिछले साल के मुकाबले इस बार सोने के दाम लगभग 40 फीसदी ज्यादा होने के बावजूद, ज्वैलरी की मांग दोगुनी हो गई है। भक्ति और आस्था के आगे महंगाई फीकी पड़ गई है। ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सिर्फ बप्पा की ज्वैलरी की मांग के चलते गणेशोत्सव के दौरान मुंबई सर्राफा बाजार में 200 टन से ज्यादा सोना बिकने की उम्मीद है। सोने के साथ-साथ चांदी के बाजार में भी जबरदस्त रौनक है। चांदी के मोदक और चूहे की सबसे ज्यादा मांग है, जिसमें 50 ग्राम से लेकर सवा किलो तक के चूहे शामिल हैं। इसके अलावा मुकुट, कंठहार, कड़े और पादुकाएं भी खूब खरीदी जा रही हैं। गणेश पंडालों के लिए जहां प्रतिमा के आकार के अनुसार कई गुना बड़े और आकर्षक आभूषण बनाए जा रहे हैं, वहीं घरों के लिए मौजूदा रुझानों के हिसाब से आभूषणों की बिक्री हो रही है।

एसबीआई ने आरबीआई से दरें बढ़ाने का आग्रह किया

- बैंक की शोध रिपोर्ट में अक्टूबर और दिसंबर में 0.25-0.25 प्रतिशत की वृद्धि का सुझाव

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शोध रिपोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को अगले महीने नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत और फिर दिसंबर में इतनी ही वृद्धि करने की सिफारिश की है। रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम लगातार बाहरी झटकों, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और व्यापक मुद्रास्फीति दबाव से निपटने के लिए आवश्यक है। एसबीआई की इकोरैप रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई हैं और इनके जल्द ही 123 डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इन भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच, रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि तेल की कीमतें उच्च स्तर पर बनी रहती हैं, तो अक्टूबर और नवंबर में मुद्रास्फीति 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ एक महीने पहले तक ब्याज दर में लंबे ठहराव की उम्मीद थी, लेकिन अब स्थिति में भारी बदलाव आया है। बैंक का यह सुझाव अमेरिकी फेडरल रिजर्व के संभावित कदमों से अप्रभावित है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक 5-7 अक्टूबर को होनी है, जहाँ इन सिफारिशों पर विचार किया जा सकता है। केंद्रीय बैंक ने अगस्त में लगातार चौथी बार प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था।

ब्रिक्स मंच पर भारत की डीप-टेक क्रांति, 37 स्टार्टअप वैश्विक निवेश की दौड़ में

शिक्षा मंत्रालय ने नई दिल्ली में ब्रिक्स-भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी में प्रस्तुत किए स्वदेशी स्टार्टअप

नई दिल्ली । भारत अपने स्वदेशी प्रौद्योगिकी नवाचारों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित कर रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स-भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी में 37 भारतीय डीप-टेक स्टार्टअप पेश किए हैं। इन स्टार्टअप का लक्ष्य ब्रिक्स देशों के निवेशकों, कंपनियों और व्यापारिक दिग्गजों के साथ निवेश, प्रौद्योगिकी साझेदारी और अंतर्राष्ट्रीय बाजार पहुंच के अवसर तलाशना है। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी 11-12 सितंबर को ब्रिक्स बिजनेस फोरम के साथ चल रही है। शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन 37 स्टार्टअप का चयन उन 120 नवाचारी कंपनियों में से किया गया है, जिन्होंने जून में फ्रांस के नीस में आयोजित भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी में भाग लिया था। ये स्टार्टअप अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी सामग्री, रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों से जुड़े हैं। मंत्रालय का मानना है कि यह प्रदर्शनी बी2बी जुड़ाव, प्रौद्योगिकी साझेदारी और अंतर्राष्ट्रीय बाजार पहुंच को सुगम बनाएगी। साथ ही, यह भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत चिह्नित अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की ब्रिक्स शिक्षा पहल को भी बल देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी सहित ब्रिक्स नेताओं, सीईओ और वैश्विक निवेशकों के इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल होने की उम्मीद है। प्रदर्शनी में ध्रुव स्पेस, गैलेक्सी स्पेस सॉल्यूशंस और विसिग नेटवर्क्स जैसे अग्रणी स्टार्टअप शामिल हैं।

एसबीआई छोटे व्यवसायों की ऋण पात्रता आंकने यूपीआई आंकड़ों का करेगा इस्तेमाल

पिछले 18 महीनों में बैंक ने जीएसटी और पैन के आंकड़ों का इस्तेमाल कर एक लाख करोड़ के ऋण दिए

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र का भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जीएसटी पंजीकरण नहीं रखने वाले छोटी इकाइयों की ऋण पात्रता का आकलन करने के लिए यूपीआई लेनदेन के आंकड़ों का इस्तेमाल करने की व्यवस्था विकसित कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एसबीआई के एक अ धिकारी ने यहां आयोजित वैश्विक फिनटेक सम्मेलन में कहा कि यदि किसी कारोबार में नियमित बिक्री हो रही है तो यूपीआई लेनदेन को जीएसटी के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम जीएसटी न रखने वाले कारोबारियों के लिए एक यूपीआई समाधान विकसित कर रहे हैं और यूपीआई लेनदेन को बिक्री के संकेतक के रूप में इस्तेमाल करेंगे।' तिवारी ने कहा कि जीएसटी के तहत पंजीकृत कारोबारियों को ऋण देने की चुनौती का बैंक समाधान कर चुका है और ऐसे मामलों में 10 मिनट के भीतर ऋण देने की स्थिति में है। पिछले 18 महीनों में बैंक ने जीएसटी और पैन के आंकड़ों का इस्तेमाल कर एक लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए हैं। हालांकि, जीएसटी नंबर नहीं रखने वाले कारोबारियों के मामले में कठिनाइयां हैं और ऐसे में वैकल्पिक आंकड़े महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यूपीआई भुगतान से जुड़े मुद्दे पर तिवारी ने कहा कि कर्ज देने वाले बैंक के पास हमेशा यह स्पष्ट जानकारी नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है। हालांकि, प्राप्तकर्ता बैंक और लेनदेन में मदद करने वाले तीसरे पक्ष के भुगतान ऐप के पास यह जानकारी होती है। उन्होंने कहा कि ग्राहक की सहमति से बैंक यूपीआई भुगतान और दूरसंचार कंपनियों से मिलने वाले आंकड़ों जैसे अन्य स्रोतों का इस्तेमाल करने वाले मॉडल के जरिये ऋण पात्रता का आकलन कर सकता है। एसबीआई को उम्मीद है कि नए आंकड़ों के आधार पर छोटे कारोबारियों को ऋण उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे छोटे कारोबारियों की ऋण संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मदद मिलेगी।

इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल बाजार तेजी से हो रहा विस्तार

नई दिल्ली ।

देश में वर्ष 2026 के पहले आठ महीनों में जनवरी से अगस्त के बीच इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की खुदरा बिक्री 2,18,716 यूनिट तक पहुंच गई। बिक्री के यह आंकडे बना रहे हैं कि भारत में इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर यानी इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 1,21,322 यूनिट की बिक्री हुई थी। इस तरह सालाना आधार पर बिक्री में करीब 80 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मौजूदा रफ्तार को देखते हुए कैलेंडर वर्ष 2026 में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की कुल खुदरा बिक्री करीब 3.50 लाख यूनिट तक पहुंचने का अनुमान है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग देश के अधिकांश हिस्सों में बढ़ी है। राज्य में जनवरी से अगस्त के दौरान 31,184 यूनिट बिकीं, जबकि 2025 की समान अवधि में यह आंकड़ा 20,564 यूनिट था।

इस तरह महाराष्ट्र में 52 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तेलंगाना 21,537 यूनिट की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर रहा और यहां 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कर्नाटक में 20,440 यूनिट बिकीं, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 56 प्रतिशत अधिक हैं। दिल्ली में 19,875 यूनिट की बिक्री के साथ 120 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। तमिलनाडु में 17,985 और केरल में 17,638 यूनिट बिकीं। गुजरात में 15,608 यूनिट के साथ बिक्री 139 प्रतिशत बढ़ी, जबकि राजस्थान में 15,423 यूनिट की बिक्री और 134 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। उत्तर प्रदेश में 14,330 यूनिट बिकीं, जो 74 प्रतिशत अधिक हैं। आंध्र प्रदेश में 7,274 यूनिट की बिक्री के साथ 154 प्रतिशत, ओडिशा में 5,862 यूनिट के साथ 133 प्रतिशत और पंजाब में 4,812 यूनिट के साथ 103 प्रतिशत वृद्धि हुई।

हालांकि हरियाणा में बिक्री 49 प्रतिशत घटकर 1,929 यूनिट रह गई। छोटे बाजारों में भी तेजी रही। चंडीगढ़ में 177 प्रतिशत, उत्तराखंड में 142 प्रतिशत, बिहार में 120 प्रतिशत और जम्मू-कश्मीर में 128 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। नगालैंड और लद्दाख में भी बिक्री वृद्धि क्रमशः 225 और 300 प्रतिशत रही। । भारत के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की स्वीकार्यता में तेजी देखने को मिली है। हरियाणा को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। महाराष्ट्र इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में देश में पहले स्थान पर रहा।

ओडिशा में लघु जलविद्युत परियोजनाओं के लिए 185 स्थल किए चिन्हित

उपमुख्यमंत्री बोले- पर्यावरण और विकास दोनों के लिए लाभकारी

भुवनेश्वर । ओडिशा सरकार ने राज्य में लघु जलविद्युत परियोजनाओं को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विशाल कुमार देव ने शुक्रवार को बताया कि राज्य में ऐसे 185 स्थलों की पहचान की गई है, जहां कुल 260 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता विकसित की जा सकती है। देव ने लघु जलविद्युत विकास पर आयोजित एक संवाद के दौरान कहा कि देश के कुल सतही जल संसाधनों का लगभग 11 प्रतिशत ओडिशा में होने के कारण लघु जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने जोर दिया कि राज्य में बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं के साथ अब छोटे पैमाने की परियोजनाओं पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। शुरुआत में चिन्हित किए गए 185 स्थलों पर 260 मेगावाट क्षमता विकसित की जा सकती है, और भविष्य में यह क्षमता बढ़ भी सकती है। उपमुख्यमंत्री के.वी. सिंह देव ने सत्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि लघु जलविद्युत परियोजनाएं पर्यावरण और विकास दोनों के लिए लाभकारी हैं। इन परियोजनाओं में मौजूदा सिंचाई नहरों और जल प्रवाह का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं होती। इस संवाद में नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की 2026-31 की लघु जलविद्युत विकास योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर चर्चा की। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने अपनी अनुमानित 21,133 मेगावाट की लघु जलविद्युत क्षमता में से अब तक 5,171 मेगावाट का उपयोग किया है।

जब से कंप्यूटर आया है, तब से बाहर जाकर खेलने की तो जैसे फुरसत ही नहीं मिलती तुम बच्चों को। पर क्या तुम जानते हो कि आउटडोर खेल तुम्हारे संपूर्ण विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। क्या खेलोगे, किसके साथ और कब...यह सब आज हम तुम्हें बता रहे हैं।

बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं आउटडोर खेल

घर के बाहर जाकर खेलने के काफी फायदे हैं। तुम अपने दोस्तों के और करीब आते हो, टीमवर्क समझ आता है और तुम खूब बढ़ते हो। आउटडोर खेल ऐसे नहीं होते जिन्हें सर्दी-गर्मी के हिसाब से खेला जाए। तुम किसी भी खेल को कभी भी खेल सकते हो। बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट के अलावा कई पारंपरिक खेल भी खेल सकते हो।

ट्रेजर आइलैंड

डोरेमॉन में तुमने इसका नाम सुना होगा। वहां जाकर नोबिता और उसके दोस्त मस्ती करते हैं। लेकिन हम जिस ट्रेजर आइलैंड की बात कर रहे हैं, उसे अलग-अलग जगहों पर कई तरह के नामों से जाना जाता है। इस गेम में दो टीम बनानी होती हैं। इसमें पहली टीम किसी भी चीज को खजाना बना कर छुपा देती है। फिर पहली टीम, दूसरी टीम के लिए क्लू बनाती है। उन क्लूज को फॉलो करते हुए उस खजाने तक पहुंचना होता है। इसमें तुम टाइमिंग भी शामिल कर सकते हो। जो भी टीम खजाने को ढूंढ़ने में सफल हो जाती है, वह जीती हुई मानी जाती है।

छुपन-छुपाई

यह खेल सबसे पुराना है। तुम्हारे मम्मी-पापा ने भी इसे बचपन में जरूर खेला होगा। इसमें खूब सारे बच्चे एक साथ इकट्ठे होते हैं। एक बच्चे को डेन चुना जाता है। डेन चुनने के लिए तुम अक्कड़-बक्कड़ का सहारा ले सकते हो। फिर बाकी बचे सभी बच्चे अलग-अलग जगहों पर छुप जाते हैं और डेन उन्हें ढूंढ़ता है। जिस बच्चे को वह सबसे पहले ढूंढ़ लेता है, अगली बार उसे ही डेन बनना होता है। लेकिन एक को ढूंढ़ने से ही काम नहीं चलता। उसे सभी को ढूंढ़ना होता है। अगर कोई छुपा बच्चा पीछे से जाकर उसे धप्पा कर दे तो डेन को फिर दोबारा डेन बनना होता है।

स्टापू

इस खेल में जमीन में चौकोर बॉक्सेज डिजाइन कर दिए जाते हैं। फिर इनमें एक से दस तक गिनती लिखी जाती है। हर बच्चा एक-एक करके दस खानों में स्टापू फेंकता है। लंगड़ी करते हुए उस पत्थर तक पहुंचना होता है और उसे पैर से खिसकाते हुए वापस लाना होता है। इस गेम से ब्रीदिंग प्रैक्टिस होती है और हमारे पैर बेहद मजबूत होते हैं।

स्पाइंग गेम्स

ये चोर-पुलिस की तरह का गेम होता है। इसमें दो टीम होती हैं। एक टीम चोर बनती है तो दूसरी पुलिस। पुलिस वाली टीम चोर वाली टीम को खोज कर उसे कैद करती है।

क्रिकेट

इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था। क्रिकेट के पहले क्लब की स्थापना 1787 में हुई थी और पहला टैस्ट मैच 1877 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में खेला गया था। शुरुआत में क्रिकेट में टैस्ट मैच ही खेला जाता था, वनडे मैच की शुरुआत 1971 में हुई। पहला वनडे मैच भी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ही खेला गया था। तुमने आईसीसी का नाम तो जरूर सुना होगा। आईसीसी का पूरा नाम इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल है। जितने भी अंतरराष्ट्रीय मैच होते हैं, सभी की रूपरेखा आईसीसी निर्धारित करती है और वर्ल्ड कप का आयोजन करती है। अब तक क्रिकेट का वर्ल्ड कप सबसे ज्यादा पांच बार ऑस्ट्रेलिया ने जीता है, वहीं भारत दो बार विश्व विजेता बना है।

हॉकी

हमारे देश भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है। ब्लैकहीथ एबी एंड क्लब को हॉकी का पहला संगठित क्लब माना जाता है। इसकी स्थापना 1861 में हुई थी। हॉकी का पहला इंटरनेशनल मैच 1895 में वेल्स और इंग्लैंड के बीच खेला गया था और पहला वर्ल्ड कप 1971 में पाकिस्तान और स्पेन के बीच खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान ने खिताब अपने नाम किया था। जानते हो, ओलंपिक में सबसे ज्यादा आठ बार भारत ने हॉकी का मैच जीता है।

फुटबॉल

तुममें से काफी बच्चों को फुटबॉल खेलना पसंद होगा। जानते हो इस खेल का जन्मदाता भी इंग्लैंड ही है। भारत में अंग्रेज इस खेल को लाए और यहां के लोगों को खेलना सिखाया। फुटबॉल का पहला क्लब 1857 में स्थापित किया गया। इसका नाम शेफील्ड फुटबॉल क्लब था। फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा है। फुटबॉल का पहला वर्ल्ड कप वर्ष 1930 में उरुग्वे और अर्जेंटीना के बीच खेला गया था, जिसमें उरुग्वे विजेता घोषित किया गया।

टेबल टेनिस

इस खेल का जन्म भी इंग्लैंड में ही हुआ था। वर्ष 1926 में इंटरनेशनल टेबल टेनिस एसोसिएशन की स्थापना हुई।

वॉलीबॉल

वॉलीबॉल का जन्मदाता यूएसए है। 1895 में इसकी शुरुआत हुई। वॉलीबॉल की प्रमुख संस्था इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन की स्थापना 1948 में हुई और पहला वर्ल्ड कप 1949 में हुआ। तो तुम भी खेलो इसे दोस्तों के साथ।

बास्केटबॉल

इस खेल का जन्म अमेरिका में हुआ था। 1891 में जेम्स नेस्मिथ नामक अमेरिकी ने इसे खेलना शुरू किया। पहला मैच 1930 में खेला गया। बास्केटबॉल की सर्वोच्च संस्था फेडरेशन इंटरनेशनल डे बॉस्केटबॉल एसोसिएशन 1932 में बनी। इसका पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच 1927 में खेला गया।

पिट्टू

इस खेल में भी दो टीमें होती हैं। एक टीम पत्थरों से बने पिरामिड को बॉल से तोड़ती है और फिर से उस पिरामिड को बनाने की कोशिश करती है, जबकि दूसरी टीम पिरामिड बनाने वाली टीम के सदस्य को बॉल मार कर आउट करने की कोशिश करती है।

बैडमिंटन

ऐसा माना जाता है कि बैडमिंटन की शुरुआत भी इंग्लैंड में हुई। इसकी प्रमुख संस्था इंटरनेशनल बैडमिंटन फेडरेशन का गठन 1934 में किया गया।

ये होंगे फायदे

आउटडोर गेम्स से हमें कई नए दोस्त मिलते हैं, जो हमारे घर के आसपास रहते हैं और जिनसे स्कूल आने-जाने, होमवर्क और इनडोर गेम्स में बिजी रहने की वजह से हम मिल नहीं पाते। इसके अलावा, बाहर निकल कर खेलने से पढ़ाई और आसपास की तमाम दूसरी चीजों के बारे में सीख सकते हो। सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि आउटडोर गेम्स से तुम्हारा शरीर चुस्त रहेगा, भूख ज्यादा लगेगी और तुम बीमार भी नहीं पड़ोगे। इन गेम्स में कई ऐसे गेम्स भी हैं, जिनमें एक्सपर्ट होने पर तुम उस गेम की डिस्ट्रिक्ट, स्टेट और नेशनल टीम में चुने जा सकते हो, जैसे बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, बास्केटबॉल। आउटडोर गेम्स से एक बेहतर कॅरियर भी मिल सकता है।

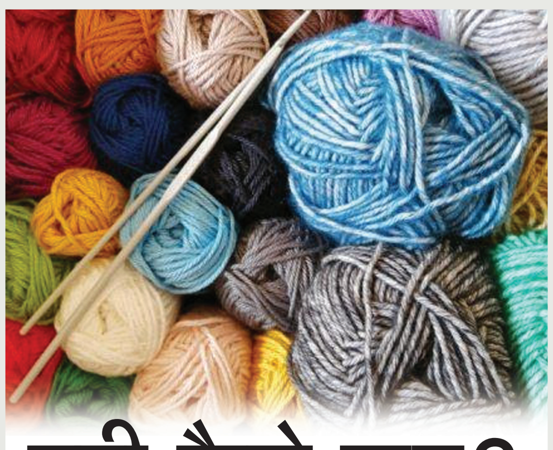

बनी कैसे ऊन?

दोस्तों, क्या तुमने कभी यह सोचा है कि जिस ऊन का स्वेटर पहन हम सर्दी से बचते हैं, वह बनी कैसे? जरूर वो इंसान बहुत ही बुद्धिमान होगा, जिसने भेड़ को देखकर उससे ऊन बनाने के प्रयोग करने के बारे में सोचा होगा। यह माना जाता है कि बुनने के लिए ऊन का ही सर्वप्रथम उपयोग प्रारंभ हुआ। ऊनी वस्त्रों के टुकड़े मिस्त्र बैबिलोन की कब्रों, पुरातन ब्रिटेन निवासियों के झोपड़ों के साथ मिले हैं। रोमन आक्रमण से पहले भी ब्रिटेन वासी इनका उपयोग करते थे। विंचेस्टर फैक्टरी ने ऊन का तरह-तरह से इस्तेमाल करना शुरू किया। इसके बाद इसका इंग्लैंड में खूब प्रयोग किया जाने लगा। हेनरी द्वितीय ने कानून, वस्त्रहाट और बुनकारी संघ बनाकर इस उद्योग को प्रोत्साहित किया। सन् 1788 में हार्टफोर्ड (अमेरिका) में जल-शक्ति-चालित ऊन फैक्टरी आरंभ हुई। ऊन सफेद, काले और भूरे रंग में ही मिलती है। पालतू भेड़ों की ऊन सफेद रंग की होती है। रंगीन ऊन सबसे अधिक पुरानी नस्ल की उन भेड़ों से मिली है, जो कालीन बुनने लायक मोटे किस्म की ऊन पैदा करती हैं।

नीदरलैंड में है दुनिया का पहला माइक्रोब जू

नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में दुनिया का पहला माइक्रोब जू यानी सूक्ष्म जीव 'वाटिका' खुला है। माइक्रोपिया नामक इस जीव-जंतु वाटिका को शहर के उस जंतु पार्क 'आर्टिस' में खोला गया है जिसकी स्थापना 176 साल पहले हुई थी। यह दुनिया की सबसे पुरानी जीव-जंतु वाटिकाओं में से एक है।

140 वर्ष पुरानी इमारत में रखा एक खूबसूरत भूरे रंग का बक्सा बैक्टीरिया, फंगस, काई तथा अन्य एक कोशिका वाले जीवों का आवास है। ये वे जीव हैं जिन्हें नंगी आंखों से देखा नहीं जा सकता परंतु धरती पर जीवन इनसे ही संभव है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि सूक्ष्म जीवों में से केवल 1 प्रतिशत के बारे में ही आज तक इंसान जान सका है। कई लोगों के लिए सूक्ष्म जीव नफरत व भय की भावनाएं पैदा करते हैं। दरअसल, यह डर उस चीज से है जिसके बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है और लोगों के मन से सूक्ष्म जीवों के बारे में इसी डर को दूर करना इस जीव-जंतु वाटिका का पहला मकसद है। हेग कहते हैं कि यदि हम प्रकृति को जानना चाहते हैं तो हमें सूक्ष्म जीवों को भी जानना होगा। वैज्ञानिकों के अनुसार इंसान इन सूक्ष्म जीवों से बेशक नफरत करता हो लेकिन हर इंसान का शरीर अरबों सूक्ष्म जीवों का घर होता है। केवल इंसानों की एड़ी में ही 80 प्रकार के अलग-अलग सूक्ष्म जीव पाए जाते हैं। इस बात की पुष्टि के लिए यहां आने वाला हर व्यक्ति अपने शरीर का बॉडी स्कैन करवा कर देख सकता है।

चाहें तो यहां एक अन्य दिलचस्प तरीका भी है। एक जगह फर्श पर लाल रंग का दिल बना है। जैसे ही यहां खड़े होकर कोई जोड़ा एक-दूसरे का चुम्बन लेता है, करीब लगे 'किस' मीटर की स्क्रीन पर नम्बर बढ़ते जाते हैं, जब तक कि मीटर में से संदेश न आने लगे कि 'आप दोनों ने अभी 10 लाख सूक्ष्म जीवों का आदान-प्रदान किया है।' माइक्रोपिया में दिखाया जाता है कि सूक्ष्म जीव कैसे जीते हैं, कैसे भोजन करते हैं और कैसे प्रजनन करते हैं? बैक्टीरिया इतने छोटे होते हैं कि एक सूई की नोक पर 10 लाख बैक्टीरिया आराम से समा सकते हैं। डच विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञानी इन धारणाओं पर 12 साल से अधिक वक्त से माथापच्ची कर रहे हैं।

यहां उन सूक्ष्म जीवों को प्रदर्शित किया गया है जो कृत्रिम वातावरण में भी जीवित रह सकते हैं। खतरनाक बीमारियां फैलाने वाले एड्स वायरस जैसे सूक्ष्म जीवों को केवल मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया गया है। सूक्ष्म जीवों को देखने के लिए यहां माइक्रोस्कोप के लैंस के साथ जोड़ा गया एक थ्री डी टैलीस्कोप है, जो नंगी आंखों से न दिखने वाले सूक्ष्म जीवों को हजार गुणा बड़ा करके दिखाता है।

इनका रखो ध्यान

- आउटडोर गेम्स के साथ इतनी सारी अच्छी बातें जुड़ी हैं, लेकिन फिर भी कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इन बातों का ख्याल रखने पर ही आउटडोर गेम्स खेल कर भी तुम पढ़ाई को और परिवार को पूरा टाइम दे सकते हो।
- सबसे पहले तो खेलने के लिए ऐसी जगह चुनो, जो घर के आसपास हो, यानी जहां से घर वाले तुम्हें आवाज देकर बुला सकें। अगर आसपास खेलने की जगह नहीं है तो अपने पड़ोस के दोस्तों के साथ करीब की किसी जगह पर खेलने जा सकते हो, लेकिन रोज नहीं। और इस जगह के बारे में घर वालों को पता भी होना चाहिए।
- ऐसे दोस्तों के साथ खेलना शुरू करो, जिन्हें तुम पहचानते हो या जो तुम्हारे ही जैसे हों। बाहर खेलने का यह मतलब नहीं है कि तुम इनडोर गेम्स को पूरी तरह गुडबाय कह दो, क्योंकि एक तो इनसे भी तुम्हें काफी कुछ सीखने को मिलता है, दूसरे आउटडोर गेम्स रोज नहीं खेले जा सकते।
- ज्यादातर ऐसे गेम्स के लिए टीम की जरूरत पडम्ती है और कभी-कभी दोस्तों का बाहर आकर खेलने का मन नहीं होता। अगर इन सारी बातों का ध्यान रखोगे तो तुम्हें आउटडोर गेम्स के बहाने एक नई दुनिया देखने को मिलेगी। नए दोस्त बनेंगे, फिजिकल फिटनेस रहेगी और कई सारी नई बातें भी सीख सकोगे। तो फिर देर किस बात की है, तुम अपने आसपास के दोस्तों के साथ मिल कर गेम प्लान करो और खेलने के लिए तैयार हो जाओ।

ओडिशा टी-20 लीग 2026

सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर बने रैना और देबाशीष मोहंती

कटक। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती को **'ओडिशा टी 20 लीग'** 2026 सीएम ट्रॉफी का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। यह टूर्नामेंट 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा। इन दो पूर्व भारतीय क्रिकेटरों की नियुक्ति से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ जाएगी। इस टूर्नामेंट का मकसद ओडिशा के युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपना हुनर दिखाने और कीमती अनुभव हासिल करने का मंच देना है। इस टूर्नामेंट में कुल छह टीमें भुवनेश्वर टाइगर्स, पुरी टाइटन्स, क्योंझर माइनर्स, राउरकेला सुपरस्टार्स, संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 20 सितंबर को होगी, जिसमें पहला मैच संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स के बीच खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में लीग-स्टेज और नॉकआउट मैच होंगे। प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम को बाराबती स्टेडियम में होने वाले फाइनल में सीधे जगह मिलेगी। इस स्टेडियम में पहले भी इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें क्वालीफायर में एक-दूसरे का सामना करेंगी और जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। 28 सितंबर को महिलाओं का एक एग्जीबिशन मैच भी खेला जाएगा, जो क्रिकेट फैंस के लिए एक और आकर्षण होगा। **'ओडिशा टी 20 लीग'** लीग 2026 सीएम ट्रॉफी का ग्रैंड फाइनल 29 सितंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दो बेहतरीन टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर सुरेश रैना ने कहा, 'छह टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेंगी, जिससे 10 दिनों तक रोमांचक और जबरदस्त क्रिकेट देखने को मिलेगा। यह खिलाड़ियों के लिए अपना हुनर दिखाने और प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को साबित करने का एक शानदार मंच होगा। अपनी तारीखें नोट कर लें और एक ब्लॉकबस्टर टूर्नामेंट के लिए तैयार हो जाएं। जय जगन्नाथ।'

देबाशीष मोहंती ने भी ऐसी ही भावनाएं जाहिर कीं और कहा, 'ओडिशा में क्रिकेट फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। **'ओडिशा टी 20 लीग'** सीएम ट्रॉफी 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेली जाएगी, जिसमें छह टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। यह टूर्नामेंट हमारे खिलाड़ियों को अपनी स्किल्स दिखाने और दबाव वाले माहौल में खेलने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म देगा। मैं इस टूर्नामेंट को आयोजित करने की कोशिशों के लिए ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन का शुक्रगुजार हूं। मुझे यकीन है कि यह लीग फैंस के लिए बहुत रोमांचक क्रिकेट और यादगार पल लेकर आएगी। मैं सभी से गुजारिश करता हूं कि वे तारीखें नोट कर लें और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए जरूर आएं। जय जगन्नाथ।'

ओसीए सेक्रेटरी संजय बेहरा ने भी पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के जुड़ने का स्वागत करते हुए कहा, **'ओडिशा टी 20 लीग'** सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती जैसे बेहतरीन भारतीय क्रिकेटरों का जुड़ना सम्मान की बात है। उनके जुड़ने से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ेगी और ओडिशा के युवा क्रिकेटरों को बड़े सपने देखने और इस प्लेटफॉर्म पर अपना टैलेंट दिखाने की प्रेरणा मिलेगी।'

● एशियन गेम्स 2026 से पहले भारत को झटका

● अन्नू रानी ने 2022 में जीता था स्वर्ण पदक

3 एथलीट भारतीय दल से बाहर

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट से पहले भारत को एक और झटका लगा है। हाल ही में जहां भारत के दो रेसलर डोपिंग के कारण बाहर हो गए थे। वहीं अब तीन स्टार एथलीट भारतीय दल से बाहर हो गए हैं। खास बात यह है कि इन तीन एथलीट में से एक नाम है भारत की स्टार महिला जैवलिन थ्रोअर अन्नू रानी का जिन्होंने 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

आपको बता दें पिछली बार की स्वर्ण पदक विजेता अन्नू रानी समेत उभरते हुए लॉन्ग जम्प एथलीट शहनवाज खान और रेसर नित्या गांधे को प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों के चलते भारत की एशियाई खेलों की एथलेटिक्स टीम से बाहर कर दिया गया है। इसके साथ ही जापान जाने वाली भारतीय ट्रैक एवं फील्ड टीम की संख्या घटकर 74 रह गई है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इससे पहले आगामी एशियाई खेलों के लिए 77 एथलीटों का चयन किया था। बृहस्तिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज फाइनल के बाद टीम में बदलाव किया गया। इस प्रतियोगिता को अंतिम पुष्टि के लिए चयन ट्रायल के तौर पर आयोजित किया गया था।

एएफआई चयन समिति के अध्यक्ष अदिल सुमरिवाला ने पीटीआई से कहा, 'अन्नू ने बृहस्पतिवार को हुए अंतिम ट्रायल में एएफआई द्वारा निर्धारित क्वालीफाइंग मार्क हासिल नहीं किया, इसलिए उन्हें एशियाई खेलों के लिए नहीं चुना गया।' उन्होंने कहा, 'नित्या और शहनवाज खराब प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों से एशियाई खेलों में नहीं जाएंगे।'

तीनों खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने का फैसला शुक्रवार को एएफआई चयन समिति की ऑनलाइन बैठक में लिया गया। अब भारतीय एथलेटिक्स टीम के 74 सदस्य शनिवार को नयी दिल्ली से जापान के लिए रवाना होंगे।

सार-समाचार

अमेजन वॉरियर्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हराया

गुयाना। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 33वां मुकाबला प्रोविडेंस स्टेडियम में त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच खेला गया। अमेजन वॉरियर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखा और त्रिनबागो को 6 विकेट से हरा दिया। अमेजन के लिए शे होप ने नाबाद 42 रन बनाए। अमेजन वॉरियर्स ने जीत के लिए मिले 127 रन के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अमेजन के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज शे होप ने 35

गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी खेली। होप ने जस्टिन ग्रीव्स को चौका और छक्का लगाते हुए मैच खत्म किया। होप ने अपनी पारी में 2 छक्का और 1 चौका लगाया। इसके अलावा, शिमरोन हिटमायर ने 28, मानवेंद्र दिनदयाल ने 19, क्विंटन सैंपसन ने 12 और ग्लेन फिलिप्स ने 11 रन बनाए।

त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी की और 4 ओवर में 1 मेडन फेंकते हुए मात्र 13 रन देकर 1 विकेट लिए। उस्मान तारिक ने 4 ओवर में 19 रन देकर 1 और लाहिरु कुमारा ने 4 ओवर में 30 रन देकर 1 विकेट लिए। अकील हुसैन ने भी 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट लिया। सुनील नरेन और उस्मान तारिक की किफायती गेंदबाजी भी त्रिनबागो को हार से नहीं बचा सकी। टीम को स्कोर बोर्ड पर कम रन होने का खामियाजा भुगतना पड़ा।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 8 विकेट पर 126 रन बनाए थे। जस्टिन ग्रीव्स ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 16 गेंदों पर 26, और एलेक्स हेल्स ने 26 गेंदों पर 22 रन बनाए। अकील हुसैन ने 12 और किरोन पोलार्ड ने 10 रन बनाए। गुयाना अमेजन वॉरियर्स की तरफ से मेहदी हसन मिराज ने 4 विकेट लिए। शमार जोसेफ ने 2, जबकि ड्वेन प्रिटोरियस और कप्तान इमरान ताहिर ने 1–1 विकेट लिए।

भारत-श्रीलंका 7वीं बार आज खेलेंगे फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और श्रीलंका के बीच 13 सितंबर यानी रविवार को खेला जाएगा। महिला एशिया कप के इतिहास में ये 7वां मौका होगा जब खिताबी जीत के लिए भारत और श्रीलंका की टीम आमने-सामने होंगे। इससे पहले भारत और श्रीलंका के बीच 6 बार फाइनल मुकाबले खेले जा चुके हैं जिसमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने इस बार बांग्लादेश और श्रीलंका ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

7वीं बार खेलेंगे फाइनल

भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप में 7वीं बार फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 6 फाइनल खेले जा चुके हैं जिसमें से भारत को 5 बार जीत मिली जबकि श्रीलंका ने एक बार भारत के खिलाफ जीत हासिल की थी। भारत और श्रीलंका के बीच 2004, 2005–06, 2006, 2008, 2022 और 2024 फाइनल में भिड़ंत हुई थी जिसमें से भारत ने 2004, 2005–06, 2006, 2008, 2022 के फाइनल में श्रीलंका को हराया था। वहीं श्रीलंका की टीम ने साल 2024 के फाइनल में भारत को हराया था। अब दोनों देश 2026 में एक बार फिर से फाइनल में खेलते हुए नजर आएंगे। इस बार महिला एशिया कप का 10वां सीजन खेला जा रहा है। महिला एशिया कप की शुरुआत 2004 में हुई थी और पिछले 9 सीजन में भारत 7 बार चैंपियन बन चुका है। भारत ने साल 2004, 2005–06, 2006, 2008, 2012, 2016, 2022 में चैंपियन बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी।

पाकिस्तान को हराकर श्रीलंका ने कटाया फाइनल का टिकट

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने फाइनल में जगह बना ली है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका की बल्लेबाजों ने पाकिस्तान से मिले 131 रनों के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल किया। 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान चमारी अटापट्टू 5 रन बनाकर फातिमा सना का शिकार बनीं। संजना कविंदी बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। हसीना परेरा सिर्फ 3 रन ही बना सकीं। इमेशा दुलानी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाईं और 21 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 36 रनों की अहम पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 2 चौके लगाए। कविशा दिलहारी ने 33 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में नीलाक्षी डी सिल्वा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 10 गेंदों में 3 चौकों की मदद से नाबाद 18 रन बनाए, जबकि कौशानी नुथ्यंगना 4 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। 19वें ओवर की चौथी गेंद पर नीलाक्षी ने फातिमा सना की गेंद पर चौका लगाते हुए श्रीलंका को फाइनल का टिकट दिलाया। इससे पहले, टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

यूएस ओपनः करेन खाचानोव को दी मात

अलेक्जेंडर ज्वेरेव फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 एकल के फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में करेन खाचानोव को 6-3, 7-6(7), 7-6(6) से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। मैच की शुरुआत में ज्वेरेव नियंत्रण में दिख रहे थे। उनकी सर्व ने उन्हें एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म दिया, जबकि उनके बेसलाइन गेम ने खाचानोव को बार-बार असहज स्थिति में डाला।

रूसी खिलाड़ी के 3-3 से बराबर होने के बाद, ज्वेरेव ने अहम मौके पर अपनी तेजी बढ़ाई ताकि उन्हें जरूरी एकमात्र ब्रेक मिल सके और पहला सेट जीत सकें। खाचानोव ने दूसरे सेट में जोरदार जवाब दिया। ज्वेरेव शुरू में 2-0 से आगे हो गए, लेकिन रूसी खिलाड़ी को दोनों विंग से ज्यादा आक्रामकता मिली और उन्होंने सेट पलट दिया। वह 5-4 से आगे हो गए और ज्वेरेव पर दबाव डाला, इससे पहले कि जर्मन खिलाड़ी ने मजबूती से टिककर टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

टाई-ब्रेक हिम्मत का टेस्ट बन गया। ज्वेरेव ने दो सेट पॉइंट गंवाए लेकिन अपने तीसरे मौके का फायदा उठाकर फाइनल से एक सेट के अंदर पहुंच गए। खाचानोव ने मैच का अपना सबसे अच्छा टेनिस खेला था, फिर भी ज्वेरेव ने दबाव वाले क्षणों में भी धैर्य से खेल बढ़ाया। तीसरा सेट भी छोटे-छोटे अंतरों की लड़ाई थी। ज्वेरेव पहले 5-4 और बाद में 6-5 से आगे थे। लेकिन खाचानोव ने दोनों बार गेम बनाए रखा और एक और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

'मैं ज्यादा कुछ नहीं कर सकती', वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर एक का ताज छीनने के बाद बोलीं सबालेंका

न्यूयॉर्क। एलेना रिबाकिना विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने बेलारूस की आर्यना सबालेंका की बादशाहत को खत्म करते हुए नंबर एक की कुर्सी हासिल की। सबालेंका ने नंबर एक की पोजीशन गंवाने के बाद कहा कि वह इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकती हैं। एलेना रिबाकिना और आर्यना सबालेंका रविवार को यूएस ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगी। दोनों के बीच यह मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला जाएगा। सबालेंका ने कहा कि दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बनना बिल्कुल आसान नहीं है। उन्होंने माना कि सीजन के बीच में उनका प्रदर्शन थोड़ा गिर गया था, लेकिन नंबर एक की पोजीशन को गंवाना उन्होंने थोड़ा अजीब बताया। सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि वर्ल्ड नंबर 1 तक पहुंचना कितना मुश्किल है।

कॉनर एस्टरहुइजेन ने खेली शतकीय पारी

साउथ अफ्रीका ने दूसरे वनडे में नामीबिया को 157 रनों से रौंदा

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने नामीबिया को दूसरे वनडे मुकाबले में 157 रनों से रौंदा। साउथ अफ्रीका से मिले 336 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की पूरी टीम 178 रन बनाकर ऑलआउट हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन और मालन क्रूगर बिना खाता

खोले पवेलियन लौटे। वहीं, जेन फ्रीलिंक भी बिना कोई रन बनाए आउट हुए। लॉरेन स्टीनकैंप भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जैन निकोल लॉफ्टी–ईटन भी महज 6 रन बनाकर आउट हुए। नामीबिया की टीम महज 32 के स्कोर पर 5 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही थी। हालांकि, जेन ग्रीन ने कप्तान गेरहार्ड इरास्मस का साथ देने का प्रयास किया और छठे विकेट के लिए 27 रन जोड़े। ग्रीन 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जैन बाल्ट ने सातवें विकेट के लिए इरास्मस संग मिलकर 71 रनों की साझेदारी निभाई। बाल्ट 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

इरास्मस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 84 गेंदों में 68 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 6 चौके और एक छक्का लगाया। रुबेन ट्रम्पेलमैन ने 27 गेंदों में 30 रन बनाए, जबकि वाल्डो स्मिथ ने 10 रनों का योगदान दिया। साउथ अफ्रीका की ओर से डुआन जानसेन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, ईथन बॉश ने 3 विकेट अपने नाम किए।

इससे पहले, साउथ अफ्रीका की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और जॉर्डन हरमन 24 गेंदों में 20 रन बनाने के बाद आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कॉनर एस्टरहुइजेन और टोनी डी जोर्जी ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 168 गेंदों में 183 रन जोड़े। टोनी जोर्जी ने 87 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 79 रन बनाए।

'द रिवोल्यूशनरीज' उन युवा क्रांतिकारियों की कहानी है जिनके बारे में कम चर्चा हुई

वेब सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' आजादी की लड़ाई के उन युवा क्रांतिकारियों की कहानी है, जिनके बारे में कम चर्चा हुई। यह सीरीज संजीव सान्याल की किताब 'रेवोल्यूशनरीज: द अदर स्टोरी ऑफ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रीडम' पर आधारित है। बातचीत में डायरेक्टर निखिल आडवाणी ने बताया कि 'फ्रीडम एट मिडनाइट' के बाद उन्हें लगा कि ऐसी कहानियों में यूथ का नजरिया मिसिंग था। उन्होंने प्रतिभा रांटा की तारीफ करते हुए कहा कि अगर वह शो के लिए मना कर देतीं तो उनका दिल टूट जाता। निखिल ने मनोज बाजपेयी का किस्सा भी सुनाया, जिन्होंने 25 साल बाद साथ काम करने पर पूछा था- 'अब आए हो?'

'द रिवोल्यूशनरीज' में ऐसा क्या था, जो आपको पहले की कहानियों में मिसिंग लगा?

मुझे लगा कि यूथ मिसिंग था। हमने भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, ऊधम सिंह और जलियांवाला बाग के बारे में बहुत पढ़ा है। लेकिन इनसे करीब 10 साल पहले भी एक समानांतर कहानी चल रही थी। रिसर्च करते हुए मुझे लगा कि इन युवाओं की कहानी भी बतानी चाहिए। उस समय के क्रांतिकारियों में एक अलग तरह का जुनून था। उन्होंने तय कर लिया था कि अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालना है। कैसे करेंगे, यह बाद की बात थी। यही जुनून मुझे इस कहानी में सबसे ज्यादा आकर्षित करता है।

प्रतिभा रांटा में आपको वह प्रतिभा कब नजर आई, जो इस किरदार के लिए जरूरी थी?

मेरे लिए किसी एक्टर के पास जाना सिर्फ कास्टिंग नहीं है। मैं किसी कलाकार के पास तब तक नहीं जाना चाहता, जब तक मेरे पास उसके लिए ऐसा कुछ न हो, जिसमें वह पूरी तरह डूब सके। प्रतिभा के मामले में भी ऐसा ही था। मुझे पता था कि वह बहुत अच्छी एक्टर हैं, लेकिन यह समझना भी जरूरी था कि वह किरदार को किस तरह अपने अंदर उतारेंगी। हमने कई सीन्स पर महीनों चर्चा की। एक-एक लाइन पर बात की कि इसका मतलब क्या है और इसे किस तरह करना है। अगर प्रतिभा ने इस शो के लिए मना कर दिया होता, तो मैं सच में मेरा दिल टूट हो जाता। क्योंकि उन्होंने इस किरदार के लिए जो दिया है, वह बहुत खास है। मैं हमेशा मानता हूं कि एक एक्टर के अंदर यह चुनौती होनी चाहिए कि क्या मैं इस सीन को और बेहतर कर सकता हूं? क्या मैं इसे पेपर पर लिखे हुए सीन से आगे ले जा सकता हूं? अगर यह चुनौती नहीं है तो काम बोरिंग हो जाता है।

आपने कहा कि आप किसी कलाकार को सिर्फ इसलिए नहीं लेते कि वह बड़ा नाम है। मनोज बाजपेयी का 25 साल वाला किस्सा क्या है?

मनोज बाजपेयी मुझसे करीब 25 साल से कहते रहे थे कि मेरे साथ काम करना है। जब मैं आखिरकार उनके पास 'सत्यमेव जयते' लेकर गया तो उन्होंने मुझसे कहा- 'अब आए हो?'

मैं किसी बिजी स्टार के पीछे भागने में विश्वास नहीं करता। मेरे लिए जरूरी है कि मेरे पास उस कलाकार के लिए सही किरदार हो। मैं किसी एक्टर के पास सिर्फ इसलिए नहीं जाता कि वह बड़ा नाम है। मुझे ऐसा किरदार लेकर जाना होता है, जिसमें वह अपने दांत गड़ा सके और पूरी तरह डूब सके।

क्या 'द रिवोल्यूशनरीज' जैसी कहानी पर फिल्म भी बनाई जा सकती है?

बिल्कुल बनाई जा सकती है। लेकिन मुझे सीरीज का फॉर्मेट पसंद है, क्योंकि इसमें किरदारों को ज्यादा गहराई से एक्सप्लोर करने का मौका मिलता है। इसमें रोमांस है, एक्शन है और कई किरदारों की अपनी अलग परतें हैं। अगर यह फिल्म होती तो भी मैं इन्हीं कलाकारों के साथ काम करता। मैंने रोहित, प्रतिभा और बाकी कलाकारों को इसलिए चुना क्योंकि वे मेरे दिमाग में मौजूद किरदारों के लिए बिल्कुल सही थे। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि फॉर्मेट ओटीटी है या फिल्म। सही कलाकार और सही किरदार सबसे ज्यादा जरूरी हैं।

सोहेल खान के डायरेक्टोरियल डेब्यू का हिस्सा बने सलमान

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान जल्द ही बतौर हीरो बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। सलमान खान अपने भतीजे की इस फिल्म में कैमियो करते नजर आएंगे। जाहिर है, फिल्म में सलमान की मौजूदगी से अरहान के डेब्यू को बड़ा सपोर्ट मिल सकता है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने अपने परिवार के किसी सदस्य के करियर को सपोर्ट करने के लिए फिल्मों में काम किया हो। सोहेल खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म हो या उनका डायरेक्शन में कमबैक, सलमान ने दोनों मौकों पर भाई का साथ दिया और उनकी फिल्मों में लीड रोल कर कमान संभाली। वहीं, जब अरबाज खान की बतौर लीड एक्टर फिल्में लगातार फ्लॉप हो रही थीं, तब सलमान ने उन्हें अपनी फिल्मों में काम दिया और बाद में प्रोडक्शन और डायरेक्शन की दूसरी पारी में भी उनका साथ दिया। इतना ही नहीं, सलमान ने अपनी बहन अर्पिता खान शर्मा के पति आयुष शर्मा और बहन अलविरा अग्निहोत्री की बेटी अलिजेह अग्निहोत्री को भी अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए लॉन्च किया।

सोहेल खान ने साल 1997 में फिल्म 'औजार' से बतौर डायरेक्टर करियर की शुरुआत की थी। फिल्म में सलमान खान ने लीड रोल निभाया था। करीब 5 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 10 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी। इसके बाद सोहेल खान ने साल 1998 में 'प्यार किया तो डरना क्या' डायरेक्ट की। इस फिल्म में भी सलमान खान लीड रोल में नजर आए। सोहेल ने फिल्म की कहानी लिखने के साथ-साथ इसे प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही।

सलमान की फिल्मों में सोहेल बने प्रोड्यूसर

सोहेल खान ने डायरेक्शन से ब्रेक के दौरान बतौर प्रोड्यूसर भी काम किया। वह सलमान खान की कई फिल्मों से प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े रहे। इनमें 'लकी: नो टाइम फॉर लव', 'मैंने प्यार क्यों किया?', 'पार्टनर', 'गॉड तुस्सी ग्रेट हो', 'मैं और मिसेज खन्ना' और 'रेडी' जैसी फिल्में शामिल हैं। इस तरह सलमान की फिल्मों के जरिए सोहेल का प्रोडक्शन करियर भी लगातार चलता रहा।

ईशा रिखी ने बताई बिग बॉस 20 में आने की वजह

मशहूर रैपर बादशाह से अलग होने के बाद अभिनेत्री ईशा रिखी की जिंदगी में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। निजी जिंदगी को हमेशा लोगों की नजरों से दूर रखने वाली ईशा अब 'बिग बॉस 20' के घर में अपने बारे में खुलकर बात कर रही हैं। अब वह अपने अतीत को बार-बार याद करने के बजाय खुद पर ध्यान देना चाहती हैं। यही वजह है कि उन्होंने उस शो का हिस्सा बनने का फैसला किया। बातचीत में ईशा ने कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं 'बिग बॉस' का हिस्सा बनूंगी। मैं काफी निजी स्वभाव की रही हूं और मुझे लगा करता था कि शो का माहौल और तरीका मेरी जिंदगी से बिल्कुल अलग है। जब मुझे शो का ऑफर मिला तो मैंने तुरंत हां नहीं की। मैंने काफी सोचा और अपनी उन झिझक पर भी विचार किया, जिसकी वजह से मैं इस शो से दूर रहना चाहती थीं। आखिरकार मैंने तय किया कि अब डर और हिचक को पीछे छोड़ने का समय है और फिर शो में जाने का फैसला किया।'' ईशा रिखी ने कहा, ''जिंदगी में कुछ बड़ा झेलने के बाद ही कई बार इंसान को अपनी असली ताकत का पता चलता है। मुझे भी अब लगता है कि मैं इस शो में खुद को संभाल सकती हूं और यहां टिक सकती हूं। मैंने जितना समय फिल्मी दुनिया में बिताया है, उसे देखते हुए मुझे हमेशा लगता था कि मैं 'बिग बॉस' जैसे शो के लिए सही नहीं हूं लेकिन धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि अगर इंसान के भीतर आत्मविश्वास है तो जगह मायने नहीं रखती। मैं कहीं भी जाऊं, अपनी पहचान बना सकती हूं।''

ईशा ने आगे कहा, ''यह शो मेरे लिए खुद को लोगों के सामने अपने तरीके से रखने का मौका है। ऑफर मिलने के बाद मेरे मन में यह भी था कि शो के जरिए दर्शकों को पता चल सकेगा कि मैं असल जिंदगी में कैसी हूं और मेरा स्वभाव कैसा है। एक कलाकार के लिए अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना आसान नहीं होता। लोगों की राय, चर्चाएं और तरह-तरह की बातें कई बार काम पर भी असर डालती हैं। मैंने हमेशा अपने दिल की सुनी है और कभी

किसी दौड़ का हिस्सा बनने की कोशिश नहीं की।'' निजी जिंदगी से जुड़े सवालों पर भी ईशा ने कहा, ''आगे जो भी स्थिति आएगी, मैं उसे उसी समय संभालूंगी। मैं अब ऐसी बातों पर अपनी ज्यादा एनर्जी नहीं लगाना चाहतीं, जिनके बारे में मैं खुद बात नहीं करना चाहतीं। मैं हर किसी को सफाई नहीं दूंगी। जो बातें मैं साझा नहीं करना चाहती, उन्हें अपने तक ही रखूंगी।'' शो के अंदर होने वाले झगड़ों को लेकर भी ईशा ने कहा, ''घर में लड़ाई-झगड़े होना कोई नई बात नहीं है। असल जिंदगी में भी परिवार और दोस्तों के बीच मतभेद होते हैं, लेकिन 'बिग बॉस' के घर में यह सब किस स्तर तक जाएगा, इसका अंदाजा मुझे अभी नहीं है।'' 'बिग बॉस 20' में ईशा की एंट्री ऐसे समय हुई है, जब उनकी निजी जिंदगी पहले से ही चर्चा में है। बादशाह और ईशा ने हाल ही में आपसी सहमति से अलग होने की जानकारी साझा की थी।

आम्रपाली दुबे ने बताया अपना स्टारडम का राज

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे इन दिनों 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। शो में आने के बाद उनके करियर और अब तक के सफर को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। आम्रपाली उन कलाकारों में से हैं, जिन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। हालांकि, आम्रपाली का कहना है कि उनका स्टारडम सिर्फ उनकी लोकप्रियता की वजह से नहीं आया, बल्कि उनकी एक्टिंग ने उन्हें वह सम्मान दिलाया, जो एक अभिनेत्री के तौर पर उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि भोजपुरी और क्षेत्रीय सिनेमा में फीमेल एक्टर्स को अक्सर ऐसे किरदारों तक सीमित कर दिया जाता है, जिनमें उनके पास परफॉर्म करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं होता। आईएएनएस ने जब आम्रपाली से पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि भोजपुरी इंडस्ट्री ने उन्हें एक एक्ट्रेस के तौर पर पर्याप्त सम्मान दिया या फिर उनकी स्टार पावर को ज्यादा महत्व मिला। इस पर उन्होंने कहा, ''मुझे अपनी एक्टिंग स्किल्स की वजह से बहुत ज्यादा सम्मान मिला। महिला कलाकारों को उनकी एक्टिंग के लिए इतना सम्मान मिलना क्षेत्रीय सिनेमा में आम बात नहीं है, क्योंकि अक्सर फीमेल एक्टर्स को सीमित और सिर्फ सजावटी तरह के किरदारों में देखा जाता है।''

आम्रपाली ने कहा, ''एक महिला कलाकार के लिए रीजनल सिनेमा में कई बार ऐसे रोल की सीमा तय कर दी जाती है, जिनमें वह सिर्फ फिल्म की खूबसूरती बढ़ाने तक रह जाती है। लेकिन मैं खुद को इस मामले में काफी लकी मानती हूं। मुझे लगातार ऐसे फिल्मों और प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने का मौका मिला, जिनकी कहानियां और कॉन्सेप्ट अलग थे। इन फिल्मों में मेरे किरदार भी एक जैसे नहीं थे और हर बार मुझे कुछ नया करने का मौका मिला।''

अपने करियर में निभाए गए किरदारों का जिक्र करते हुए आम्रपाली ने कहा, ''मैंने एक पाकिस्तानी लड़की का रोल भी किया है। मैं पर्दे पर एक हैदराबादी लड़की का किरदार भी निभा चुकी हूं। भोजपुरी इंडस्ट्री में मुझे कई अलग-अलग तरह के रोल करने का मौका मिला और दर्शकों ने भी मेरे हर अंदाज को पसंद किया। पहले लोगों ने मेरे किरदारों और एक्टिंग को पसंद किया और उसके बाद ही मुझे स्टार का खिताब मिला।'' 'बिग बॉस 20' में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स शामिल हैं।

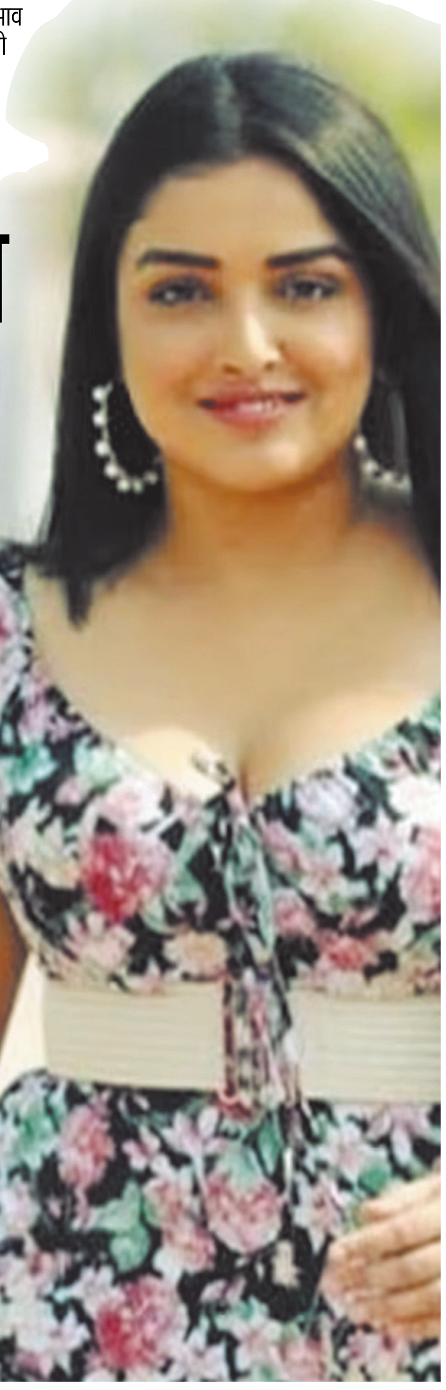

दानिश पंडोर के हाथ लगी बड़ी फिल्म

आमिर के साथ निभाएंगे अहम किरदार

अभिनेता दानिश पंडोर को फिल्म 'धुरंधर' में उनके किरदार उजैर बलोच के लिए काफी पसंद किया गया था। अब एक्टर जल्द आमिर खान की फिल्म 'ललकारा' में अभिनय करते दिखेंगे। जानें एक्टर की अगली फिल्म के बारे में... दानिश पंडोर ने रणवीर सिंह अभिनीत स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' से अपनी असल पहचान बनाई थी।

बातचीत में उन्होंने बताया कि वह जल्द आमिर खान के साथ उनकी फिल्म 'ललकारा' में दिखाई देंगे। हालांकि पंडोर को कई बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिले। मगर उन्होंने आमिर की फिल्म साइन कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में वह आमिर खान के दोस्त का किरदार निभाएंगे।

फिल्म के लिए चल रही ट्रेनिंग

फिल्म 'ललकारा' के लिए आमिर खान, सिद्धांत गुप्ता, दानिश पंडोर तीनों ही क्रिकेट का प्रशिक्षण ले रहे हैं। अपने-अपने किरदारों के लिए एक्टर्स अपनी फिजीक में काफी बदलाव कर रहे हैं। फिल्म में आमिर खान स्वतंत्र भारत के पहले क्रिकेट कप्तान, क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी अब तक नहीं मिली है।

फिल्म 'ललकारा' भारत के पहले क्रिकेट कप्तान लाला अमरनाथ के जीवन पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन आशुतोष गोवारिकर कर रहे हैं। फिल्म को पियूष गुप्ता और नीरज सिंह ने मिलकर लिखा है। फिल्म का निर्माण फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी की एक्सेल एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म के बैनर तले हो रहा है। फिल्म की शूटिंग नवंबर 2026 से शुरू हो सकती है।

कौन हैं दानिश पंडोर

दानिश पंडोर ने साल 2025 में फिल्म 'धुरंधर' और 2026 में 'धुरंधर 2' में अभिनय किया था। इस फिल्म में उन्होंने उजैर बलोच का किरदार निभाया, इस किरदार में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। पिछले दिनों वह इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में भी नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने अफजल का किरदार निभाया था। फिल्मों में आने से पहले दानिश ने कई हिंदी टीवी सीरियल किए थे, जिनके जरिए उन्हें अच्छी-खासी पहचान मिली।

देश-दर्पण

मझगांव में गणपति आगमन यात्रा पर अंडे फेंकने से विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गणेश उत्सव के दौरान पुणे में 10 दिनों तक शराबबंदी के फैसले को लेकर प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने सवाल किया कि शराबबंदी के लिए केवल पुणे को ही क्यों चुना गया। मुख्य न्यायाधीश एम. सी. त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि शराब के आदी व्यक्ति को यदि लगातार 10 दिनों तक शराब नहीं मिलेगी तो अस्पतालों में भीड़ बढ़ सकती है। अदालत ने ऐसी प्रथा की निंदा करते हुए इसे पुणे के निवासियों के लिए कलंक बताया। हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद पुणे प्रशासन ने गणेशोत्सव के दौरान प्रस्तावित 10 दिन की शराबबंदी को घटाकर दो दिन कर दिया। प्रशासन के इस बदलाव को अदालत की फटकार के बाद उठाया गया कदम माना जा रहा है। इसी बीच मुंबई के मझगांव इलाके में 14 सितंबर को गणपति प्रतिमा की आगमन यात्रा के दौरान दो पक्षों के बीच झड़प की घटना सामने आई। गणपति मंडल के उपसचिव विवेक राणे ने बताया कि जब मंडल की ओर से गणपति की आगमन यात्रा निकाली जा रही थी, तभी पंडाल से करीब 30 से 40 मीटर दूर स्थित एक इमारत से यात्रा पर अंडे फेंके गए। विवेक राणे ने इस घटना को आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि गणपति आगमन यात्रा के दौरान इस तरह की हरकत से श्रद्धालुओं में नाराजगी पैदा हुई। घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद और झड़प की स्थिति बनी। गणेश उत्सव के बीच पुणे में शराबबंदी को लेकर हाईकोर्ट की सख्ती और मुंबई के मझगांव में गणपति आगमन यात्रा पर अंडे फेंकने की घटना ने प्रशासन की व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर चर्चा तेज कर दी है।

जेल में प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल में अश्लील वीडियो मिलने का दावा, कैदियों की पार्टी का वीडियो भी वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बेंगलुरु। परप्पना अग्रहारा केंद्रीय जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फोरेंसिक जांच में कई अश्लील वीडियो मिलने की बात सामने आई है। शनिवार को हुई जांच के दौरान मोबाइल फोन और पेन ड्राइव से जुड़ी सामग्री की जानकारी सामने आने का दावा किया गया। जांच एजेंसियां जब्त किए गए उपकरणों से मिली सामग्री की जांच कर रही हैं। अपराध शाखा ने 11 अगस्त को परप्पना अग्रहारा केंद्रीय जेल में छापा मारा था। इस दौरान प्रज्वल रेवन्ना को जेल की कोठरी में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था। अधिकारियों ने कार्रवाई के दौरान मोबाइल फोन, चार्जर, पेन ड्राइव और नोटबुक जब्त की थी। पेन ड्राइव में वेब सीरीज मिलने की बात भी सामने आई है। प्रज्वल रेवन्ना जनता दल (एस) के विधायक एचडी रेवन्ना के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। वह नौकरानी से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। जेल नियमों के अनुसार कैदी के पास मोबाइल फोन, पेन ड्राइव या नशीली सामग्री मिलने पर उसकी जेल सुविधाओं में कटौती की जा सकती है। गंभीर उल्लंघन की स्थिति में उसे अलग कोठरी में रखा जा सकता है और उसके खिलाफ नया मामला भी दर्ज हो सकता है। इसी बीच परप्पना अग्रहारा केंद्रीय जेल का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ कैदी गाना गाते, नाचते और पार्टी करते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, अभी इस 55 मिनट के वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वीडियो की शुरुआत में खिड़की पर शराब की चार बोतलें रखी दिखाई देती हैं। प्रज्वल के खिलाफ मामला अप्रैल 2024 में सामने आया था। हासन स्थित उनके परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 वर्षीय महिला ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोप लगाया था कि प्रज्वल ने 2021 से उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। महिला ने आरोप लगाया था कि घटना के बारे में किसी को बताने पर वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी दी गई थी। मामले की जांच के दौरान कथित यौन शोषण से जुड़े वीडियो सामने आने के बाद प्रज्वल देशभर में चर्चा में आ गए थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में हासन से उम्मीदवार रहे प्रज्वल आरोप सामने आने के बाद विदेश चले गए थे और 31 मई 2024 को जर्मनी से लौटने पर बेंगलुरु हवाईअड्डे से गिरफ्तार किए गए थे।

डोडा में लश्कर के पाकिस्तानी आतंकी का शव बरामद, नाइट विजन वाली एम4 राइफल मिली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा में सुरक्षाबलों ने शनिवार को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक पाकिस्तानी आतंकी के अवशेष बरामद किए। तलाशी अभियान के दौरान आतंकी के पास से नाइट विजन क्षमता वाली एम4 राइफल भी मिली। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, विशेष अभियान समूह (एसओजी) डोडा, राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त टीम ने सर्च अभियान के दौरान आतंकी के अवशेष बरामद किए। पुलिस ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स के जरिए इसकी जानकारी दी। रक्षाबलों को तलाशी अभियान के दौरान आतंकी से जुड़ी सामग्री भी मिली। बरामद एम4 राइफल को लेकर सुरक्षा एजेंसियां इसे आतंकियों के पास पहुंचने वाले विदेशी हथियारों की कड़ी से जोड़कर देख रही हैं। एम4 असॉल्ट राइफल का इस्तेमाल 1980 के दशक से अफगानिस्तान युद्ध के दौरान नाटो और अमेरिकी सेनाओं द्वारा किया गया था। यह हल्की, गैस-संचालित राइफल है, जिसका इस्तेमाल युद्ध और शहरी संघर्ष जैसी परिस्थितियों में किया जाता है। अफगानिस्तान से अमेरिकी और नाटो बलों की वापसी के बाद बड़ी संख्या में ऐसे हथियार तालिबान के कब्जे में आने की बात सामने आई थी। बाद में कुछ हथियार पाकिस्तानी आतंकियों तक पहुंचे और कश्मीर में घुसपैठ के दौरान इनके इस्तेमाल की जानकारी सामने आती रही है। एम4 राइफल का बरामद होना सुरक्षाबलों के लिए आतंकियों के हथियारों के नेटवर्क से जुड़ा अहम सुराग माना जा रहा है। इसी बीच जम्मू-कश्मीर के बडगाम में शनिवार को मारे गए एक आतंकी की पहचान भी हो गई। पुलिस के अनुसार, मारे गए आतंकी का नाम यासिर उर्फ अबु तल्हा है। वह पाकिस्तान का रहने वाला था और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा बताया गया है। सुरक्षाबलों की कार्रवाई के बाद उसकी पहचान की पुष्टि की गई। डोडा और बडगाम में हुई इन कार्रवाइयों के बाद सुरक्षा एजेंसियां इलाके में आतंकियों की मौजूदगी और उनके हथियारों के स्रोत को लेकर जांच आगे बढ़ा रही हैं।

हवा में खराब हुआ अलायंस एयर का इंजन

दूसरे इंजन से दिल्ली में कराई इमरजेंसी लैंडिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अलायंस एयर की एक उड़ान का इंजन हवा में तकनीकी खराबी के कारण बंद हो गया। इसके बाद विमान की दूसरे इंजन की मदद से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। घटना की सूचना मिलते ही हवाईअड्डे पर आपातकाल घोषित कर दिया गया और विमान की सुरक्षित लैंडिंग के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए। बताया गया कि विमान में चालक दल के सदस्यों समेत कुल 40 लोग सवार थे। विमान की सुरक्षित लैंडिंग होने तक सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित रहे। हवाईअड्डा प्रशासन ने टर्मिनल-1 के रनवे-4 पर करीब 30 मिनट तक अन्य विमानों की आवाजाही रोककर रनवे

को पूरी तरह खाली रखा। दोपहर करीब 2:15 बजे विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। तकनीकी खराबी की जानकारी मिलने के बाद हवाईअड्डे पर दमकल, बचाव दल और अन्य आपातकालीन सेवाओं को तैयार रखा गया था। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली। विमान में आई तकनीकी खराबी के कारणों की जांच अब संबंधित एजेंसियां कर रही हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने भी मामले की जांच के आदेश दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, तकनीकी खराबी का सामना करने वाला विमान शुक्रवार सुबह बिलासपुर से प्रयागराज के लिए रवाना हुआ था। विमान सुबह करीब 10:45 बजे बिलासपुर से उड़ा और लगभग 11:58 बजे प्रयागराज हवाईअड्डे पर पहुंचा। कुछ देर रुकने के बाद विमान ने दोपहर 12:33 बजे प्रयागराज से दिल्ली के लिए उड़ान भरी। इसी दौरान उसके एक इंजन में तकनीकी खराबी सामने आई। अलायंस एयर के विमान से जुड़ी करीब दो सप्ताह में यह दूसरी गंभीर तकनीकी घटना है। इससे पहले 28 अगस्त को दिल्ली से बिलासपुर पहुंची अलायंस एयर की उड़ान के लैंडिंग के दौरान विमान का बायां टायर फट गया था। टायर फटने के बाद रनवे पर चिंगारी निकली और घर्षण हुआ, लेकिन पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए विमान को सुरक्षित रोक लिया था। उस विमान में 37 यात्री और चार चालक दल के सदस्य सवार थे और सभी सुरक्षित रहे। इसी बीच लखनऊ से सऊदी अरब के दम्माम जा रही इंडिगो की उड़ान में गुरुवार को बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। उड़ान के दौरान चालक दल के एक सदस्य को विमान के शौचालय में एक कागज मिला, जिस पर अंग्रेजी में 'बम' लिखा था। इसके बाद विमान की अहमदाबाद हवाईअड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई और सुरक्षा एजेंसियों ने विमान की जांच शुरू की।

पांच राज्यों में आपराधिक मामलों वाले 1,405 उम्मीदवारों को टिकट, 176 के चयन का कारण पार्टियों ने नहीं बताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में पांच राज्यों के चुनावों में आपराधिक मामलों वाले बड़ी संख्या में उम्मीदवारों को टिकट दिए जाने का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में 51 राजनीतिक दलों के 3,539 उम्मीदवारों के रिकॉर्ड का विश्लेषण किया गया। इनमें 1,405 उम्मीदवारों ने अपने चुनावी हलफनामे में आपराधिक मामले घोषित किए थे। एडीआर के अनुसार, इनमें से 1,229 उम्मीदवारों के लिए राजनीतिक दलों ने सी-7 प्रपत्र में उनके चयन का कारण बताया, जबकि 176 उम्मीदवारों के मामले में यह जानकारी उपलब्ध नहीं थी। सी-7 प्रपत्र के जरिए राजनीतिक दलों को आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों को टिकट देने का कारण सार्वजनिक करना होता है। तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 72 उम्मीदवारों के सी-7 खुलासे उपलब्ध नहीं मिले। एडीआर ने राज्य के 1,162 उम्मीदवारों के रिकॉर्ड की जांच की, जिनमें 473 ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 55, केरल में 27, पुडुचेरी में 12 और असम में 10 उम्मीदवारों के चयन संबंधी जानकारी उपलब्ध नहीं थी। पुडुचेरी में 112 उम्मीदवारों में से 39 यानी करीब 35 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें केवल 12 उम्मीदवारों के लिए टिकट देने का कारण उपलब्ध था। एडीआर ने केवल जानकारी नहीं मिलने पर ही सवाल नहीं उठाया, बल्कि राजनीतिक दलों द्वारा दिए गए कारणों की गुणवत्ता पर भी चिंता जताई। रिपोर्ट के मुताबिक कई उम्मीदवारों के लिए लोकप्रियता,

सामाजिक कार्य, अनुभव, योग्यता और अच्छी छवि जैसे समान कारण बताए गए। कई मामलों में भाषा भी लगभग एक जैसी थी। तमिलनाडु में भाजपा, अन्नाद्रमुक, द्रमुक और टीवीके के कुछ उम्मीदवारों के सी-7 प्रपत्रों में समान शब्दों के इस्तेमाल का भी रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है। इससे उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। हालांकि एडीआर ने रिपोर्ट की सीमाएं भी स्पष्ट की हैं। संगठन के अनुसार आंकड़े चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों की वेबसाइटों और सामाजिक माध्यमों पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर जुटाए गए हैं। इसलिए जिन मामलों में जानकारी नहीं मिली, उन्हें सीधे नियमों का उल्लंघन नहीं माना गया है। एक अन्य रिपोर्ट में एडीआर ने बताया कि 36 में से 21 क्षेत्रीय दलों ने अपनी घोषित आय से अधिक खर्च किया। इन दलों का कुल खर्च 1,433.07 करोड़ रुपये रहा, जो उनकी कुल आय से करीब 240.12 करोड़ रुपये अधिक था। यानी इन दलों ने घोषित आय से लगभग 20 प्रतिशत ज्यादा खर्च किया।

चुनाव लड़ने के लिए नौकरी छोड़ी, हार के बाद वापसी चाही तो हाईकोर्ट ने कहा- सरकारी सेवा में दोबारा नहीं लौट सकते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकारी कर्मचारियों के चुनाव लड़ने के बाद दोबारा सरकारी नौकरी में लौटने को लेकर अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि कोई सरकारी कर्मचारी या अधिकारी अपनी इच्छा से नौकरी से इस्तीफा देकर चुनाव लड़ता है, तो चुनाव में हार या जीत के बाद केवल परिणाम के आधार पर उसे इस्तीफा वापस लेकर सरकारी सेवा में बहाल नहीं किया जा सकता। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने नीरज बिश्नोई की याचिका खारिज करते हुए केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, जयपुर के फैसले को बरकरार रखा।

नीरज बिश्नोई उत्तर पश्चिम रेलवे में वरिष्ठ लेखा परीक्षक के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने राजस्थान विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 10 अक्टूबर 2023 को इस्तीफा दिया था। विभाग ने उनका इस्तीफा 1 नवंबर 2023 से स्वीकार कर लिया। इसके बाद उन्होंने चूरू जिले की रतनगढ़ विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। चुनाव हारने के बाद बिश्नोई ने 1 जनवरी 2024 को इस्तीफा वापस लेने और सरकारी सेवा में बहाली के लिए आवेदन किया। विभाग ने 29 जनवरी को उनका अनुरोध खारिज कर दिया। इसके बाद भी राहत नहीं मिलने पर उन्होंने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण का रुख किया, जहां उनकी मांग खारिज कर दी गई।

2,500 की नौकरी से 6 करोड़ की संपत्ति तक, मंदी में भी नहीं छोड़ा निवेश; ग्रिजेश की कहानी सिखाती है पैसे का बड़ा सबक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। करोड़ों की संपत्ति बनाने के लिए हमेशा बड़ी विरासत या बहुत ऊंची शुरुआती कमाई जरूरी नहीं होती। अहमदाबाद के 51 वर्षीय ग्रिजेश अगल की कहानी इसका उदाहरण है। उन्होंने वर्ष 1998 में उदयपुर से महज 2,500 रुपये मासिक वेतन पर मेडिकल प्रतिनिधि के रूप में करियर शुरू किया था। आज उनके पास म्यूचुअल फंड, शेयर, अचल संपत्ति और सोने को मिलाकर 6 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है।

ग्रिजेश राजस्थान के सलूंबर में मध्यमवर्गीय परिवार में पले-बढ़े। बी.फार्मा और एमबीए करने के बाद उन्होंने फार्मा बिक्री क्षेत्र में नौकरी शुरू की। वर्ष 2004 में अहमदाबाद आने के बाद उन्हें कारोबार और शेयर बाजार की समझ विकसित करने का मौका मिला। वर्ष 2009 में एरिस लाइफसाइंसेज से जुड़ने के बाद उनका सालाना पैकेज 6 लाख रुपये हुआ, जो आगे बढ़कर 9 लाख, 15 लाख और 21 लाख रुपये तक पहुंचा। उनकी निवेश यात्रा में उतार-चढ़ाव भी आए। वर्ष 2006 में 15 हजार रुपये वेतन के दौरान उन्होंने 20 हजार रुपये एकमुश्त निवेश और 7 हजार रुपये मासिक एसआईपी शुरू की। लेकिन 2008 की बाजार गिरावट में उनका निवेश पोर्टफोलियो करीब 70 प्रतिशत गिर गया और उन्होंने एसआईपी रोक दी। बाद में उन्हें समझ आया कि निवेश शुरू करने के साथ आर्थिक आधार मजबूत रखना भी जरूरी है। इसके बाद उन्होंने कर्ज खत्म करने पर जोर दिया। अक्टूबर 2010 में पहला गृह ऋण चुकाया और दिसंबर 2011 में 7 हजार रुपये की एसआईपी दोबारा शुरू की।

सात महीने से लापता छात्रा को आधार-ओटीपी ने खोजा, शादी के बाद मिली; साथ गई नाबालिग सहेली अब भी लापता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में जनवरी से लापता 18 वर्षीय छात्रा तनिष्का को पुलिस ने करीब सात महीने बाद आधार कार्ड से जुड़े ओटीपी की मदद से खोज निकाला। तनिष्का 31 जनवरी को अपनी नाबालिग सहेली के साथ कॉलेज जाने की बात कहकर घर से निकली थी। दोनों अपने मोबाइल फोन और एटीएम कार्ड घर पर छोड़ गई थीं और केवल आधार कार्ड तथा कॉलेज बैग लेकर निकली थीं। इसके कारण पुलिस के लिए उनकी लोकेशन का पता लगाना मुश्किल हो गया था विद्यारण्यपुरा इलाके में परिवार के साथ रहने वाली तनिष्का पीयूसी द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। घर से निकलने के कुछ दिन बाद दोनों ने अपने दोस्तों को फोन कर बताया था कि वे माले महादेश्वर पहाड़ियों में हैं। उन्होंने करीब एक सप्ताह बाद दोबारा फोन करने की बात कही, लेकिन इसके बाद उनका संपर्क नहीं हुआ।

परिवार की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया और 10 सदस्यों की टीम बनाकर 100 से अधिक स्थानों पर तलाश की। सुराग नहीं मिलने पर परिवार ने हाईकोर्ट का रुख किया। अप्रैल में कर्नाटक हाईकोर्ट ने जांच सीआईडी को सौंप दी। सीआईडी की जांच में सामने आया कि दोनों पहले मैसूरु और फिर चामराजनगर के मंदिरों में गई थीं। इसके बाद वे माले महादेश्वर पहाड़ियों पहुंचीं। जांच अधिकारियों के अनुसार, दोनों ने वहां आत्महत्या करने का फैसला किया था, लेकिन उनकी मुलाकात दो युवकों से हुई, जिन्होंने उन्हें ऐसा कदम उठाने से रोका। इसके बाद दोनों अलग-अलग युवकों के साथ चली गईं पुलिस के मुताबिक, तनिष्का जिस युवक के साथ गई, उसके परिवार ने रिश्ता स्वीकार कर लिया। दोनों ने मंदिर में शादी की और कनकपुरा तालुक के एक गांव में रहने लगे। तनिष्का के पास मोबाइल या सिम कार्ड नहीं था। इसी बीच उसने आधार कार्ड के जरिए सरकारी स्वास्थ्य योजना के लिए आवेदन किया और उसमें अपने पति का मोबाइल नंबर दिया। आवेदन के दौरान इसी नंबर पर ओटीपी आया। सीआईडी ने नंबर को ट्रेस कर उसके पति तक पहुंच बनाई और तनिष्का को खोज निकाला। तनिष्का को हाईकोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, वह अब गर्भवती है। वहीं उसके साथ घर से निकली नाबालिग लड़की का अभी तक पता नहीं चला है और सीआईडी उसकी तलाश में जुटी है।

14 सितंबर को खुलेगा स्ट्रॉन्ग रूम, सुबह 8 बजे से शुरू होगी पालिका चुनाव की मतगणना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवली। नगर पालिका आम चुनाव 2026 के तहत 14 सितंबर को मतगणना की जाएगी। मतगणना पीएम श्री राजकीय विद्यालय देवली स्थित मतगणना कक्ष में होगी। रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय देवली की ओर से जारी सूचना के अनुसार मतगणना की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 14 सितंबर को सुबह 7:30 बजे स्ट्रॉन्ग रूम खोला जाएगा। इसके बाद सुबह 8 बजे से मतगणना का कार्य शुरू होगा। मतगणना के लिए तीन टेबल लगाई जाएंगी तथा मतों की गिनती कुल 12 चरणों में पूरी की जाएगी। मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा के साथ ही मतगणना स्थल पर भी आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। चुनाव परिणाम को लेकर प्रत्याशियों और समर्थकों में उत्सुकता बनी हुई है।

JOURNALIST UNITY
AIRA INTERNATIONAL
REPORTER'S ASSOCIATION
AIRA
PRESS

113 करोड़ लूटने वाला क्रिप्टो ठग पुलिस के हवाले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। दुबई में छिपा था मास्टरमाइंड, 8 साल बाद आया शिकंजे मेंपैसा डबल-तिगुना करने के नाम पर लोगों को लूटने वाले 113 करोड़ के क्रिप्टो फ्रॉड के सरगना अमित लखनपाल को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे ...श से पकड़कर भारत लाया गया है। इस घोटाले का खुलासा 2018 में इंडिया टुडे के स्टिंग में हुआ था। ठग ने Money Trade Coin नाम की कंपनी बनाई और बोला - '1 लाख लगाओ, 20 लाख पाओ।' व्हाट्सएप, फेसबुक और सेमिनार के जरिए लोगों को झांसा दिया गया। शुरुआती में जुड़े कुछ लोगों एवं एजेंट को भरपूर पैसा दिया ताकि वे और लोगों को जोड़ें। बाद में पूरा पैसा लेकर दुबई भाग गया।

1. लालच से बचो: कोई भी कंपनी अगर कुछ ही महीने में पैसा डबल करने का वादा करे, तो समझ जाओ 100' फ्रॉड है।

2. RBI की लिस्ट देखो: क्रिप्टो करेंसी भारत में लीगल टेंडर नहीं है। पैसा लगाने से पहले RBI की वेबसाइट पर चेक कर लो। होटल में फ्री सेमिनार, विदेश ट्रिप का लालच, 'बस 2 लोगों को जोड़ो' - ये सब पोंजी स्कीम के लक्षण हैं। IRA रिपोर्टर संघके प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने अपने पूरे छत्तीसगढ़ के व्यक्तियों से आग्रह किया है कि , मेहनत का पैसा बहुत कीमती है। किसी अनजान लिंक, ऐप या एजेंट के चक्कर में मत आना।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.